विदेश मंत्रालय ने लगातार तीसरे दिन की प्रेस कॉन्फ्रेंस, कर्नल सोफिया कुरैशी बोलीं-

अपने नागरिकों को ढाल बना रहा पाक

BRIEF NEWS देश में खाद्यान्न की कोई

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

चांदी

79,454.47 24,008.00

> 9,190 110.00

कमी नहीं : शिवराज सिंह NEW DELHI : कंद्रीय कृषि, किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर शक्रवार को मंत्रालय तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और ग्रामीण विकास मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद मीडिया से चर्चा में शिवराज ने

कहा कि अधिकारियों से फसल बुआई, खाद्यान्न, फल-सब्जी उत्पादन तथा उपलब्धता की जानकारी लेने के साथ मौजूदा परिस्थितियों में किसानों को कहीं-कोई दिक्कत नहीं आने देने के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। देश में गेहं, चावल व अन्य अनाज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। बंपर उत्पादन हुआ है।

अनिश्चितकाल के लिए आईपीएल २०२५ स्थगित

NEW DELHI: भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और सीमा पर युद्ध जैसी स्थिति में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) को स्थगित करने का फैसला किया है। जल्द ही औपचारिक घोषणा किए जाने की संभावना है। यह फैसला आईपीएल द्वारा पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच गरुवार को होने वाले मैच को पहली पारी के बीच में ही छोड़ने के फैसले के बाद सामने आया। धर्मशाला और आस-पास के इलाकों के एयरपोर्ट बंद होने के कारण, पंजाब और दिल्ली के खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ शुक्रवार सुबह आईपीएल द्वारा आयोजित एक विशेष ट्रेन से दिल्ली पहुंचे। आईपीएल 2025

फिर तपने लगा झारखंड 40 डिग्री पहुंचा तापमान

RANCHI: झारखंड एक बार फिर

में अभी तक 58 मैच हो चुके हैं,

भी शामिल है।

जिसमें धर्मशाला में रद्द किया गया मैच

से तपने लगा है। राज्य के पलामू जिला में तापमान ४० डिग्री पहुंच गया है। अन्य जिलों में भी तापमान में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है। राजधानी रांची में पिछले छह दिनों में तापमान में पांच डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई है। तीन मई को रांची में अधिकतम तापमान ३१.८ डिग्री था जो शुक्रवार को बढ़कर 36.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। तापमान बढ़ने से राजधानीवासियों को दिन में प्रचंड गर्मी का एहसास हो रहा है, जबकि शाम होते ही बादल छा रहे हैं और कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हो रही है। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिल रही है। वहीं गुरुवार की शाम में बुंदाबांदी के बावजूद काफी उमस महसूस की गई। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि होने की आशंका जताई है। साथ ही 10 से 14 मई तक

उत्तर-पूर्वी झारखण्ड में लू चलने को

लेकर येलो अलर्ट जारी किया है।

शुक्रवार को शाम 5:30 बजे विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के साथ तनाव पर लगातार तीसरे दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कर्नल सोफिया करैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह मौजूद रहीं। इससे पहले 7 और 8 मई को भी सरकार की तरफ से ऑपरेशन सिंदुर की जानकारी दी गई थी।

कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा 8-9 मई की मध्य रात्रि को पाकिस्तानी सेना ने सैन्य बनियादी ढांचे को निशाना बनाने के इरादे से हमला अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 36 स्थानों पर घुसपैठ का प्रयास किया गया। करीब 300-400 ड्रोन का इस्तेमाल किया। इनका मकसद खुफिया और वायु रक्षा प्रणालियों की जानकारी लेना था। शुरूआती जांच में यह सामने आया कि तुर्किये के ड्रोन थे। इनकी जांच की जा रही है। भारतीय सेनाओं ने इन्हें नष्ट कर दिया। एक यूएवी भी मुवमेंट कर रही थी, जिसे निष्क्रिय कर दिया गया। पाकिस्तान ने एलओसी पर भारी फायरिंग की, इसमें कुछ जवान घायल हुए। 7 मई 2025 को रात साढ़े आठ बजे मिसाइल और ड्रोन हमला किया और उस दौरान अपना एयर स्पेस बंद नहीं किया। नागरिकों का इस्तेमाल ढाल के लिए किया। पंजाब सेक्टर में हाई एयर डिफेंस अलर्ट के दौरान हमारा एयरस्पेस नागरिक उड़ानों के लिए बंद है, लेकिन पाकिस्तान के इलाके में नागरिक उड़ान चल रही थी। पाकिस्तान का नागरिक विमान दमम से उडान भरकर लाहौर तक गया। भारतीय वायुसेना ने अपनी अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमान सेवा यूएवी ने भठिंडा आर्मी स्टेशन जिसे गिरा दिया गया था। इससे प्रतिक्रिया में संयम दिखाया और की सुरक्षा तय की। पाकिस्तान की टारगेट करने की कोशिश की थी, पहले केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ३६ स्थानों पर घुसपैठ का किया गया प्रयास

भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की नापाक कोशिश

प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश सचिव

विक्रम मिसरी ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने बहस्पतिवार रात भारतीरा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की पाकिस्तान की कोशिश का उचित और पर्याप्त रूप से जवाब दिया। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी पक्ष ने विशेष पूजा स्थलों को निशाना बनाया और यह पाकिस्तान की एक और घटिया हरकत है। विक्रम मिसरी ने बताया कि कल रात की पाकिस्तानी सेना की कायरतापूर्ण गतिविधियों से आपको अवगत करा दिया गया है। ये उकसाने वाली कार्रवाई थी, उन्होंने भारतीय शहरों और सिविलियन इन्फ्रास्ट्रक्वर और कुछ मिलिट्री टिकाने को टारगेट किया। भारतीय सैन्य इकाइयों ने इनका उत्तर दिया।



पाकिस्तान ने हवार्ड क्षेत्र का किया उल्लंघन : व्योमिका सिंह

विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने कहा कि पाकिस्तान ने आट और नौ मई की दरमियानी रात को भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के लिए देश के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। सिंह ने बताया कि पाकिस्तान ने भारत के सैन्य प्रतिष्ठानों को

निशाना बनाने के लिए बृहस्पतिवार रात लेह से लेकर सर क्रीक तक ३६ जगहों पर 300 से 400 ड्रोन भेजे। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने इन डोन को मार गिराया। ७ मई 2025 को रात साढ़े आट बजे मिसाइल और ड्रोन हमला किया

और उश दौरान अपना एयर स्पेस बंद नहीं किया। नागरिकों का इस्तेमाल ढाल के लिए किया। पंजाब सेक्टर में हाई एयर डिफेंस अलर्ट के दौरान हमारा एयरस्पेस नागरिक उड़ानों के लिए बंद है, लेकिन पाकिस्तान के इलाके में नागरिक उड़ान चल रही थी।

पाकिस्तान ने दागे ४०० तुर्किये ड्रोन एयरस्पेस में उड़ने दिए यात्री विमान ताकि भारत न करे जवाबी हमला

भारतीय सेनाओं ने सही टाइम पर सभी डोन को कर दिया नष्ट

विदेश सचिव विक्रम मिसरी बोले पाकिस्तानी पक्ष ने विशेष पूजा स्थलों को बनाया निशाना

रक्षा मंत्रालय ने कहा, भारत अपनी संप्रभृता और अपने लोगों की रक्षा करने के लिए पूरी तरह से है तैयार

शक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शीर्ष सैन्य नेतत्व के साथ बैटक कर राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य की व्यापक संमीक्षा की। यह समीक्षा भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की पाकिस्तान की कोशिशों को विफल किए जाने के एक

दिन बाद की गई। बताया जा रहा है कि सुरक्षा संबंधी बदलते हालात से जुड़े हर पहलू पर बैठक में चर्चा की गई। भारत ने रात को जम्मू पटानकोट, उधमपुर एवं कुछ अन्य स्थानों में सैन्य प्रतिष्ठानों पर पाकिस्तान द्वारा मिसाइल एवं ड्रोन से हमला किए जाने

के प्रयासों को विफल कर दिया। भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के प्रयासों को विफल किए जाने के बाद रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारत अपनी संप्रभुता की रक्षा करने और अपने लोगों की रक्षा करने के लिए पूरी तरह से

पाकिस्तान ने फिर की नापाक हरकत, भारत ने किया नाकाम

पाकिस्तान ने लगातार दसरे दिन भारत पर डोन्स और मिसाइल से हमले किए। शुक्रवार को शाम होते ही पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के 6 सेक्टर उरी, तंगधार, केरन, मेंढर, नौगाम, आरएसपरा, अरनिया और पुंछ में फायरिंग शुरू कर दी। पंजाब के फिरोजपुर में मिसाइल अटैक हुआ। इधर, जम्म, पंजाब के फिरोजपर और राजस्थान के जैसलमेर में कम्प्लीट ब्लैकआउट कर दिया गया है। राजस्थान के पोकरण में भी ड्रोन अट्रैक किया गया। भारत ने पाकिस्तान के सभी हमलों को नाकाम कर दिया। चंडीगढ और अंबाला में हवाई हमले की चेतावनी दी गई है। चंडीगढ़ में सेना की वेस्टर्न कमांड है, एनआईए का भी दंपतर है।

अमित शाह ने अधिकारियों के साथ सुरक्षा को लेकर की बैठक

शक्रवार को भारत एवं पाकिस्तान के बींच सैन्य संघर्ष के मद्देनजर गह मंत्री अमित शाह ने पाकिस्तान के साथ लगती भारत की सीमा और देश के हवाई अड्डों पर मौजूदा स्थिति की समीक्षा की। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इससे कछ ही घंटो पहले सीमा सरक्षा बल (बीएसएफ) ने कहा कि उसने जम्मू में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्टीय सीमा के पार से घसपैत की कोशिश कर रहे सात आतंकवादियों को मार गिराया और पाकिस्तान रेंजर्स की एक चौकी को भी नष्ट कर दिया है।

24 हवार्ड अड्डे १५ मई तक नागरिक उड़ानों के लिए बंद

श्रीनगर और चंडीगढ समेत देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में कम से कम २४ हवाई अड्डों को १५ मई तक नागरिक उडानों के लिए बंद कर दिया गया है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पहले, भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के मद्देनजर इन हवाई अड्डों को 10 मई तक नागरिक उड़ानों के लिए बंद कर दिया गया था। एयरलाइन ने कहा कि 15 मई तक हवाई अड्डों के अस्थायी रूप से बंद होने के कारण उनकी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

पीएम ने सशस्त्र बलों के पीएम मोदी ने की पूर्व अफसरों से की बात उच्चस्तरीय बैठक शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र पाकिस्तान के साथ तनावपर्ण

मोदी ने पाकिस्तान के साथ संबंधों के बीच पीएम मोदी ने चल रहे संघर्ष के बीच तीनों एक बार फिर राष्ट्रीय सुरक्षा सेनाओं के पूर्व प्रमुखों सहित कई पूर्व सैन्य अधिकारियों के साथ व्यापक बातचीत की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद कि इनमें सेना, वायुसेना रहे। इससे पहले प्रधानमंत्री और नौसेना के पूर्व प्रमुखो के अलावा देश की सेवा कर चुके अन्य सेवानिवृत्त अधिकारी भी शामिल हैं।

और स्वास्थ्य बुनियादी

सुविधाओं की समीक्षा की।

घुसपैट की कोशिश कर रहे सात आतंकवादियों को किया गया ढेर

शुक्रवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने कहा कि उसने जम्मू में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार से घुसपैठ की कोशिश कर रहे सात आतंकवादियों को मार गिराया और पाकिस्तान रेंजर्स की एक चौकी को भी नष्ट कर दिया है। सांबा जिले में बृहस्पतिवार रात करीब ११ बजे सुरक्षा बलों का आतंकवादियों से आमना सामना हुआ था, जब निगरानी करने वाले बीएसएफ के जवानों ने आतंकवादियों के एक बड़े समह को देखा था। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने कहा कि घुसपैट की कोशिश को पाकिस्तान रेंजर्स की ढांढर चौकी का समर्थन था, जिनकी करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि सैंनिकों ने घुसपैट की कोशिश को नाकाम कर दिया।

एक्शन : सेना की वर्दी को लेकर आर्मी इंटेलिजेंस और एटीएस ने मारी रेड

रांची में नकली वर्दी के कपड़ों को किया गया जब्त

शकवार को राजधानी रांची के गणेश आर्मी स्टोर में आर्मी इंटेलिजेंस और एटीएस की टीम ने सेना की वर्दी से जुड़े मामले को लेकर छापेमारी की है। छापेमारी में प्रतिबंधित वर्दी के कपड़ों को आर्मी इंटेलिजेंस और एटीएस ने जब्त किया है। आर्मी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक लखनऊ मिलिट्री इंटेलिजेंस से मिली विशेष सूचना के आधार पर झारखंड एटीएस और एमआई ने रांची में संयुक्त अभियान चलाकर स्टोर की तलाशी ली। इस दौरान दीपाटोली केंट के सामने बूटी मोड़ के पास गणेश आर्मी स्टोर से भारतीय सेना की लड़ाकू वर्दी और अनिधकृत सेना के लड़ाकू कपड़े बरामद किए हैं।

लखनऊ मिलिट्री इंटेलिजेंस से मिली विशेष सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई

की मदद को लेकर गई थी। दरअसल

लोगों को भी बेची जा रही है।

लखनऊ आर्मी इंटेलिजेंस में सूचना मिली थी

कि गणेश आमीं स्टोर में सेना की वर्दी आम



सर्च करने में मांगी गई थी मदद : ऋषभ झा

एटीएस एसपी ऋषभ झा ने बताया कि आर्मी इंटेलिजेंस द्वारा उनसे बूटी मोड स्थित गणेश आर्मी स्टोर में सर्च करने में मदद मांगी गई थी। एटीएस की टीम वहां आर्मी इंटेलिजेंस

तनाव के कारण अलर्ट की स्थिति को

देखते हुए ऐसी नकली वर्दी का इस्तेमाल राष्ट्र विरोधी तत्वों द्वारा किया जा सकता है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। इस मामले में इरादे और लिंक की पहचान करने के लिए एजेंसियों द्वारा सभी संभावित कोणों की जांच की जा रही है। बता दें कि बूटी मोड़ के पास भारतीय सेना के दो कैंप है। गणेश आर्मी स्टोर में भारतीय सेना के कई तरह के सामान मिलते हैं। वहां वर्दी की सिलाई भी होती है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा

भारत-पाकिस्तान सीमा पर चल रहे

उत्तरी. पश्चिमी और पर्वी कमान में प्रादेशिक सेना की १४ इन्फैंटी बटालियनों को किया गया सक्रिय

संलाहकार अजीत डोभाल

और चीफ ऑफ डिफेंस

स्टाफ अनिल चौहान के

ने तीनों सेनाओं के पर्व

प्रमुखों के साथ व्यापक

बातचीत की।

कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार

को देश के सभी स्वास्थ्य केंद्रों

साथ बैठक की। बैठक में

तीनों सेना प्रमुख और रक्षा

बीच सेना प्रमुख को प्रादेशिक सेना संगठित करने के लिए अधिकार बढ़ा दिए हैं। प्रादेशिक सेना नियम 1948 अधिकारियों और नामांकित कार्मिकों को आवश्यक सुरक्षा प्रदान करने या नियमित सैन्य अभियानों में सहायता बटालियनों को सक्रिय किया गया है। सुरक्षा प्रदान करने या नियमित सेना को सहायता या पुरक प्रदान करने शक्तियों का प्रयोग करने का सेना नियम 1948 के नियम 33 द्वारा को आवश्यक सुरक्षा प्रदान करने या नियमित सेना को सहायता या पुरक (प्रादेशिक सेना) दक्षिणी कमान, पूर्वी

बच्चों के साथ मां ने कुएं में लगा दी छलांग, तीनों नौनिहालों की गई जान पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के



PHOTON NEWS GIRIDIH: शुक्रवार को जिला में हृदय विदारक

घटना घटी। यहां एक महिला अपने तीन बच्चों को लेकर कुएं में कुद गई। घटना में तीनों बच्चों की मौत हो गई है, जबिक महिला को बचा लिया गया। घटना देवरी थाना क्षेत्र के खसलोडीह गांव की है। मृतकों में अविनाश कुमार 06 वर्ष, रानी कुमारी 03 वर्ष, फूल कुमारी 02 वर्ष शामिल है। बच्चों को लेकर कूदने वाली महिला आरती देवी को बेहोशी हालत में गिरिडीह अस्पताल भेजवाया गया है। महिला की स्थिति गंभीर बताई गई है। इस घटना की सूचना पर इंस्पेक्टर पास्कल टोप्पो, प्रभारी थानेदार रिशु सिन्हा खसलोडीह पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गए हैं।बताया जा रहा है घटना शुक्रवार की पूर्वांहन 11 बजे की है। महिला कुएं के पास पहुंची। यहीं पर तीनों बच्चों के साथ महिला ने कुएं में छलांग लगा दी। महिला के कुएं में छलांग लगाते हुए एक व्यक्ति ने देखा तो शोर मचाया। शोर मचाने के बाद कई ग्रामीण जुटे और किसी

गिरिडीह के देवरी थाना क्षेत्र के खसलोडीह गांव में हुई हृदयविदारक घटना

बेहोशी की हालत में मां को पहुंचाया गया अस्पताल, गंभीर बताई जा रही स्थिति

तरह चारों को कुएं से निकाला।

महिला तो बेहोश मिली, लेकिन तीनों बच्चों ने दम तोड़ दिया। इस घटना को लेकर गांव में चर्चा है कि गुरुवार रात के समय पति सोन् चौधरी के साथ पत्नी की किसी बात को लेकर कहासूनी हुई थी। इसी विवाद में महिला ने उस वक्त बच्चों के साथ आत्महत्या करने का निर्णय लिया, जब घर में कोई नहीं थे। वहीं परिजन सुषमा देवी का कहना है कि उनका बेटा सोनू रिश्तेदार के यहां

शादी में गया है, जबिक वह और

उसका पित गांव के ही एक शादी

समारोह में गए थे।

न्यू नॉलेज अचानक आई सक्रियता के कारण खगोलशास्त्रियों की बढ़ी उत्सुकता

अंतरिक्ष में कन्या तारामंडल की चमक ने वैज्ञानिकों को किया चकित

का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में भारत की उपलब्धि विश्व स्तरीय रहीं है। इस बीच दुनिया में एक रहस्यमयी और रोमांचक खोज ने हलंचल मचा दी है। वैज्ञानिकों ने 🔰 कन्या (विर्गो) तारामंडल में स्थित एक दूरस्थ

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में लगातार नए अनसंधान

आकाशगंगा के केंद्र में विशालकाय ब्लैक होले को सक्रिय अवस्था में देखा है, जो अब तक निष्क्रिय माना जा रहा था। यह ब्लैक होल नियमित अंतराल पर तीव्र एक्स-रे विस्फोट उत्पन्न कर रहा है, जिससे खगोलविद हैरान और उत्साहित हैं। यह असामान्य गतिविधि पृथ्वी से लगभग 30 करोड़ प्रकाश वर्ष दूर देखी गई है। शोधकताओं का मानना है कि यह एक अद्वितीय घटना है, जिसने ब्लैक होल 🔰 की प्रकृति और उसके व्यवहार को लेकर स्थापित धारणाओं को चुनौती दी है। इस आकाशगंगा की ओर वैज्ञानिकों का ध्यान पहली बार 2019 में गया, जब उसमें अचानक असामान्य चमक देखने को मिली। यह चमक इतनी तीव्र थी कि कई दूरबीनें अनायास ही उसकी ओर केंद्रित हों गईं।

एक दूरस्थ आकाशगंगा के केंद्र में दिखी विशालकाय ब्लैक होल की हलचल नियमित अंतराल पर उत्पन्न तेज एक्स-रे विस्फोट से उत्साहित हैं वैज्ञानिक

वास्तव में इस आकाशगंगा की ओर साल २०१९ में गया था वैज्ञानिकों का ध्यान पिछले साल चिली के खगोलविदों ने दुरबीनों की निगरानी में किया था विशेष अध्ययन



ब्लैक होल की प्रकृति व व्यवहार को लेकर स्थापित धारणाओं को मिली चुनौती

> चमकीले और सघन क्षेत्र 🐎 पृथ्वी से लगभग ३० को वैज्ञानिकों ने सक्रिय गैलेक्टिक नाभिक के रूप में पहचाना

करोड़ प्रकाश वर्ष दूर देखी गई है यह असामान्य गतिविधि

मौजूदा खगोलीय मॉडल को चैलेंज

ब्लैक होल और उसके व्यवहार को लेकर मौजूदा खगोलीय मॉडल इस साबित हो रहे हैं। वैज्ञानिकों को इस असामान्य गतिविधि को समझने के लिए नए सिद्धांत गढ़ने पड़ रहे हैं। एक्सएमएम-न्यूटन टेलीस्कोप से

जुड़े प्रमुख वैज्ञानिक डी जार्ज ने का कहना है एक परिकल्पना यह है कि एक्स-रे चमक तब उत्पन्न होती है, जब कोई छोटा खगोलीय पिंड जैसे कि कोई तारा या ग्रह, ब्लैक होल की अभिवृद्धि डिस्क से गुजरता है, जिससे उसमें विक्षोभ उत्पन्न होता है।

NEW DELHI: रक्षा मंत्रालय ने

के नियम 33 के तहत सेना प्रमुख अब प्रादेशिक सेना के सभी करने के लिए बुला सकते हैं। सरकार के इस फैसले के तहत उत्तरी, पश्चिमी और पूर्वी कमान में प्रादेशिक सेना की १४ इन्फेंट्री केंद्र सरकार ने शुक्रवार को जारी आदेश में सेना प्रमुख को प्रादेशिक सेना के प्रत्येक अधिकारी और प्रत्येक भर्ती व्यक्ति को आवश्यक के उद्देश्य से तैनात करने के लिए अधिकार दिया है। रक्षा मंत्रालय के परिपत्र में कहा गया है, प्रादेशिक प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार सेना प्रमुख को उस नियम के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रादेशिक सेना के प्रत्येक अधिकारी और प्रत्येक भर्ती व्यक्ति प्रदान करने के उद्देश्य से तैनात करने के लिए बुलाने का अधिकार देती है। परिपत्र के अनुसार मौजूदा 32 इन्फेंट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना) में से 14 इन्फेंट्री बटालियन कमान, पश्चिमी कमान, मध्य कमान, उत्तरी कमान, दक्षिण पश्चिमी कमान, अंडमान और निकोबार कमान और सेना प्रशिक्षण कमान (एआरटीआरएसी) के क्षेत्रों में

तैनाती के लिए बनाई गई हैं।

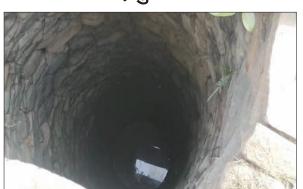
कोडरमा में पंप सेट निकालने कुएं में उतरे दो युवकों की जहरीली गैस से हुई मौत

डीजल पंप सेंट निकालने के लिए गुरुवार की रात में उतरे थे दोनों युवक

जिले के नवलशाही थाना अंतर्गत पूर्णानगर गांव में गुरुवार रात एक कएं में गिरे डीजल पंप सेट को निकालने के दौरान दो

यवकों की मौत हो गई। मतकों की पहचान बहादुर राणा (30) और सुरेंद्र साव (32) के रूप में जानकारी के अनुसार पूर्णानगर

निवासी दोनों युवक गुरुवार देर रात खेत में पटवन के लिए इस्तेमाल होने वाले डीजल पंप जो कि उक्त कुएं में गिर गया था उसे निकालने के लिए पहुंचे। रात में दोनों युवक रस्सी के सहारे कुएं में घुसे, जिसके बाद जब वे काफी देर तक बाहर नहीं निकले तो आसपास मौजूद लोगों को संदेह हुआ। लोग कुएं के



इसी कुएं में हुआ हादसा

लोग उन्हें बाहर निकालने के

लिए कुएं में घुसे। कुएं के अंदर

जाते ही वे लोग कुएं के बाहर

मौजद लोगों से उन्हें जल्द बाहर

पास पहुंचे तो देखा कि उक्त दोनों खींचने का इशारा करने लगे। युवक बेहोशी की हालत में थे। जिसके पश्चात वहां मौजूद लोगों इसके बाद वहां मौजूद चार अन्य ने उन्हें बाहर निकाला।

> उक्त चारों व्यक्ति जब बाहर आए तो उन्होंने बताया कि कएं में महज कमर तक ही पानी है। जो

• फोटोन न्यूज

गिरा था उसके डीजल के रिसाव के कारण अंदर काफी गैस बन गया है और सांस लेने में काफी तकलीफ हो रही है। वहीं, कुएं से डीजल पंप सेट निकालने पहले से पहुंचे दोनों युवकों को बाहर निकाला गया और 108 एम्बुलेंस की सहायता से सदर अस्पताल कोडरमा लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

वहीं उक्त दोनों युवकों को निकालने कुएं में घुसे घायल कारू राणा का इलाज अभी जारी है। इधर घटना की सूचना पाकर नवलशाही पुलिस अस्पताल पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम कराने में जुट गई। घटना के पश्चात पूरे गांव में

ट्रक की चपेट में आकर युवक की गई जान

KODERMA : जिले के नवलशाही थाना कोडरमा – गिरिडीह मुख्य मार्ग स्थित मारुती चौक के समीप गुरुवार देर रात ट्रक (जे एच 12 एफ 7465) के चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गयी। मृतक की पहचान संतोष राम (32) के रूप में की गई है। मृतक मरकच्चो थाना क्षेत्र के बरवाडीह का रहने वाला था। मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार देर रात ट्रक और बाइक दोनों वाहन नवलशाही से कोडरमा की ओर जा रही थी आगे बाइक सवार था और उसी के पीछे टक था। इसी दौरान मारुती चौक के समीप ट्रक ने उसे अपने चपेट मे ले लिया। घटना में बाइक सवार व्यक्ति घायल हो गया। वहीं स्थानीय लोगों की मदद से सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया। जहां डॉक्टरों द्वारा घायल व्यक्ति को गंभीर देखते हुए हजारीबाग रेफर कर दिया था। परन्तु घायल युवक ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए संदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया। वहीं घटना स्थल से नवलशाही पुलिस ने उक्त ट्रक को जप्त कर लिया। बता दें की मृतक मजदूरी कर के अपना घर चलाता था, मृतक का दो पुत्री

कार की टक्कर से जरुमी कारोबारी की मौत



PALAMU : पलाम् जिले में एक सडक हादसे में पनीर कारोबारी की मौत हो गई। जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के मुंदरिया गांव के पास पांकी-डालटनगंज मार्ग पर यह हादसा गुरुवार की दोपहर हुआ था। जख्मी पनीर कारोबारी ने घटना के करीब 12 घंटे बाद देर रात इलॉज के दौरान दम तोड दिया। शुक्रवार को एमआरएमसीएच में कारोबारी का पोस्टमार्टम किया गया। मृतक पनीर कारोबारी की पहचान चैनपुर के कोशिआरा निवासी कमलेश चौरसिया (33) के रूप में हुई है। पनीर की डिलीवरी के लिए लेस्लीगंज जा रहे थे। इसी दौरान पांकी से मेदिनीनगर की ओर आ रही एक बोलेरो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में कमलेश के दोनों पैर गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए थे और उन्हें अंदरूनी चोट आई थी। स्थानीय लोगों ने तुरंत कमलेश को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज और अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया गया। इलाज के बाद गरुवार रात कमलेश की मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। कमलेश के पिता का देहांत पांच साल पहले हो चुका था और वह घर का इकलौता कमाने वाला सदस्य था। पुलिस ने घटनास्थल से दुर्घटनाग्रस्त बाइक और बोलेरो को जब्त कर लिया

यूपी के तीन युवकों को बनाया बंधक, 1.30 लाख की फिरौती वसूली

गोरखपुर और संतकबीरनगर के तीन युवकों को झारखंडू के

जामताँड़ा जिले में नौकरी का झांसा देकर बंधक बना लिया गया। आरोप है कि उन्हें डंडों से पीटकर 1.30 लाख रुपये की फिरौती वसूली गई। कैंपियरगंज निवासी अब्दुल सलाम ने बताया कि एक पूर्व रसोइया, जो अब जामताड़ा में रहता है, ने उन्हें नौकरी का प्रस्ताव दिया था। अब्दुल सलाम, पिंटू (खलीलाबाद, संतकबीरनगर) और राजू तीन अप्रैल को ट्रेन से जामताड़ा पहुंचे, जहां वह रसोइया उन्हें एक कार से एक कमरे में ले गया। रात का खाना खाने के बाद सभी यवक सो गए। करीब दो बजे रात में कुछ लोग कमरे में घुसे और तीनों को डंडों से पीटना शुरू कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने धमकी दी कि जब तक परिजन पैसे नहीं भेजते, वे उन्हें नहीं छोड़ेंगे। डर के माहौल में परिजनों ने कुल 1.30 लाख रुपये भेजे, जिसके बाद युवकों को रिहा किया गया। एसओ कैंपियरगंज राकेश रोशन ने बताया कि पहले एक महिला ने अपने पति के अपहरण की शिकायत की थी, लेकिन बाद में युवक लौट आए और उन्होंने केस दर्ज कराने से इनकार कर दिया। पुलिस अभी मामले की गंभीरता से

जांच कर रही है।

BRIEF NEWS

जनता दरबार में दूरदराज से भी आए ग्रामीण



HAZARIBAG: उपायुक्त नैन्सी सहाय के निदेशीनुसार, सामाजिक सुरक्षा निदेशक निवेदिता रॉय ने शुक्रवार को समाहरणालय सभा कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे आमजनों की समस्याओं को सुना तथा इसके त्वरित समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों आवेदन अग्रसारित करते हुए निर्धारित समय सीमा पर निष्पादन करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में संतोष कुमार सिंह व संजीव कुमार ने 2 वर्ष से कार्य कर रहे योग शिक्षकों की पुनः नियुक्ति के संबंध में आवेदन सौंपा। कुम्हार टोली हजारीबाग से सुमित चंद्र सहाय ने एलपीसी निर्गत नहीं किए जाने के संबंध में आवेदन दिया, डांडी आंचल थाना गिद्दी की रीमा देवी ने अपने जमीन पर अवैध कब्जा एवं अतिक्रमण हटाने के संबंध में आवेदन दिए, दादपुर पंचायत चौपारण के मोहम्मद वसीम ने ट्राई साइकिल उपलब्ध किए जाने को लेकर आवेदन दिए, विष्णुगढ़ की सुनीता कुमारी ने पिता की संपत्ति में अधिकार एवं मायका में सम्मान प्राप्ति के लिए आवेदन सौंपा।

थाने में आरोपी ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

ADITYAPUR: सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपर थाना में शुक्रवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जिसने पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया। थाने में पूछताछ के लिए लाए गए एक आरोपी ने बंद कमरे के भीतर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान आदित्यपुर के रोड नंबर-7 निवासी अनिल महतो (40) के रूप में हुई है, जो पेशे से व्यापारी था और

शर्मा मार्केट में दुकान चलाता था। जानकारी के

महतो को एक नाबालिंग लडकी के साथ अवैध संबंध के एक गंभीर मामले में पछताछ के लिए थाने बलाया गया था। इस संबंध में नाबालिंग लड़की की मां ने आदित्यपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें अनिल महतो पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। पुलिस इस शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही थी और पछताछ के लिए अनिल महतो को थाने लेकर आई थी। पूछताछ के दौरान अनिल महतो को थाने के एक बंद कमरे में रखा गया था। इसी कमरे में, उसने कंबल को फाडकर उसका फंदा बनाया और पंखे से लटककर अपनी जान ले ली। घटना की जानकारी जैसे ही थाना परिसर में फैली, वहां अफरातफरी मच गई। आनन-फानन में पुलिसकर्मी अनिल महतो को गंभीर हालत में जमशेदपर के टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) ले गए. जहां डॉक्टरों ने उसे मत घोषित कर दिया। सरायकेला के अनमंडल पुलिस पदाधिकारी समीर सवैयां ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतक अनिल महतो का एक नाबालिंग लड़की के साथ संबंध था, जिसकी शिकायत लड़की की मां ने थाने में दर्ज कराई थी। एसडीपीओ ने यह भी बताया कि प्रारंभिक जांच में अनिल महतो की संलिप्तता पाई गई थी,

जिसके बाद उसे पूछताछ के लिए थाने लाया गया था। उन्होंने बताया कि

पूछताछ अभी शुरूआती चरण में ही थी कि आरोपी ने यह आत्मघाती

अगलगी की घटना में शामिल चार डायन बताकर महिला की नक्सलियों को किया गया गिरफ्तार

चंदवा थाना क्षेत्र में 2 मई को खनन सर्वे की कंपनी के सामानों को लगा दी थी आग

लातेहार एसपी कुमार गौरव को मिली गुप्त सूचना पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। उक्त नक्सली माओवादी कमांडर मनोहर गंझू के दस्ते के लिए काम करते थे। गिरफ्तार नक्सलियों में अरुण गंझु, गोविंद गंझु, सतीश गंझु और राजकुमार भगत शामिल है। सभी नक्सली चंदवा थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। गत 2 मई को चंदवा थाना क्षेत्र में खनन सर्वे कंपनी के गाड़ियां और ड्रिलिंग मशीन में आग लगाने की घटना में गिरफ्तार नक्सलियों के द्वारा सहयोग दिया गया था। शुक्रवार को प्रेस वार्ता करते हुए डीएसपी



विनोद रवानी ने बताया कि खनन कंपनी की गाड़ियां और ड्रिलिंग मशीन में आग लगाए जाने की घटना के बाद एसपी कुमार गौरव के निर्देश पर पुलिस की टीम

लगातार अपराधियों को चिन्हित कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर नक्सिलयों को घटना में

सहयोग करने वाले चार लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों ने पुलिस को बताया कि घटना के दौरान उन लोगों के द्वारा रास्ते की निगरानी की जा रही थी ।ताकि पुलिस के आने के पहले ही घटना को अंजाम दे रहे नक्सलियों को सूचित किया जा सके। इसके अलावा संगठन के लोगों के खाने और ठहरने की भी व्यवस्था उनके जिम्मे थी। डीएसपी ने बताया कि नक्सलियों ने रंगदारी की वसूली के लिए गाड़ियों तथा ड्रिलिंग मशीन में आग लगाई थी। उन्होंने कहा कि घटना को अंजाम देने वाले नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार

हत्या, ४ आरोपी गिरफ्तार KHUNTI: खुंटी जिले के मुरह थाना क्षेत्र के पतराडीह गांव में अंधविश्वास के कारण एक महिला की निद्रावस्था में बेरहमी से हत्या कर दी गई। घटना छह मई की रात की है, जब गांव की 40 वर्षीय बुधनी पुरती की निद्रावस्था में टांगी और तोना से काटकर निर्मम हत्या कर दी गई।

नौ महीने की बच्ची बार-बार बीमार पड़ती थी, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान था। इसी अंधविश्वास में उसने अपने तीन साथियों को अलग-अलग गांवों से बुलाकर बुधनी की हत्या की साजिश रची और छह मई की रात को, जब बुधनी सो रही थी, उस पर धारदार हथियारों से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया।

पुलिस ने कांड का उद्धेदन करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार

जन शिकायत निवारण में डीसी ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं



लोगों की शिकायत सुनते उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता

• फोटोन न्यूज

LATEHAR : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय कक्ष में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। उपायुक्त ने सभी लोगों से एकझएक कर समस्या सुनी एवं आश्वासन दिया कि सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जांच कराते हुए समाधान किया जाएगा। आज के जन शिकायत निवारण में

कुल 13 आवेदन आए, जो मुख्य रूप से वन पट्टा, कुप का बकाया राशि के संबंध में, डीप बोरिंग, सोलर सिस्टम लगाने के संबंध में, अनुकम्पा, जमीन विवाद से

संबंधित जुड़े थे। शिकायत शिकायतकर्ता की समस्या को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को कड़े शब्दों में निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन करते हुए, समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करें।

खुंटी में बच्चों के लिए समर कैंप का आयोजन १७ मई से

KHUNTI : खूंटी राइफल शूटिग क्लब और खुंटी बैडमिंटन अकादमी के संयक्त तत्वावधान में 17 से 26 मई तक खूंटी में समर कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में राइफल शृटिग क्लब के प्रशिक्षक अनुज कुमार ने बताया कि गर्मी की छुट्टियों में समर कैंप बच्चों के लिए एक शानदार अवसर है। नए कौशल सीखने और विकसित करने का अवसर है। विभिन्न प्रकार की गतिविधियों और अनभवों के माध्यम से, बच्चों में सामाजिक और शारीरिक कौशल विकसित केरने कें लिए समर कैंप काफी फायदेमंद होगा। उन्होंने बताया कि समर कैंप में राइफल एवं पिस्टल में आठ साल के अधिक उम्र के बालक-बालिकाओं का चयन किया जाएगा। समर कैंप में राइफल शटिंग समेत शारीरिक प्रशिक्षण, मनोरंजक गतिविधियां,

योग आदि की कक्षाएं शामिल होंगी।

पलामु में अवैध संबंध का विरोध करने पर पत्नी की कर दी हत्या

इस मामले में पुलिस ने त्वरित

कार्रवाई करते हुए चार

हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर

लिया है। इस संबंध में अपने

कार्यालय कक्ष में एक प्रेस

कांफ्रेंस कर एसडीपीओ वरुण

रजक ने बताया कि मुख्य

आरोपी एतवा उर्फ लोर सिंह

(22 वर्ष), जो पतराडीह गांव

का ही निवासी है, को संदेह था

कि उसकी पड़ोसन बुधनी डायन

है और उसकी बेटी पर काला

जाद कर रही है। उसकी आठ-

पलामु जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के बढीवीर पंचायत के खरकटी गांव में एक पति ने अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद शव को फांसी के फंदे पर लटका दिया। महिला की पहचान 32 वषीर्या चिंता देवी, पति राम् चौधरी के रूप में हुई है। पत्नी पति के अवैध संबंध से नाराज रहती थी। घटना के बाद से आरोपित राम् शुक्रवार को महिला के शव का

पोस्टमार्टम एमआरएमसीएच में किया गया। पलिस आरोपित की तलाश कर रही है। बताया गया कि चिंता देवी ने पांच मई को चैनपुर थाने में शिकायत की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनका पति किसी अन्य महिला के साथ अवैध संबंध रखता है। पुलिस ने रामू को



घटनास्थल पर जुटी महिलाएं

• फोटोन न्यज में उसके साथ रहता है। घटना के

बुलाकर समझाया और बांड भरवाकर छोड़ दिया था। मृतका के पिता मुसन चौधरी ने बताया कि 12 साल पहले चिंता की शादी रामू से हुई थी। राम् पिछले एक साल से बाहर काम करता था। वह घर के लिए बहुत कम पैसे भेजता था। एक महीने पहले जब वह घर आया, तो लगातार किसी महिला से फोन पर बात करता था। चिंता का आरोप था कि रामू अपना सारा पैसा उस महिला को देता है और मेदिनीनगर

खींच लिया और कोई भी कानूनी

प्रक्रिया पूरी किए बिना सभी

यह भी आरोप है कि इन विदेशी

और भारतीय निदेशकों ने न

केवल कंपनियों अधिनियम का

जिम्मेदारियों से अलग हो गई।

समय चिंता की मां लीलावती देवी अपने घर रबदा गई थीं। गुरुवार रात करीब उन्हें बेटी की मौत की खबर मिली। चिंता के एक लड़की और दो लड़के है। मतका के 10 वर्षीय पत्र राज

चौधरी ने बताया कि उसके पिता ने ही उसकी मां की गला दबाकर हत्या कर शव को फंदे से लटका दिया था। घटना के बाद से आरोपित रामु चौधरी फरार है।

इंकैब इंडस्ट्रीज चलाने वाले प्रमोटर्स के प्रमुख, पूर्व रिजोल्यूशन प्रोफेशनल और लिक्विडेटर्स को भेजा गया नोटिस

केबुल कंपनी के मामले में कोर्ट ने 22 लोगों को किया तलब, 25 जून को सुनवाई

PHOTON NEWS JSR: शहर में 25 वर्षों से बंद पड़ी इन्कैब इंडस्ट्रीज (केबुल कंपनी) में वित्तीय अनियमितता को लेकर जमशेदपुर के न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी सिद्धांत तिग्गा ने भारतीय दंड संहिता की धारा 409, 120बी और 34 के तहत प्रथम दृष्ट्या अपराध सिद्ध पाते हुए 22 आरोपियों को समन जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 25 जून 2025 को होगी। इसमें रिटायर मजदुरों की ओर से केस लड़ रहे अधिवक्ता अखिलेश श्रीवास्तव ने बताया कि इस मामले में घमंडीराम गोवानी, एमबी शाह, वाईआर कोरी, पूर्व रिजोल्यूशन प्रोफेशनल्स शशि अग्रवाल, केएन अमारिया, आईसीआईसीआई बैंक के एमडी, एक्सिस बैंक के एमडी, सिटी बैंक के एमडी, टॉपिकल वेंचर्स के एमडी समेत 22 लोगों को कोर्ट ने नोटिस किया है।

मालूम हो कि शहर में 1920 को स्थापित हुई केबल निमार्ता कंपनी इन्कैब इंडस्ट्रीज लिमिटेड घोटाले के कारण बंद हो गई। इसमें विदेशी कंपनियों से लेकर भारतीय प्रमोटरों, बैंकिंग संस्थाओं, रिजोल्युशन प्रोफेशनल और लिक्विडेटरों तक की संदिग्ध संलिप्तता का आरोप लगता रहा

न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि प्रस्तुत दस्तावेजों, साक्ष्यों और उच्च न्यायालयों के पूर्व आदेशों को देखते हुए आरोपियों के विरुद्ध गंभीर आपराधिक षड्यंत्र और विश्वासघात के पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध हैं। अतः 22 आरोपियों को अभियोजन की प्रक्रिया में सम्मिलित किया जा रहा है। याचिकाकर्ता के तरफ अधिवक्ता अखिलेश श्रीवास्तव, मंजरी सिंहा और निर्मल घोष



अधिवक्ता अखिलेश श्रीवास्तव ने बताया कि दो अभियुक्तों के नाम छूट गए हैं, जिसके लिए वे सेशन कोर्ट में रिवीजन दायर करेंगे। अदालत में गवाही देने वाले दो अन्य कर्मचारियों कल्याण शाही और रामचंद्र सिंह ने भी

दरअसल कंपनी के रिटायर कर्मचारी शंभु शरण पांडे ने अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें 1999 से सेवानिवृत्ति तक का वेतन और अन्य देय नहीं मिले हैं। केवल वही नहीं, उनके शिकायतकर्ता के दावों की पृष्टि की साथ 2,000 से अधिक ऐसे और बताया कि न केवल वेतन कर्मचारी हैं, जिन्हें समान हालातों और ग्रेच्युटी लंबित है, बल्कि का सामना करना पड़ा। कर्मचारियों के लगभग 110 करोड़ शिकायतकर्ता के अनुसार, इन्कैब

धोखाधड़ी में बैंकों की मूमिका भी संदिग्ध

इस मामले में आईसीआईसीआई बैंक, सिटी बैंक, एक्सिस बैंक और पेगासस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी जैसी वित्तीय संस्थाओं की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है। इन बैंकों ने अपने गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों को नियमों के विपरीत निजी कंपनियों को हस्तांतरित कर दिया, जिससे कर्मचारियों के हितों की अनदेखी हुई और घोटाले को बल मिला।

एनसीएलटी ने कही थी कंपनी पर कब्जे की बात

एनसीएलएटी ने वर्ष 2021 में इस पूरे मामले की सुनवाई करते हुए स्पष्ट रूप से कहा था कि कंपनी पर अवैध कब्जा कर लिया गया है और लिक्विडेटर शशि अग्रवाल को तत्काल प्रभाव से हटाते हुए विरुद्ध विधिक कार्रवाई के निर्देश दिए। दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी पूर्व में माना था कि कंपनी पर कुल देनदारी मात्र 27 .63 करोड़ थी जिसे एसबीआई को चुकाया जाना था, जबकि आरोपियों ने 4,000 करोड़ का दावा करके कंपनी की परिसंपत्तियों पर अवैध कब्जा कर लिया।

इंडस्ट्रीज की स्थापना 1920 में अंग्रेजी कंपनी बीआईसीसी ने की थी। कंपनी को सरकार से 177 एकड़ जमीन अनुदान के रूप में मिली थी, जिस पर केबल टाउन, जमशेदपुर में उसका प्रमुख संयंत्र और आवासीय कॉलोनी स्थित था। वर्ष 1985 में कंपनी भारतीय नियुक्त किया, जिसने बहुमत नियंत्रण में आई और वित्तीय हिस्सेदारी के साथ प्रबंधन संभाला। लेकिन 1999 में इस संस्थानों, बीआईसीसी, काशीनाथ टापुरिया और पब्लिक होल्डिंग्स कंपनी ने अचानक कंपनी से हाथ

किया, जानबूझकर बोर्ड की बैठकों, ऑडिट, बैलेंस शीट की स्वीकृति जैसी प्रक्रियाओं से बचते हुए कंपनी की संपत्तियों को निजी लाभ के लिए बेचा। के बीच शेयर वितरण हुआ। काशीनाथ तापड़िया के नेतृत्व में कंपनी 1993 तक चली, लेकिन फिर दिवालियापन की स्थिति आ गई। इसके बाद वित्तीय संस्थानों ने मॉरीशस स्थित लीडर यूनिवर्सल कंपनी को नया प्रोमोटर निदेशक

कंपनी की अचल संपत्तियों को बिना उचित प्रक्रिया के दिल्ली, मुंबई, पुणे और जमशेदपुर में बेचा गया या किराए पर दे दिया गया और उसका राजस्व कथित रूप से रमेश घमंडीराम गोवानी और उनकी कंपनियों कमला मिल्स लिमिटेड, आरआर केबल प्राइवेट लिमिटेड और इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड़ द्वारा हड़प लिया गया।

झारखंड के इंजीनियरिंग कॉलेजों में एडमिशन की प्रक्रिया शुरू

JAMSHEDPUR : जेईई मेंस का रिजल्ट घोषित होते ही झारखंड के इंजीनियरिंग कॉलेजों में एडिमशन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसकी अंतिम तिथि 9 जून है। झारखंड संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा परिषद की ओर से राज्य के 16 सरकारी और निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों में बीई-बीटेक कोर्स में नामांकन होगा। इसके लिए अभ्यर्थी परिषद की वेबसाइट https://jceceb.jharkhand.gov.in/ पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के आधार पर राज्य मेधा सूची जारी की जाएगी। जेईई एडवांस का रिजल्ट आने के बाद ज्वाइंट सीट एलोकेशन यानी जोसा भी काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू करेगा। इसके जरिए देशभर के 23 आईआईटी, 31 एनआईटी, 26 ट्रिपल आईटी और 38 जीएफटीआई की ऑल इंडिया कोटा सीटों पर आवेदन का मौका मिलेगा। इन संस्थानों में नामांकन जेईई मेंस के स्कोर और ऑल इंडिया रैंक के आधार पर होगा।





PHOTON NEWS RANCHI:

राजधानी में अवैध रूप से चल रहे

हॉस्टल, लॉज और बैंक्वेट हॉल के

खिलाफ नगर निगम ने नोटिस जारी

किया है। 10 मई को इसकी

डेडलाइन खत्म हो रही है। लेकिन.

अधिकतर संचालकों ने अब तक न

तो लाइसेंस के लिए आवेदन किया

और न ही कोई पहल की है। अब

देखना ये होगा कि रांची नगर अवैध

रूप से चल रहे इन हॉस्टल-लॉज-

बैंक्वेट संचालकों पर कार्रवाई करता

है या फिर एक और नोटिस जारी कर

मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया

जाता है। बता दें कि इससे पहले भी

नगर निगम ने कई बार नोटिस जारी









लाइसेंस लेने में इंटरेस्ट नहीं दिखा रहे हॉस्टल, लॉज और बैंक्वेट संचालक



O BRIEF NEWS छह वर्षों से फरार चल रहे वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार



PITHORIA: पिछले छह वर्षों से फरार चल रहे स्थायी (लाल) वारंटी विनोद कुमार सिंह को बीती रात पिठोरिया थाना प्रभारी के नेतृत्व में गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी जीआर संख्या झ 4818/08 के आलोक में की गई, जिसमें वह लंबे समय से वांछित था। पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर उसे हिरासत में लिया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस की इस कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना की जा रही है, साथ ही फरार आरोपियों के विरुद्ध अभियान और तेज करने की मांग भी उठ रही है। आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का प्रतीक है

RANCHI: रांची रिज यूनिटी फाउंडेशन जिला अध्यक्ष नवाब चिश्ती ने कहा कि ऑपरेशन सिंदुर भारत की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का

ऑपरेशन सिंदुर : नवाब चिश्ती



2025 को, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने विदेश सचिव विक्रम मिस्री के साथ मिलकर ऑपरेशन सिंदुर उनकी शांत और

आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति ने भारत की आतंकवाद के खिलाफ दढ़ता और सशस्त्र बलों में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को दशार्या जो देश के लिए ऐतिहासिक क्षण बन गया है।

मस्जिद जाफरिया में दी गई हज अरकान की जानकारी



RANCHI: मस्जिद जाफरिया रांची में इस्लामिक ट्र एंड ट्रेवल्स लखनऊ की ओर से हज ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में हज यात्री शामिल हुए। ट्रेनर झारखंड सुननी वक्फ बोर्ड के सदस्य सह मस्जिद जाफरिया रांची के इमाम व खतीब हजरत मौलाना हाजी सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने हज के पाक सफर के शुरू होने से मुकम्मल होने तक के अरकान की जानकारी दी। इसमें हज के विशेष पांच दिनों में होने वाले अरकान के बारे में भी बताया गया।

आई वाश के लिए गिने-चुने

नियमों की उड़ाई जा

नगर निगम पर यह भी आरोप लग

वाश तक ही सीमित है। गिने-चने

प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर कार्रवाई

किसी डर के खुलेआम नियमों की

धज्जियां उडा रहे हैं। ऐसे में यह

सवाल उट रहा है कि क्या विभाग

गंभीरता नहीं दिखाई। शहर में हजारों

के सुस्त रवैया के कारण अवैध

प्रतिष्ठानों की मौज है।

की जाती है, जबकि बाकी बिना

रहे हैं कि कार्रवाई केवल आई

रहीं धज्जियां

संचालकों पर की जाती है कार्रवाई

्रेड लाइसेंस की धीमी रफ्तार, विभाग 🔑 ढाई दर्जन बैंक्वेट हॉल संचालकों 🅦 250 हॉस्टल-लॉज लाइसेंस के 🔑 राजधानी में अवैध रूप से चल के सुस्त रवैए से दुकानदारों की मौज 🥬 ने लाइसेंस के लिए किया आवेदन 🥬 लिए संचालकों ने दिया एप्लीकेशन 🥬 रहे हजारों हॉस्टल व लॉज

नगर निगम ने कुछ दिन पहले उन आवासीय भवनों की भी

जांच शुरू की थी कि जिनका व्यावसायिक उपयोग किया

दकानें खोलकर अपने भवनों का व्यावसायिक उपयोग कर

रहे हैं। लेकिन, वे अब भी सिर्फ आवासीय होल्डिंग टैक्स

अदा कर रहे हैं। ऐसे भी कुछ भवन मालिकों को नगर

निगम ने नोटिस थमाया और अपनी ड्यूटी पूरी कर ली,

जबिक निगम ने स्पष्ट किया था कि यदि जांच में ऐसे भवन

जा रहाँ है। कई मकान मालिक किराएदार रखकर या

जुर्माना लगाने का अभियान बंद

20 हजार ने ले रखा है टेड लाइसेंस ट्रेड लाइसेंस लेने की प्रक्रिया में भी तेजी नहीं दिख रही है। कर्मचारियों

की ढिलाई और निरीक्षण में कमी से न केवल अवैध प्रतिष्ठान फल-फल रहे हैं, बल्कि सरकारी राजस्व को भी भारी नुकसान हो रहा है। इसका अंदाजाँ इस बात से लगाया जा सकता है मात्र 18 हजार दुकानदारों ने ट्रेड लाइसेंस लिया है,

व्यावसायिक उपयोग में पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे भवन मालिकों पर निर्माण की तिथि से लेकर अब तक सौ प्रतिशत जुमार्ना लगाया जाएगा

बायो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण पर

फिर नहीं आया उपायुक्तों का जवाब

हाईकोर्ट ने जताई सख्त नाराजगी, दिया अंतिम

मौका, १६ जून को अगली सुनवाई

द्रपरखण्ड उच्च न्यायालय

हॉस्टल और लॉज संचालकों ने ही इसी तरह, बैंक्वेट हॉल संचालकों में डायरेक्टर की अध्यक्षता में हुई कमेटी की बैठक में लिया गया निर्णय

भारत-पाक तनाव के बीच रिम्स अलर्ट मोड पर, 50 बेड के साथ टीम तैनात

संचालित हो रहे हैं, लेकिन इनमें से

भारत और पाकिस्तान के बीच

मौजुदा तनावपूर्ण हालातों को देखते हुए रिम्स रांची में निदेशक डॉ. राज कुमार की अध्यक्षता में एक आपातकालीन बैठक हुई। इस बैठक में किसी भी संभावित आपदा या आकस्मिक स्थिति से निपटने हेतु त्वरित व ठोस कदम उठाए गए। बैठक में चिकित्सा अधीक्षक, ट्रॉमा सेन्टर प्रभारी, प्रशासनिक अधिकारी सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल रहे। इस दौरान लिए गए निर्णय अनुसार तत्काल प्रभाव से 50 बेड की व्यवस्था की गई है। जिसे न्यू ट्रॉमा सेंटर, पेइंग वार्ड और कॉटेज वार्ड में चिन्हित किया गया है। सभी बेड पर ऑक्सीजन की सुविधा सुनिश्चित की जाएगी। वहीं जरूरत पड़ने पर बेड की संख्या और भी बढ़ाई जा सकेगी।

मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम का गठन : स्वास्थ्य सेवाओं को व्यवस्थित और सुदृढ़ बनाए रखने के लिए एक मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम का गठन किया गया है। इस टीम में रिम्स के विभिन्न विभागों से चिकित्सकों और रेजीडेंट डॉक्टरों

PHOTON NEWS RANCHI: झारखंड

मक्ति मोर्चा (झाममो) ने भारतीय जनता पार्टी

(भाजपा) पर आदिवासी नायकों के नाम पर

ओछी राजनीति करने का आरोप लगाते हुए

उसकी कडी निंदा की है। झाममो के

महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने

कहा कि भाजपा एक ओर आदिवासी नायकों

के सम्मान का ढोंग करती है, जबकि दूसरी

ओर झारखंड की संस्कृति, इतिहास और

आदिवासी अस्मिता को लगातार अपमानित

करती रही है। पांडेय ने कहा कि भाजपा को

झारखंड के गौरवशाली आदिवासी नायकों के

बलिदान और उनकी विरासत पर टिप्पणी

करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने अपने

शासनकाल में जल, जंगल, जमीन को

कॉरपोरेट घरानों के हवाले करने की साजिश

रची और आदिवासियों की मूलभूत

समस्याओं को नजरअंदाज किया। झामुमो ने

कहा कि भगवान बिरसा मुंडा, सिदो-कान्हू,

तिलका मांझी, वीर बुधु भगत जैसे आदिवासी

नायकों ने औपनिवेशिक शोषण और



१०० स्टाफ को रखा गया रिजर्व

इसके अलावा आकरिमक स्थिति से निपटने के लिए 50 स्टाफ नर्स, 50 पैरामेडिकल स्टाफ, 15 व्हीलचेयर और 16 ट्रॉली को रिजर्व रखा गया है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि किसी भी स्थिति में मरीजों को तत्काल सहायता मिल सके। मेडिकल, सर्जिकल सामग्री और अन्य आवश्यक वस्तओं की 24 घंटे उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी स्टोर को अलर्ट मोड पर रखा गया है। सभी संबंधित विभागों को यह निर्देश दिया गया है कि किसी भी समय जरूरत पडने पर समिवत सप्लाई उपलब्ध कराई जाए। यह मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम रोजाना बैठक कर वर्तमान स्थिति का जायजा लेगी और निदेशक को अद्यतन रिपोर्ट सौंपेगी, ताकि उच्च स्तर पर निर्णय लिया जा सके।

प्रबंधन पुरी तरह सक्रिय

डॉ. राज कुमार ने बैठक के दौरान कहा कि रिम्स पूरी तरह से तैयार है और किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति में संस्थान अपनी सम्पूर्ण चिकित्सकीय और प्रशासनिक क्षमता के साथ जनता की सेवा में तत्पर रहेगा। उन्होंने सभी विभागों से समन्वयं और सहयोग की अपील की।

को शामिल किया गया है। टीम में न्यूरो सर्जरी, सामान्य सर्जरी,

नेत्र रोग, ईएनटी, एनेस्थिसिया, डेंटल और जीडीएमओ से विशेषज्ञ चिकित्सकों को नामित किया गया

झारखंड में सरकारी डॉक्टरों की छुट्टियां रह स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने दिया आदेश

कर रहे हैं। अभी तक केवल 250 लाइसेंस के लिए आवेदन किया है।

RANCHI : भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव और गोलीबारी के बीच झारखंड सरकार ने एक बडा कदम उठाया है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने शुक्रवार को यह

> साफ कर दिया कि झारखंड का स्वास्थ्य विभाग किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

राज्य के सभी सिविल सर्जनों और डॉक्टरों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। इतना ही नहीं हर जिले के अस्पतालों को तैयार रहने का सख्त निर्देश जारी किया गया है। आर्मी कैंप क्षेत्र में विशेष तैयारी की गई है और वहां के अस्पतालों को अतिरिक्त बजट आवंटित किया गया है, ताकि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में कोई बाधा न आए। राज्य के सभी सरकारी डॉक्टरों की छुट्टियां तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी गईं हैं। सभी डॉक्टरों को अपने कार्यस्थल पर उपलब्ध रहने का निर्देश दिया गया है।

है। एनेस्थिसिया से दो चिकित्सक और चार रेजीडेंट की भी व्यवस्था की गई है ताकि किसी भी बड़े

जरूरत पडी तो बॉर्डर पर जाएंगे डॉक्टर

उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो झारखंड के डॉक्टर बॉर्डर इलाके में जाकर फ्रांटलाइन पर सेवाएं देने को तैयार हैं। मैं खुद उन डॉक्टरों का नेतृत्व करूंगा और उन्हें इमरजेंसी क्षेत्र मंट लेकर जाऊंगा। हम किसी भी परिस्थिति से पीछे नहीं हटेंगे। यह सिर्फ मेडिकल सपोर्ट नहीं, बल्कि एक संदेश है कि झारखंड हर मोर्चे पर देश के साथ खड़ा है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मैं पहले एक डॉक्टर हूं, बाद में मंत्री। एक डॉक्टर के नाते मेरा पहला फर्ज है लोगों की जान बचाना। इसलिए मैंने यह फैसला लिया है कि अगर हालात गंभीर हुए, तो मैं खुद बॉर्डर पर जाऊंगा और अपने फर्ज को निभाऊंगा। इसके अलावा पहली बार राज्य सरकार ने सभी निजी अस्पतालों को भी चौबीसों घंटे सेवा में तैनात रहने का निर्देश दिया है ताकि कहीं भी कोई मेडिकल नेग्लिजेंसी न पैदा हो।

ऑपरेशन या आपातकालीन सर्जरी के समय उन्हें तैनात किया जा

PHOTON NEWS RANCHI: कचरे से संक्रमण को झारखंड के नर्सिंग होम और

बायो मेडिकल वेस्ट को बोलचाल की भाषा में बीएमडब्ल्यू कहा जाता है। बायो मेडिकल वेस्ट एक अपशिष्ट है जो इंसान या जानवर के उपचार, टीकाकरण या शोध के दौरान अस्पतालों में कचरे के रूप में निकलता है। मसलन, सीरिंज, खून से सनी पट्टियां, इंसान के टिशू जैसे संक्रामक सामग्री। इसकी अलग-अलग कैटेगरी होती है। इसमें संक्रामक कचरा, रासायनिक कचरा, साइटोटॉक्सिक कचरा. रेडियोधर्मी कचरा इत्यादि शामिल होते हैं। इन कचरों से संक्रमण

फैल सकता है इसलिए सही

तरीके से प्रबंधन और निष्पादन

करना जरूरी होता है। इसका अनुपालन नहीं करने पर दंड का

भी प्रावधान है।

फैलने से रोकने के लिए

जरूरी है निष्पादन

शपथ पत्र दायर करने को कहा गया था। इस पर राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र दायर करने के लिए छह सप्ताह का समय मांगा गया, जिसे खंडपीठ ने नामंजूर करते हुए सुनवाई की अगली तारीख 8 मई मकर्रर की थी। हाईकोर्ट के अधिवक्ता धीरज कुमार ने बताया कि खंडपीठ ने मामले को गंभीर जबिक देवघर में टीटमेंट प्लांट बताया है और सरकार को अंतिम मौका देते हुए 16 जून तक जवाब दाखिल करने को कहा है। पिछली सुनवाई के दौरान राज्य प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि लोहरदगा, रामगढ़, धनबाद, पाकुड़ और सरायकेला के आदित्यपुर में बायो मेडिकल वेस्ट टीटमेंट प्लांट चल रहे हैं। समय की मांग की गई थी।

अस्पतालों से निकलने वाले

बायो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण

से जुड़ी झारखंड ह्यूमन राइट

फेडरेशन की याचिका पर जिलों

के उपायुक्तों द्वारा फिर जवाब

दाखिल नहीं करने पर शुक्रवार

को हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस

एमएस रामचंद्र राव की खंडपीठ

इस मामले पर कोर्ट ने कहा 25

फरवरी 2025 को पिछली

सुनवाई के दौरान ही इस बाबत

ने नाराजगी जताई है।

लगाने का काम चल रहा है। वहीं, झारखंड ह्यमन राइट फेडरेशन की ओर से पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत बायो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण की व्यवस्था का अनरोध किया गया था। तब राज्य प्रदषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से अन्य जानकारी देने के लिए कोर्ट से अतिरिक्त

भाजपा आदिवासी नायकों के नाम पर सिर्फ परिवारवाद को बढ़ावा दे रही हेमंत सरकार : अजय साह PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की

सामाजिक अन्याय के खिलाफ संघर्ष किया था। लेकिन, भाजपा ने अपने कार्यकाल में इनके आदशों को कुचलने का प्रयास किया। पार्टी ने 2017 के भिम अधिग्रहण संशोधन विधेयक का हवाला देते हुए कहा कि इस कानून के जरिए आदिवासियों की जमीन छीनने की कोशिश की गई, जिसे झामुमो और आदिवासी समाज के विरोध के चलते विफल कर दिया गया। पांडेय ने कहा कि भाजपा ने बिरसा मुंडा की जयंती को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने जैसे के नाम पर रखा गया। इसी तरह धोती-साड़ी प्रतीकात्मक कदम उठाए, लेकिन जमीनी योजना का नाम उनके दादा-दादी सोना स्तर पर आदिवासियों के हक में ठोस नीतियां सोबरन के नाम पर जोड़ दिया गया, जबकि बनाने में वह पूरी तरह विफल रही। सच्चे आदिवासी नायकों को नजरअंदाज





किया गया। भाजपा प्रवक्ता ने मांग की कि सरकार अगर वास्तव में वीर बुधू भगत का सम्मान करना चाहती है, तो यूनिवर्सिटी का नाम बदलने का फैसला तुरंत वापस ले और नए लॉ विश्वविद्यालय का नाम उनके नाम पर रखे। साथ ही सरकार को चुनौती दी कि शिबू सोरेन पुल का नाम बदलकर वीर बुधू भगत के नाम पर कर दिखाए।

हाईकोर्ट ने खुंटी के मसमानो की 23 एकड़ भूमि की खरीद-बिक्री पर लगाई रोक

RANCHI : ओडिशा के रहने वाले शंकर सारंगी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। दरअसल उनकी पैत्रिक संपत्ति खंटी के मसमानों में स्थित है। शंकर के दूर के सगे संबंधी फर्जी तरीके से भू-माफिया से मिलके उनकी भूमि की बिक्री की कोशिश कर रहे थे, जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में गुहार लगाई थी। हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट में उनके मामले की सुनवाई हुई। शुक्रवार को दोनों पक्षों के सुनने के बाद हाईकोर्ट ने अगले ऑदेश तक उक्तें भूमि की खरीद बिक्री के कार्य पर रोक लगा दी है। भूमि का कुल क्षेत्रफल लगभग 23 एकड़ है। शंकर सारंगी की ओर से अधिवक्ता राधा कृष्ण गुप्ता ने बहस की।

प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में कांग्रेस भवन से अल्बर्ट एक्का चौक तक गए कांग्रेसी

ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन में कांग्रेस ने निकाली तिरंगा यात्रा

भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदुर के तहत आतंकवादियों और पाकिस्तान के खिलाफ की गई कड़ी कार्रवाई के समर्थन में प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने रांची में तिरंगा यात्रा निकाली। यह यात्रा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में कांग्रेस भवन से अल्बर्ट एक्का चौक तक निकाली गई। यात्रा का उद्देश्य सेना के साहस, शौर्य और बलिदान को सम्मान देना और देशवासियों को एकजुटता का संदेश देना था। इस अवसर पर केशव महतो कमलेश ने कहा कि भारतीय सेना ने जिस बहादुरी से पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों को तबाह किया है, वह अनुकरणीय है। 26 निर्दोष



तिरंगा यात्रा में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश व अन्य कांग्रेस नेता

नागरिकों की हत्या का बदला लेकर सेना ने देश का सिर ऊंचा किया है। देश की जनता सेना के साथ खड़ी है और आतंकवाद के खिलाफ हर निर्णय का समर्थन करती है। उन्होंने पाकिस्तान की ओर से नागरिक क्षेत्रों पर हमले

को उसकी कायरता बताया और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सेना की कार्रवाई से उत्सव का **माहौल :** पूर्व मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने कहा कि सेना की इस कार्रवाई से पूरे देश में उत्साह का माहौल है। तिरंगा यात्रा के माध्यम

से हम सेना के प्रति अपनी एकजुटता और सम्मान व्यक्त कर रहे हैं। सेना हमेशा से अपने साहस से देश को गौरवान्वित करती रही है। वहीं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हर संकट की घड़ी में देश और

सेना के साथ खड़ी रही है। उन्होंने कहा कि हमने यह तिरंगा यात्रा सेना के सम्मान में निकाली है। आतंकवाद को समाप्त करने की दिशा में कांग्रेस का स्पष्ट समर्थन है। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि यह तिरंगा यात्रा सैनिकों को समर्थन देने का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि देश के लिए जान देने वाले सैनिकों और नागरिकों को हम नमन करते हैं। उनका बलिदान हमारे लिए प्रेरणा इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री सबोधकांत सहाय, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुमार बलमुचू, ममता देवी, अभिलाष साहू, राजीव रंजन प्रसाद, शमशेर आलम सहित पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

राची में ट्रक लूटकांड का खुलासा दो अपराधियों को किया गया अरेस्ट

PHOTON NEWS RANCHI कोतवाली थाना क्षेत्र में 6 मई की रात लुटा गया 407 टाटा ट्रक को पुलिस ने लातेहार जिले के मनिका थाना क्षेत्र से बरामद कर लिया है। मामले में दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई 8 मई को वादी सुनील कुमार यादव शिव शक्ति नगर, न्यू मधुकम रोड थाना सुखदेवनगर के लिखित आवेदन पर दर्ज एफआईआर के आधार पर की गई। घटना के दौरान एक स्थानीय युवक, जो शोर मचा सकता था, को जबरन इनलोगों ने गाड़ी में बैठा लिया और बाद में रातू रोड में उतार दिया था।

अनुसंधानकर्ता पुलिस अवर निरीक्षक अनुज प्रसाद यादव के नेतृत्व में छापेमारी कर ट्रक बरामद किया गया। गिरफ्तार अपराधियों में



विशाल पंडित मनिहारी, कटिहार बिहार और चंदन कुमार तिवारी नावा जयपुर, पाटन पलामू शामिल हैं। दोनों का लंबा आपराधिक इतिहास है। विशाल पर 2019 में सुखदेवनगर थाना में अपहरण का मामला दर्ज है, वहीं चंदन पर कोतवाली, सुखदेवनगर और अन्य थानों में चोरी, डकैती, आर्म्स एक्ट समेत कई मामले दर्ज हैं।

चांदन द्वादशी पर श्री श्याम प्रभु को खीर-चूरमा का लगाया भोग

RANCHI: अग्रसेन पथ स्थित

श्री श्याम मंदिर में शुक्रवार को

श्री श्याम मंडल रांची द्वारा चांदन द्वादशी के पावन अवसर पर खाटू नरेश श्याम बाबा को खीर-चूरमा का भोग अर्पित किया गया। भोग के मुख्य यजमान आचार्य श्री श्याम सुन्दर भारद्वाज थे, जिन्होंने अपने परिवार के राधेश्याम भारद्वाज व नटवरलाल भारद्वाज के साथ भोग अर्पित किया। कार्यक्रम की शुरूआत मंदिर अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश बागला, मंत्री धीरज बंका एवं यजमान परिवार द्वारा गणेश पूजन, वीर बजरंगबली तथा शिव परिवार के पूजन से हुई। मन्दिर परिसर हारे के सहारे की जय से गूंज उठा। मंदिर में ही निर्मित खीर-चूरमा का प्रसाद 350 से अधिक भक्तों ने श्रद्धापूर्वक ग्रहण किया।

डीसी की बनाई फेक फेसबुक आईडी

CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभम जिला के उपायक्त कलदीप चौधरी की फोटो व पदनाम से किसी ने फेक फेसबुक आईडी बनाई है। हालांकि,



DC West Singhbhum

अब तक इसके दुरुपयोग की बात सामने नहीं आई है, लेकिन बताया जा रहा है कि इससे लोगों को गुमराह किया जा रहा है। इस संबंध में उपायुक्त ने आमजनों से अपील है कि अगर इस आईडी के माध्यम से किसी

को संपर्क किया जाता है, तो झांसे में नहीं आना है। सतर्क रहें और सुरक्षित रहें। जिला प्रशासन इस पर कार्रवाई कर रहा है।

गीत-संगीत व नृत्य के साथ मनी टैगोर जयंती

GHATSILA: जगदीश चंद्र उच्च विद्यालय में शुक्रवार को गुरुदेव



गीत-संगीत के साथ मनाई गई। इस दौरान बच्चों ने कार्यक्रम में स्कूल प्रबंध

चटर्जी, प्रधानाध्यापिका रीता मंडल, सचिव मनोरंजन बक्शी, कांतोलाल दास सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने टैगोर के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। दूसरी ओर, मऊभंडार के बाबूलाइन स्थित इवनिंग क्लब के सामने कविगरु की मर्ति पर मल्लार्पण किया गया। इसमें विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत, विकास मजुमदार, काला चंद सरकार, मदन दलाई, गोपाल कोइरी, सागर पाणि प्रकाश निषाद, साखों मुर्मू, मनोज हांसदा, राजा सिंह आदि भी उपस्थित थे।

विश्वकर्मा समाज का चुनाव कल

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर विश्वकर्मा समाज की केंद्रीय कार्यकारिणी का चुनाव 11 मई को गुप्त मतदान से किया जाएगा। इसमें



1 अध्यक्ष, 2 उपाध्यक्ष, 1 2 सहायक महामंत्री और 1 कोषाध्यक्ष का चुनाव होगा। इन पदों पर कल 16 सदस्यों ने नामांकन

अभी अध्यक्ष पद पर दो सदस्य दिवाकर शर्मा व प्रदीप शर्मा के बीच मुकाबला होगा वहीं, उपाध्यक्ष में जियुत शर्मा, जितेंद्र शर्मा और संजय शर्मा ने नामांकन किया है। महामंत्री सुजीत शर्मा और कोषाध्यक्ष अजीत शर्मा निर्विरोध हो गए हैं। सहायक महामंत्री के लिए 7 लोग मैदान में हैं, जिनमें दीपक शर्मा, बबलू शर्मा, अर्जुन राणा, जितेंद्र शर्मा, राकेश शर्मा, राजकुमार शर्मा और मनोज शर्मा प्रत्याशी हैं। मुख्य चुनाव पदाधिकारी बुजनंदन प्रसाद, चुनाव पदाधिकारी बिरेंद्र शर्मा, शिव कुमार व मुख्य चुनाव पर्यवेक्षक अरूण ठाकुर ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में बताया कि शांतिपूर्ण चुनाव के लिए अनुमंडलाधिकारी, वरीय पुलिस अधीक्षक, उपायुक्त व सीतारामडेरा थाना प्रभारी से सुरक्षा व्यवस्था की मांग की गई है। जमशेदपुर में निवास करने वाले सभी विश्वकर्मा वंशियों से आग्रह है कि इस चुनाव में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

रोमांचक मुकाबले में संत जेवियर्स स्कूल जीता

CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल रही 14वीं ज्ञानचंद जैन स्कूल क्रिकेट



प्रतियोगिता के शुक्रवार को खेले गए मैच में

आइडियल इंगलिश मीडियम स्कूल, जगन्नाथपुर को एक रोमांचक मकाबले में मात्र एक विकेट से पराजित कर दिया। चाईबासा के बिरसा मंडा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आइंडियल इंगलिश स्कल जगन्नाथपर की परी टीम 12.1 ओवर में मात्र 45 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी संत जेवियर्स उच्च विद्यालय की टीम ने 10.1 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 46 रन बना लिया।

'वक्त के पार': जीवन और संघर्ष की प्रेरणादायक गाथा

JAMSHEDPUR: शहर की लेखिका स्वर्गीय कुमारी छाया की जीवन यात्रा अब एक किताब 'वक्त के पार' के रूप में जल्द आएगी। इसमें लेखिका की अदम्य साहस और संघर्ष की कहानी है, जिसने कैंसर जैसे



भयंकर रोग से लड़ते हुए भी साहित्य और शिक्षा के माध्यम से जीवन को नया अर्थ दिया। यह किताब उनकी मृत्यु के बाद,उनके अंतिम दिनों की रचना है। यह कुमारी छाया की पहली पुण्यतिथि पर 17 मई को लोकार्पित होगी। जीवित अवस्था में उनकी पुस्तक 'एक प्याली चाय', 'मेरी उम्मीद की ओर', 'जिंदगी अभी बाकी है' और 'चाय सा हमसफर' लोकार्पित हुई थी।

टैगोर सोसाइटी ने रद्द किया रवींद्र जयंती समारोह

JAMSHEDPUR: भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे युद्ध को लेकर टैगोर सोसाइटी ने पूर्व निर्धारित रवींद्र जयंती समारोह को रद्द कर दिया है। यह आयोजन तीन दिवसीय था। संस्था के महासचिव आशीष चौधरी ने बताया कि वर्तमान में देश में तनाव का माहौल चल रहा है। ऐसे में संस्था द्वारा गीत-संगीत भरे कार्यक्रम का आयोजन उचित प्रतीत नहीं होता।

रंगदारी को लेकर फायरिंग करने वाले तीन धराए, हथियार बरामद

मानगों के स्क्रैप कारोबारी को भय दिखाकर मांगे थे रुपये, मना करने पर दुकान में चलाई थी गोली

- एसएसपी ने बनाई थी विशेष टीम
- कई स्थानों पर छापेमारी करने के बाद दबोचे गए

जमशेदपुर पुलिस ने स्क्रैप कारोबारी से रंगदारी मांगने और रंगदारी नहीं देने पर उसकी दुकान पर फायरिंग करने वाले तीन कुख्यात अपराधियों को धर दबोचा है। गिरफ्तार किए गए इन अपराधियों को शुक्रवार को जेल भेज दिया गया। पुलिस ने इनके

पास से भारी मात्रा में अवैध हथियार भी बरामद किए हैं। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान उलीडीह थाना क्षेत्र के रहने वाले रुपेश दुबे उर्फ राहुल (26 वर्ष), एमजीएम हिलव्यू कॉलोनी का शांतनु कुमार (24 वर्ष) और



पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसएसपी किशोर कौशल • फोटोन न्यूज

उलीडीह रिपीट कॉलोनी निवासी नन्दलाल सिंह उर्फ बंटी (20 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से एक देसी पिस्तौल, तीन देसी कट्टा और चार कारतूस बरामद किए हैं। इन हथियारों का इस्तेमाल ये अपराधी रंगदारी वसूलने और दहशत फैलाने के लिए करते थे। इस मामले का

खुलासा करते हुए पूर्वी सिंहभूम जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इन तीनों अपराधियों के खिलाफ उलीडीह थाने में एक मामला दर्ज किया गया एक स्क्रैप कारोबारी से जुड़ा हुआ

हथियार का भय दिखाकर मोटी रकम रंगदारी के तौर पर मांगी थी। जब कारोबारी ने उनकी मांग को ठकरा दिया, तो इन बदमाशों ने उसकी दुकान पर फायरिंग कर दी, जिसका मकसद कारोबारी को डराना और उस पर रंगदारी देने का

एसएसपी ने बताया कि इस गंभीर घटना को देखते हुए उलीडीह थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन

इस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की और आखिरकार इन तीनों अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। एसएसपी ने यह भी जानकारी दी कि गिरफ्तार किए गए तीनों अपराधियों का आपराधिक इतिहास रहा है। इनके खिलाफ पहले भी कई आपराधिक

पुलिस कर रही है। पुलिस ने शुक्रवार को तीनों अपराधियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अब पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन अपराधियों के साथ और कौन-कौन लोग शामिल थे और ये किस गिरोह के लिए काम करते थे। पुलिस इनके आपराधिक नेटवर्क को तोड़ने के लिए हरसंभव प्रयास

एसएसपी ने शहर के सभी व्यापारियों और आम नागरिकों से अपील की है कि यदि उन्हें किसी प्रकार की आपराधिक गतिविधि या रंगदारी की मांग की जानकारी मिलती है, तो वे तुरंत पलिस को सचित करें। पलिस उनकी सुरक्षा और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के

छात्र की बेरहमी से पिटाई का प्रिंसिपल पर आरोप, प्राथमिकी दर्ज



AMSHEDPUR : स्थित लिटिल हार्ट स्कूल में 10वीं कक्षा के छात्र मयंक कुमार के साथ मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। छात्र पर सिर्फ बाल बढ़े होने और फीस जम न होने के कारण स्कल प्रिंसिपल की ओर से जानलेवा हमला किए जाने का आरोप है। घटना शक्रवार सबह की है, जब लिटिल हार्ट स्कूल के प्रिंसिपल संदीप चटर्जी ने छात्र मयंक कुमार को बाल बढ़े होने और फीस लंबित रहने पर गला दबाकर और जमीन पर पटक कर पीटना शुरू कर दिया। छात्र बार-बार बेसुध होता रहा, लेकिन मारपीट बेरहमी से जारी रही। मयंक को गंभीर हालत में खासमहल स्थित सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां उसके गले, गाल और सिर पर चोट के निशान पाए गए। इस घटना के बाद छात्र के अभिभावक को स्कूल द्वारा सूचना दी गई। जब मयंक के पिता स्कूल पहुंचे, तो प्रिंसिपल ने उनके साथ भी दुर्व्यवहार किया। इसके बाद अभिभावकों ने सुंदरनगर थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। सुंदरनगर थाने के सब इंस्पेक्टर मानीक कुमार ने बताया घटना को लेकर छात्र के अभिभावक के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर लिया गया है। यह केस कांड संख्या 16/2025 के तहत दर्ज है और मामले की जांच की जा

ट्रक से पांच लाख की लकड़ी बरामद

वन विभाग ने पकड़ा साल की लकड़ी से लदा ट्रक, चालक-खलासी फरार

पश्चिमी सिंहभूम जिले के पोड़ाहाट वन क्षेत्र के सोंगरा और केरा वन विभाग ने अवैध लकड़ी से लदे ट्रक को बंदगांव के चीरुबेड़ा से जब्त किया है। हालांकि वन कर्मियों को देख चालक और खलासी समेत लकड़ी माफिया मौके से फरार हो गए। जब्त लकड़ी की कीमत पांच लाख रुपये आंकी गई है।

जानकारी के अनुसार, पोड़ाहाट वन प्रक्षेत्र के सोंगरा-केरा वन क्षेत्र अधिकारी (रेंजर) ललन उरांव को रात 11 बजे गुप्त सूचना मिली थी कि बंदगांव थाना क्षेत्र में अवैध लकड़ी की तस्करी की जा रही है। उरांव ने गुरुवार रात को एक टीम का गठन कर प्रभारी वनपाल कुंदन प्रसाद के नेतृत्व में रवाना कर दिया। शुक्रवार को सुबह लगभग 4 बजे वन विभाग की टीम ने देखा



४ अप्रैल को भी पकड़ा गया था लकड़ी से भरा ट्रक

गुप्त सूचना पर 4 अप्रैल को भी वन विभाग ने बंदगांव थाना क्षेत्र में अवैध लंकड़ी की सूचना पाकर कार्रवाई करते हुए एक ट्रक को पकड़ा था। उस दौरान भी ट्रक चालक, खलासी और लकड़ी माफिया फरार हो गए थे। उस ट्रक में भी साल का करीब 50 बोटा मिला था।

कि बंदगांव प्रखंड के टेबो बीट अंतर्गत चीरुबेड़ा में साल के बोटे से लदा एक ट्रक खड़ा था। टीम ने अवैध लकड़ी से लदे ट्रक को जब्त किया और उसे चक्रधरपुर स्थित कार्यालय ले आए। जांच पड़ताल में पता चला कि ट्रक में

बोटा लदा हुआ है। वन विभाग अज्ञात लकड़ी माफिया और चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गया है। टीम में प्रभारी वनपाल कुंदन प्रसाद समेत अश्वनी प्रधान, श्यामलाल बोदरा, रायसिंह बोदरा, सोमा सुंडी आदि शामिल थे।

मुख्य आरोपी गिरफ्तार कई मामलों का उदभेदन MANOHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर थाना क्षेत्र

मोबाइल चोर गिरोह का

में पुर्लिस ने उन्धन चौक के पास चोरी के मोबाइल बेच रहे शुभम महतो को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चुराए गएँ ७ स्मार्टफोन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार शुभम महतो, जो महुलडीहा दलकी र्टोला का निवासी है, चोरी के मोबाइल बेचने की फिराक में था। वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर पुलिस की एक टीम जब मौके पर पहुँची, तो आरोपी भागने लगा, लेकिन सशस्त्र बल के सहयोग से उसे हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान उसने कबूल किया कि उसने मनोहरपुर एवं ओडिशा के बिसरा क्षेत्र से सात मोबाइल फोन चुराए थे।आरोपी की निशानदेही पर रेडमी, एमआई. आईटेल, रियलमी और पोको जैसी कंपनियों के कुल सात फोन बरामद किए गए। पुलिस ने सभी मोबाइल जब्त कर लिए हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार शुभम महतो एक शातिर अपराधी के साथ चोर भी है। उसके विरुद्ध पहले से ही मनोहरपुर और आनंदपुर थाना में केस दर्जे हैं। इन मामलों में वह जेल भी जा चुका है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी भेजा गया जेल

पश्चिमी सिंहभम जिले के चक्रधरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में चक्रधरपुर थाना की पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, बिना मां-

बाप की नाबालिग लड़की घर में अकेली थी। तभी गांव के ही युवक श्याम सुंदर मुंडा मोबाइल चार्ज करने के बहाने नाबालिंग के घर गया। उस समय नाबालिग को अकेला पाकर युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया और किसी को नहीं बताने की धमकी दी। हालांकि लड़की ने दूसरे दिन घटना की जानकारी अपने



पुलिस गिरफ्त में आरोपी

चाचा-चाची की दी। इसके बाद गांव में मामला फैल गया और ग्रामीण युवक को पकड़ कर थाना को सौंप दिया। पुलिस ने पीडिता का मेडिकल जांच चक्रधरपुर के

सैकड़ों महिलाओं ने गलत तरीके से ली मईया योजना की राशि : झानुमो



एसडीओ ऑफिस में ज्ञापन सौंपते झामुमो कार्यकर्ता

• फोटोन न्यूज

GHATSILA: पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला प्रखंड स्थित हेंदलजुड़ी पंचायत से एक मामला सामने आया है. जिसमें सैकडों महिलाओं ने गलत तरीके से मंईयां सम्मान योजना की राशि ली है। इस पर झाममो. प्रखंड कमेटी की ओर से शुक्रवार को अनुमंडल पदाधिकारी के नाम कार्यपालक दंडाधिकारी अमन कमार को ज्ञापन सौंपा गया। प्रखंड अध्यक्ष दुर्गा मुर्मू के नेतृत्व में सौंपे ज्ञापन में कहा गया है कि मंईयां योजना के लाभुकों की गहन जांच की जाए। दुर्गा मुर्मू ने बताया कि इस योजना के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर कार्ड होना जरूरी है। ऐसे में जिन लोगों का मंईयां सम्मान योजना स्वीकृत हुआ है, वैसी सैकड़ों महिलाएं पंचायत में रहती ही नहीं हैं। यह सिर्फ एक पंचायत का मामला नहीं, पूरे प्रखंड में इस तरह की गड़बड़ी हुई है। इस मामले की गंभीरता से जांच करते हुए दोषी लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत, विकास मजुमदार, काला सरकार, सागर पाणि सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्कूल में निकले दो कोबरा, प्रिंसिपल की सुझबुझ से टला खतरा

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर प्रखंड स्थित

नूतनडीह प्राथमिक शुक्रवार को दो निकले थे, लेकिन प्रभारी सीमा कुमारी की

सूझबूझ से खतरा टल गया। प्रधानाध्यापिका ने तुरंत बारीडीह से विकास कुमार नामक रनैक कैचर को बुलाया। इस कार्य में सहायक शिक्षक शशांक महतो ने भी सहयोग किया। विकास ने कुशलता से जहरीले कोबरा को पकड़ लिया। उसे एक डिब्बे में बंद कर विद्यालय से दूर ले गया। हालांकि, जब विकास कुमार एक कोबरा को ले जा रहे थे, तभी विद्यालय के अन्य शिक्षकों ने कक्षा के भीतर एक और कोबरा सांप को रेंगते हुए देखा। विकास को तुरंत बुलाया गया और उन्होंने दूसरे सांप को भी पकड लिया। फिलहाल, स्कल में पठन-पाठन का कार्य रोक दिया गया है और विद्यालय परिसर की गहन जांच

ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजना के लिए शुल्क की राशि कर दी गई निर्धारित

उपायुक्त अनन्य मित्तल के निर्देशानुसार शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में बैठक हुई, जिसमें छोटा गोविंदपुर वृहद ग्रामीण जलापूर्ति योजना से अच्छादित सभी 21 पंचायतों के मुखिया एवं जलसहिया शामिल थीं। इसमें उपविकास आयुक्त अनिकेत सचान ने निर्देश दिया कि सभी पंचायत क्षेत्र में प्रति घरेल गह संयोजन के लिए 100 रुपये और प्रति फ्लैट के लिए 250 रुपये की दर से जल शुल्क की वसूली निरंतर एवं नियमित रूप से की जाए। इसके साथ ही, यह स्पष्ट किया गया कि गह संयोजन से होने वाले किसी भी लीकेज की मरम्मत लाभुकों द्वारा स्वयं की जानी है। इस दिशा में समुदाय की सहभागिता और



समाहरणालय समागार में बैठक करते डीडीसी अनिकेत सचान

जिम्मेदारी को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

बैठक के दौरान जस्को के प्रतिनिधियों ने सभी मुखिया व जलसहिया को जल शुल्क वसुली की प्रक्रिया, कैश बुक संधारण तथा अन्य संबंधित प्रशासनिक एवं वित्तीय पहलुओं की जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर उप विकास आयक्त ने कहा कि ग्राम स्तर पर जल संसाधनों के प्रबंधन में समुदाय की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। जल शुल्क वसूली की पारदर्शिता एवं नियमितता से जलापूर्ति प्रणाली को सतत एवं प्रभावी रूप से संचालित किया जा सकेगा।

जय महाराणा, जय भारतीय सेना... की जयकार से गूंजता रहा मेरीन ड्राइव स्थित महाराणा चौक

महाराणा प्रताप को क्षत्रिय समाज ने किया नमन, लगा रहा लोगों का तांता

PHOTON NEWS JSR:

मातृभूमि की स्वाधीनता के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती शुक्रवार को धूमधाम से मनाई गई। मेरीन ड्राइव गोलचक्कर पर सुबह से दोपहर बाद तक वहां महाराणा की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों का तांता लगा रहा। इस मौके पर क्षत्रिय करणी सेना परिवार ने शौर्य दिवस के रूप में महाराणा प्रताप की जयंती मनाई। करणी सेना पदाधिकारियों और सदस्यों ने साकची गोलचक्कर से महाराणा प्रताप चौक तक शौर्य यात्रा निकाल जय महाराणा और जय भारतीय सेना का जयकारा लगाते हुए माल्यार्पण करने पहुंचे। सभी ने महाराणा प्रताप की वीरता को याद करते हुए और उनके पदचिह्नों पर



चलने का संकल्प लेते हुए पुष्प अर्पित किया। इसके साथ ही करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष विनय सिंह को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान करणी सेना के जिलाध्यक्ष ने कहा कि जिस तरह महाराणा प्रताप ने दुश्मनों के आगे कभी घुटने नहीं टेके, उसी प्रकार आज हमारी भारतीय सेना भी

अपने दुश्मनों से लोहा लेते हुए कड़ा जवाब दे रही है। कार्यक्रम में संजय सिंह, हरि सिंह राजपूत, रंजन सिंह, मोहित सिंह, मनोज सिंह, रोहित सिंह, कृष सिंह, अंकित सिंह सहित काफी संख्या में क्षत्रिय समाज के लोग मौजूद थे।

जयंती पर हुआ १०० यूनिट रक्तदान

महाराणा प्रताप की जयंती पर शुक्रवार को धतकीडीह स्थित जमशेदपुर ब्लड सेंटर में रक्तदान शिविर लगाया गया, जिसमें 100 यूनिट रक्तदान हुआ। शिविर में विधायक संरयू राय व समीर मोहंती, पूर्व विधायक मेनका सरदार व कुणाल षाड़ंगी के अलावा जमशेदपुर नागरिक परिषद के संरक्षक शिवपूजन सिंह सहित अन्य गणमान्यों ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम का नेतृत्व क्षत्रिय समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष चंदा सिंह तथा अध्यक्षता अजितेश उज्जैन ने की, जबकि इस दौरान संरक्षक हरिराम सिंह, प्रदेश महामंत्री चंदा सिंह राजपूत, प्रदेश उपाध्यक्ष श्वेता सिंह, कोल्हान अध्यक्ष लक्ष्मी सिंह, कोल्हान उपाध्यक्ष शीलू सिंह आदि भी उपस्थित थीं।



भाजपा ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप को किया याद, लगाए नारे



जयकारा लगाते भाजपा कार्यकर्ता

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती पर भाजपा, जमशेदपुर महानगर के कार्यकताओं ने महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा के नेतृत्व में मेरीन ड्राइव गोलचक्कर स्थित महाराणा प्रताप चौक पर उनकी आदमकद प्रतिमा पर श्रद्धासूमन अर्पित किया। इस दौरान कार्यकताओं ने 'महाराणा प्रताप अमर रहें' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाकर राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। वहीं, कार्यकताओं ने महाराणा प्रताप के जीवन आदर्शों को स्मरण करते हुए राष्ट्र रक्षा का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष संजीव सिन्हा, बबुआ सिंह, राजीव सिंह, रेणु शर्मा, मंत्री पप्पू सिंह, कोषाध्यक्ष कृष्णा शर्मा काली, मीडिया प्रभारी प्रेम झा, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष सागर राय, सांकची पश्चिम मंडल अध्यक्ष बजरंगी पांडेय, सोशल मीडिया सह संयोजक अमित सिंह, आईटी सेल सह संयोजक उज्ज्वल सिंह, अनूप सिंह, मनोज सिंह समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छह माह पहले ही बन जानी थी सड़क, अब तक अधूरी

चक्रधरपुर प्रखंड में धनगांव से कुपाई तक करीब 13 किमी सड़क

का निर्माण प्रधानमंत्री ग्राम सड्क योजना (पीएमजीएसवाई) से हो रहा है। इसकी लागत लगभग 10 करोड़ रुपये है। ग्रामीणों ने इस सड़क के निर्माण में अनियमितता की शिकायत की है। इसमें ठेकेदार द्वारा कम गुणवत्ता वाली सामग्री के इस्तेमाल और निर्माण कार्य में देरी शामिल हैं। सड़क का निर्माण दिसंबर 2024 तक पूर्ण करना था, लेकिन अब तक आधा कार्य हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार मनमाने ढंग से कार्य कर रहा है, जिसका खामियाजा ग्रामीणों को झेलना पड़ रहा है। सड़क पर मेटल और डस्ट बिछा कर छोड़े जाने से ग्रामीणों में आक्रोश है। इधर ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ठिकेदार द्वारा पीसीसी



अधूरी पड़ी सड़क

कार्य में देरी पर होगी कार्रवाई ः कार्यपालक अभियंता

ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता ई चंदन कुमार ने बताया कि धनगांव से कुपाई तक बन रही सड़क के निर्माण की अवधि दिसंबर 2024 में समाप्त हो चुकी है। इसके लिए संवेदक को पत्र लिखा जा रहा है। जहां तक अनियमितता की शिकायत है, उस पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

सड़क का निर्माण किया है, लेकिन उसमें भी 20-30 एमएम साइज की गिट्टी का उपयोग किया गया है।

O BRIEF NEWS

सीएसपी संचालक को गोली मार एक लाख दस हजार रुपये की लूट

ARARIA: अररिया के रानीगंज

में शुक्रवार को बदमाशों ने लूट की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। एनएच-327 ई पर हांसा कमलपुर स्कूल के पास बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने सीएसपी संचालक परवेज आलम को गोली मार दी। उनसे 1 लाख 10 हजार रुपये लटकर फरार हो गए। बताया जा रहा है की परवेज आलम, रानीगंज के गिदवास वार्ड संख्या 07 निवासी मोहम्मद रियाज के पुत्र हैं। वह भारतीय स्टेट बैंक (रइक) का सीएसपी संचालित करते हैं शुक्रवार दोपहर लगभग 3 बजे वे रानीगंज स्थित अपनी ब्रांच से 1.10 लाख रुपये लेकर घर लौट रहे थे। तभी पहले से घात लगाए बदमाशों ने उन पर गोली चलायी। गोली सीएसपी संचालक परवेज के पेट में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

दुध लदे पिकअप से शराब की खेप बरामद तस्कर गिरफ्तार

EAST CHAMPARAN: बिहार में शराबबंदी के बाद तस्कर शराब तस्करी करने का रोज नये-नये तरीके इजाद कर रहे है।हालांकि पुलिस की चौकसी के कारण उनका हर तरीका विफल साबित हो रहा है।पूर्वी चंपारण जिला के डुमरियाघाट थाना पुलिस ने शराब तस्करी का ऐसे ही मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर हुसैनी गांव में छापेमारी करते हुए आयुषी दूध कंपनी के नाम से दुध ढोने वाले टेम्पू पिकअप वाहन के टैंकर से दुध की जगह शराब की बड़ी खेप बरामद किया है। पुलिस ने वाहन से कुल 22 पेटी विदेशी शराब जब्त किया है,जिसकी कुल मात्रा 190.08 लीटर है। इस दौरान पुलिस ने पिकअप चालक को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार चालक मुकेश कुमार उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले का निवासी है।

टला बड़ा हादसा, सूखी टहनी गिरने से जुस विक्रेता की हालत गंभीर

BHAGALPUR: जिले के तिलकामांझी थाना क्षेत्र स्थित सैनडिस कंपाउंड मैदान के मुख्य गेट के पास शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पेड़ की एक सूखी टहनी गिरने से एक जस विक्रेता गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना में घायल राघोपुर निवासी प्रमोद यादव वर्षों से यहां पर गन्ने का जुस बेचने का काम करता था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक प्रमोद यादव रोज की तरह जूस की दुकान चला रहा था। तभी एक पेड की सखी और भारी टहनी उसके सिर पर गिर गई। वह गंभीर रूप से घायल हो गया और वहीं जमीन पर गिर पड़ा। हादसे के वक्त ठेले पर ज्यादा भीड़ नहीं थी। बाकी लोग जान बचाकर वहां से हट गए। लोगों ने तुरंत घायल प्रमोद को उठाकर भागलपुर के मायागंज अस्पताल पहंचाया। जहां उसका इलाज चल रहा है। अस्पताल सत्रों के अनुसार, प्रमोद की हालत

नाजुक बनी हुई है।

सीमा पार करने के लिए पहचान पत्र कर दिया गया है अनिवार्य

भारत-नेपाल सीमा के जोगबनी बॉर्डर पर बीएसफ की बढ़ी चौकसी

बीच तनाव और ऑपरेशन सिंदर के बाद देशभर में सुरक्षा के लिहाज से अलर्ट जारी कर दिया गया है। अररिया में जोगबनी नेपाल बॉर्डर पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सशस्त्र सीमा बल के जवान अलर्ट मोड पर हैं। जोगबनी सीमा होकर आने-जाने वाले हर व्यक्ति की गहन जांच हो रही है। वही, सीमा पार करने के लिए पहचान पत्र अनिवार्य कर दिया गया है। नेपाल सीमा पर विशेष इंतजाम सुरक्षा एजेंसियों ने नेपाल सीमा पर विशेष इंतजाम किए हैं। सभी वाहनों की जांच आधुनिक स्कैनर मशीनों और डॉग स्क्वॉड से की जा रही है। एसएसबी और स्थानीय पुलिस मिलकर सीमा क्षेत्र में निगरानी कर रहे हैं। सीमा पर सीसीटीवी कैमरों से भी नजर रखी जा रही है। सरक्षा बलों ने स्थानीय लोगों से सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधियों की सचना देने को कहा है। अधिकारियों के अनुसार, खुली सीमा होने के कारण यह क्षेत्र संवेदनशील है। सुरक्षा बल किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।



अग्निशमन विभाग ने स्कलों में कराई मॉक डिल



NAVADA : देश में युद्ध का माहौल है, जिसे देखते हुए स्कूली छात्रों को शुक्रवार को मॉर्केड्रिल के जरिए आपदा के दौरान आग से बचने की ट्रेनिंग दी गई। इस ट्रेनिंग में 3000 बच्चे शामिल हुए। नवादा के कुंतीनगर स्थित मॉडर्न इंग्लिश स्कूल में अग्निशमन विभाग ने एक व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 3000 विद्यार्थियों में से 2000 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। प्रशिक्षु जिला अग्निशमन पदाधिकारी श्रेया शर्मा और सहायक जिला अग्निशमन पदाधिकारी सोम बहादुर तमांग की उपस्थिति में यह प्रदर्शन किया गया। अग्निशमन दल ने तीन मंजिला मकान पर लेडर ड्रिल और बी.ए. सेट ड्रिल का प्रदर्शन

किया। टीम ने गैस सिलेंडर में लगी आग को बुझाने का प्रैक्टिकल डेमो भी दिया। विशेषज्ञों ने छात्राओं को आग लगने की प्राथमिक अवस्था में की जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग बेकाबू होने पर 101 या 112 पर तूरंत कॉल करना चाहिए। कार्यक्रम में अग्निक मुकेश कुमार, भूषण कुमार, अमर कुमार, बीरबल कुमार, आरती कुमारी और धर्मेंद्र कुमार शामिल थे। अग्निक चालक रिशव राज, मकसूद अंसारी, धनंजय प्रजापति और सन्नी कुमार ने भी अपना योगदान दिया। विद्यार्थियों और शिक्षकों को आग से सुरक्षा संबंधी पैम्फलेट भी बांटे गए। कार्यक्रम के अंत में स्कूल प्रशासन ने अग्निशमन टीम का आभार व्यक्त किया।

नालंदा में दूल्हा बदलने का आरोप लगा कर बारातियों को बनाया बंधक



AGENCY NALANDA : नालंदा जिले के सिलाव थाना अंतर्गत भुई गांव में गुरूवार की रात्री वरमाला के दौरान दुल्हन ने शादी से इंकार कर दिया। इसके बाद बारात बिना दुल्हन लिये लौट गई। दरअसल जयमाला के समय दुल्हन थाली में मिठाई लिए थी। उसी दौरान दुल्हा दोनों हाथों से मिठाई खाने लगा, जिससे उसके मानसिक रोगी होने का पता चला। तब वधु व उसके परिजन ने दल्हा बदलने का आरोप लगाते हुए शादी से इंकार कर दिया। दिए गए उपहारों को लौटाने के लिए परिवार ने बारातियों को बंधक बना लिया। पुलिस के पहुंचने पर हंगामा रुका। इसके बाद दोनों पक्षों में सुलह कराया गया। फिर बिन दुल्हन के बारात वापस लौट गई। ग्रामीणों ने बताया कि

बारात आई थी। बारातियों का स्वागत किया गया। नाचते-गाते बाराती दुल्हन के घर पहुंची। जहां जयमाला की रस्म शुरू हुई। दुल्हन ने जैसे ही दुल्हे का मुंह मीठा कराने की कोशिश की वह अजीब हरकत करने लगा। दोनों हाथों रसगुल्ला खाने लगा। उसकी हरकत से उसके मानसिक रोगी होने का खुलासा हुआ। फिर दुल्हन ने शादी से इंकार कर दिया। परिजन लड़का बदलने का आरोप लगा रहे थे। उपहारों को लौटाने के लिए ग्रामीणों ने बारातियों को बंधक बना लिया। घटनाक्रम की जानकारी सिलाव थाना पुलिस को दी गयी। थानाध्यक्ष इरफान खान ने बताया कि दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से सुलह कर लिया। बिन शादी किए दुल्हा बिना दुल्हन के बैरन

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शूरवीर महाराणा प्रताप को किया नमन

AGENCY PATNA: राजधानी में महान शूरवीर महाराणा प्रताप की जयंती पर राजकीय समारोह का आयोजन किया गया। फ्रेजर रोड स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थल परिसर में आयोजित समारोह में शामिल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महाराणा प्रताप जी की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया एवं श्रद्धांजलि अर्पित की।

महाराणा प्रताप जी की 485वीं जयंती पर उप मख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नन्द किशोर यादव. जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कमार चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, सामाजिक



समारोह में शामिल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व अन्य

महाराणा प्रताप जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग द्वारा आरती पजन, भजन-कीर्तन, बिहार गीत एवं देशभक्ति गीतों का गायन भी किया गया।

उल्लेखनीय है कि भारत के

साहस, स्वाभिमान और स्वतंत्रता संग्राम के प्रतीक के रूप में लिया जाता है। उनका जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुम्भलगढ़ में हुआ था। महाराणा प्रताप मेवाड़ के राजा और सिसोदिया वंश के महान योद्धा थे, जिन्होंने मुगलों के

अंतरराज्यीय साइबर फ्रॉड गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

पुलिस ने जिले के छौड़ादानों से अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरोह के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह भारत के अलग-अलग राज्यों में साइबर ठगी के मामलों में संलिप्त था।इसके तार सीमा पार पाकिस्तान से भी जुड़ा हैं।एसपी स्वर्ण प्रभात के अनुसार पुलिस को गुप्त सूचना सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध युवक छौड़ादानो स्थित एसबीआई एटीएम के पास कुछ गतिविधियों में संलिप्त है। जिसके बाद घेराबंदी कर युवक को हिरासत में लिया गया और उसकी तलाशी ली गई,तो उसके पास से अलग-अलग बैंकों 09 एटीएम कार्ड, 04 बैंक पासबुक, 02 मोबाईल फोन, 02 पाकिस्तानी कोड मोबाइल नंबर और 01 इंडीयन कोड

प्रेमी से पति की हत्या कराने वाली कातिल पत्नी को किया गया गिरफ्तार

नुरसराय के बाराखुर्द गांव से

जिलान्तर्गत राजगीर थाना पुलिस ने शुक्रवार को हत्याकांड की जांच में चौंकाने वाला खुलासा किया गया है।जहां वारदात को अंजाम मृतक की पत्नी के इशारे पर उसके प्रेमी व अन्य सहयोगियों ने दिया था। पुलिस ने मृतक के पत्नी संध्या देवी को गिरफ्तार कर लिया है। उसके प्रेमी व सहयोगियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज कर दी गई है। मृतक महादेवपुर गांव निवासी राजीव उर्फ नागा सिंह थे। वारदात के बाद महिला ने आठ लोगों को आरोपित कर पति के हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। हत्या के बाद आरोपितों ने शव को दफन कर दिया था। आवारा कुत्ता के नोचने पर वारदात का पता चला था। इस दौरान पड़ोसियों द्वारा पूछने पर पत्नी कहती थी कि पति कुंभ

मेला गए थे जो अब तक वापस नहीं लौटे हैं। डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने शुक्रवार को बताया कि 29 जनवरी को पुलिस ने शव बरामद किया था। शव की पहचान राजीव उर्फ नागा सिंह के रूप में की गयी थी। पत्नी ने केस कराया था। तकनीकी जांच से पता चला कि पति की हत्या के बाद पत्नी लगातार दीपक उर्फ छोटू से मोबाइल पर बात कर रही थी। जिससे पुलिस को महिला पर संदेह हुआ। इसके बाद पत्नी घर में ताला

तलाश कर पूछताछ की गई तो वह है। दीपक नागा को अपने घर बुलाकर खिलाया-पिलाया था। इसके बाद उसकी हत्या कर शव को गाड दिया। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी

महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए जिलाधिकारी नालदा में सवाद कार्यक्रम आयोजित

AGENCY NALANDA: नालंदा के ग्रामीण इलाकों में निवास करने वाले ग्रामीणों के बीच बिहार सरकार द्वारा चलायी जा रही महिला सशक्तिकरण की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने और उनके इलाके के सर्वांगीण विकास हेतु उनकी आकांक्षाओं के अदान प्रदान हेतु चलाये जा रहे एक महत्वाकांक्षी अभियान 'महिला संवाद' के क्रम में आज शुक्रवार को नुरसराय के चंडासी में लगभग 250 से ज्यादा ग्रामीण महिलाओं ने हिस्सा लिया। चलित वीडियो वाहन के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों, महिला उत्थान के लिए चलायी जा रही योजनाओं एवं परियोजनाओं की जानकारी चलचित्र के रूप में लोगों को दिखायी गई। इस अवसर पर



मंत्री ने महिलाओं को संबोधित करते हुए बिहार सरकार द्वारा चलायी रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में चर्चा की और ग्रामीणों की आकांक्षाओं को सना साथ ही सभी को इन योजनाओं से समुचित लाभ लेने की हिदायत दी। मंत्री ने बताया कि किस तरह आवास योजना, नल-जल योजना, पोशाक योजना, साइकिल योजना और तस्य योजनाओं से लोग लाभान्वित हो रहे है और बिहार का सर्वांगीण विकास हो रहा है।

ने एफएलसी कार्य का भागलपुर में नेशनल लोक अदालत आज निरीक्षण कर दिए आवश्यक निर्देश

AGENCY SAHARSA : जिला निर्वाचन पदाधिकारी जिलाधिकारी वैभव चौधरी ने शुक्रवार को क्रियान्वित एफएलसी कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी जिलाधिकारी ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस सहरसा के परिसर में सरक्षाबल. अग्निशमन दल,मेडिकल टीम एवं पुछताछ/सहायता केन्द्र हेतु तैयार की गई पंडालवार उपस्थित कर्मियों/सुरक्षाबल से जानकारी ली गई एवं उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा

एफ एल सी परिसर में एफ एल सी प्रोटोकॉल के अनुसार लगाये गये



आवश्यक सचना के अनसार एफ उपस्थित इंजिनियर से ऋके संबंध एल सी कक्ष में अपनी खुद की में बारीकि से पूछताछ की साथ ही सरक्षा जॉच कराते हुए एवं उनके द्वारा प्री ऋछउ के संबंध में संबंधित टेबुल पर मोबाईल जमा विस्तार से जानकारी प्राप्त की। करते हए पावती प्राप्त कर निरीक्षण के क्रम में इंजिनियर द्वारा निरीक्षण पंजी में उपस्थिति दर्ज बताया गया कि आज तक कल-बी0यू0-1175, सी0यू0-1012 करते हुए एफ एल सी कक्ष में प्रवेश किए। निरीक्षण क्रम में एवं वी0वी0पैट-1001 मशीन का जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा सफलतापूर्वक किया जा चुका है।

AGENCY BHAGALPUR:

कुमारी ने शुक्रवार को बताया कि भागलपर में 10 मई शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। लोक अदालत सिविल कोर्ट भागलपुर, नवगछिया और कहलगांव में सुबह 10:30 बजे से शुरू होगा। डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, विभिन्न प्रकार के पूर्व मकदमेबाजी और न्यायालय में लंबित मामलों का समाधान इस लोक अदालत के जरिए किया जाएगा। इसके लिए अलग-अलग विषयों के लिए विशेष बेंचों का गठन किया गया है।

डीएलएसए के सचिव रंजीता

भागलपुर सदर में कुल तीन बेंचों की व्यवस्था की गई है बेंच-1 में एमएसीटी और वैवाहिक विवादों से जुड़े मामलों की सुनवाई होगी।

पीरपैंती क्षेत्र को मिला अपना पहला

महाविद्यालय, छात्र-छात्राओं में खुशी



बेंच-2 में बैंकिंग और वित्तीय मामलों, जैसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, वीएसएनएल और श्रीराम फाइनेंस के प्रकरणों का निपटारा किया जाएगा। बेंच-3 को युको बैंक से संबंधित विभिन्न शाखाओं के मामलों के लिए जिम्मेदार बनाया गया है। सभी न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता और स्टाफ को इस लोक अदालत में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यवाही की अंतिम रिपोर्ट उसी दिन शाम 4 बजे तक जमा

1 अप्रैल २०२४ से 31 मार्च २०२५ के बीच पटना जिले में ५७०९ लोगों ने लिया फैंसी नंबर प्लेट

वाहनों के फैंसी नंबर लेने में पटना जिला आगे, शिवहर व अरवल पीछे

AGENCY PATNA: बिहार में भी बड़ी संख्या ऐसे लोग हैं, जो अपनी गाड़ियों में मनपसंद (फैंसी) नंबर लगवाने का शौक रखते हैं। इसके लिए वे अतिरिक्त पैसे भी खर्च करते हैं। कुछ लोग तो इन नंबरों को लेने के लिए बोली लगाकर मुंह मांगी कीमत चुकाने को भी अमादा रहते हैं। फैंसी नंबर लेने में राजधानी पटना के लोग सबसे आगे हैं, जबकि शिवहर और अरवल में ऐसे लोगों की संख्या काफी कम है।

परिवहन विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के बीच पटना जिले में 5 हजार 709 लोगों ने अपने वाहनों के लिए फैंसी नंबर प्लेट

सकते हैं नंबर : मंत्री

ऑनलाइन लोग ले

प्रदेश की परिवहन मंत्री शीला कुमारी ने कहा कि मौजूदा समय में आमजनों की आरामदायक परिवहनं सुविधा से लेकर उनकी सुरक्षा और पसंद-नापसंद का भी ख्याल रखा जा रहा है। लोगों को अब सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के पोर्टल पर फैसी नंबर प्लेट लेने की सुविधा दी जा रही है। लोग विभाग की तरफ सें निर्धारित राशि का भुगतान कर अपनी गाडियों के लिए मनपसँद नंबर ले सकते हैं। कुछ लोग अपना लकी नंबर के आधार पर भी फैंसी नंबर लेते हैं। इससे वाहन मालिकों को तो खुशी मिलती ही है, इससे सरकार के राजस्व में भी बढ़ोतरी हो रही है।

लिया है। इसके लिए इन्होंने सरकार 2025 यानी बीते वित्तीय वर्ष में 14 91 लाख रुपये की आय विभाग को 9 करोड़ 47 लाख 97 हजार रुपये शुल्क के तौर पर दिए हैं। हजार 721 वाहन मालिकों ने फैंसी



मनवाहा नंबर लेने में मुजपफरपुर के लोग दुसरे स्थान पर

पटना के बाद सबसे ज्यादा मुजफ्फरपुर जिले से 1230 वाहन मालिकों ने फैंसी नंबर के लिए करीब एक करोड़ 88 लाख रुपये खर्च किए। इसके बाद तीसरे स्थान पर गया रहा। यहा के 921 वाहन मालिकों ने एक करोड़ 35 लाख रुपये, पूर्णिया के 627 वाहन मालिकों ने करीब एक करोड़ 15 लाख रुपये अदा कर फैंसी नंबर प्लेट लिया है। वहीं, सबसे कम शिवहर जिले से सिर्फ 10 वाहन मालिकों ने ढाई लाख रुपये और अरवल जिले से 12 वाहनों के मालिकों ने करीब 2 लाख रुपये फैंसी नंबर प्लेट पर खर्च किए हैं। पसंदीदा नंबर प्लेट और चुनिंदा नंबरों के लिए वाहन मालिकों को विशेष शुल्क देना पड़ता है।

प्रदेश भर में अप्रैल 2024 से मार्च नंबर प्लेट लिए, जिससे 23 करोड़ की गई ऑनलाइन फैंसी नंबर प्लेट लेने की व्यवस्था को आमजन की को हुई। विभाग की ओर से शुरू

AGENCY BHAGALPUR जिले के पीरपैंती विधानसभा क्षेत्र के मथुरापुर महाविद्यालय को तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय से आधिकारिक मान्यता मिल गई, जिसको लेकर यहां के छात्र छात्राओं और ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है। उल्लेखनीय है कि लंबे समय से इस क्षेत्र में उच्च शिक्षा संस्थान

की कमी महसूस की जा रही थी,

जिससे यहां के छात्रों को काफी

मुश्किलों का सामना करना

पड़ता था। दियारा और आसपास

के ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं

को अब तक उच्च शिक्षा के

लिए भागलपुर, कहलगांव या

अन्य शहरों का रुख करना

पड़ता था। परिवहन असुविधा, आर्थिक बोझ और सामाजिक परिस्थितियों के कारण कई छात्र आगे की पढ़ाई से वंचित रह जाते थे। खासकर लड़िकयों की शिक्षा पर इसका सीधा असर पड़ता था। लेकिन अब मथुरापुर महाविद्यालय की मान्यता से छात्रों को घर के पास ही स्नातक स्तर की पढ़ाई का अवसर मिलेगा। इससे न सिर्फ शिक्षा का स्तर बढ़ेगा, बल्कि ग्रामीण युवाओं को भी आगे बढ़ने का नया रास्ता मिलेगा। इस उपलब्धि को लेकर स्थानीय लोगों में काफी उत्साह है।

झे यह सोचकर पीड़ा होती ज्ज झ यह साचकर पाड़ा हाता है कि आज भी हमारे

विभाजन ने दिलों को तोड़ा और घरों को उजाड़ा

एक था पाकिस्तान, यह केवल तीन शब्द नहीं, बल्कि यह उन अनिगनत कुर्बानियों, टूटे सपनों और संघर्षों की कहानी है, जो भारतीय सभ्यता के दिल में गहरे तक समाई हुई है। जब हम यह वाक्य सुनते हैं, तो न केवल एक भूगोल का जिक्र होता है, बल्कि पूरी जड़ें, एक परिवार, एक संस्कृति और एक सपना जो कभी हमारे अपने हिस्से में था, उभर आता है। यह तीन शब्द उस दर्द, उस पीड़ा और उस उम्मीद का प्रतीक है, जो विभाजन के समय के लाखों नागरिकों के दिलों में जीवित रहे। यह उस विभाजन का प्रतीक है, जिसने दिलों को तोड़ा और घरों को उजाड़ा। लेकिन, क्या हमें हमेशा इस नफरत के जाल में फंसे रहना चाहिए। हमें न केवल बाहरी दुश्मनों से, बल्कि अपने भीतर की नफरत से भी लड़ना होगा। तभी एक दिन हम गर्व से कह सकेंगेझ हां, एक था पाकिस्तान और हम थे, हैं और रहेंगे- एक अखंड, अविनाशी भारत। 1947 का विभाजन महज एक भूगोल का बंटवारा नहीं था। यह दिलों का बिखराव था, यह जड़ों की टूटन थी, यह एक सभ्यता के विनाश का दौर था। उस समय लाखों परिवारों ने अपने घरों को खो दिया, अपने रिश्तों को खो दिया और अपनी सांस्कृतिक पहचान को भी खो दिया। विभाजन के समय जो नफरत और हिंसा फैली, उसने कई परिवारों को कभी न खत्म होने वाली कड़वाहट दे दी। एक तरफ हिंदु और मुस्लिम एक-दुसरे के दोस्त थे और दुसरी ओर वे अचानक दुश्मन बन गए सिर्फ एक रेखा, एक खींची हुई सीमा के कारण। अभी भी विभाजन के समय की वह दर्दनाक यादें हमारे दिलों में कहीं न कहीं बसी रहती हैं। पाकिस्तान के साथ हमारे रिश्ते कभी भी सामान्य नहीं हो पाए। लेकिन, क्या हमें हमेशा के लिए इस विभाजन को अपनी सोच और जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। क्या हम अपनी अगली पीढियों को भी इसी घणा और नफरत के जाल में फंसा कर रखें, यह विचार हमें बार-बार खद से पछने की जरूरत है। नफरत और भेदभाव की दीवारों को गिराना आसान नहीं होता, लेकिन क्या यह संभव नहीं है। अगर हमें वास्तव में एक था पाकिस्तान को एक साकार रूप देना है, तो हमे एकता की भावना को और भी मजबूत करना होगा। हमें यह समझना होगा कि शांति और स्थिरता की असली ताकत हमारी एकता में है, न कि हमारे भूतकाल में। हमें यह भी समझना होगा कि पाकिस्तान केवल एक भूगोल का नाम नहीं है, बल्कि यह भी उन दर्दनाक घटनाओं का गवाह है, जो कभी हमारे देश के हिस्से हुआ करती थीं। लेकिन, क्या हमें अपने वर्तमान और भविष्य को उसी पुराने दर्द के आधार पर जीते रहना चाहिए। क्या हम हर कदम पर नफरत के जाल में उलझ कर अपनी असली शक्ति को खो देंगे। यदि हम चाहते हैं कि एक था पाकिस्तान का सपना साकार हो, तो हमें एक ऐसा समाज बनाना होगा, जहां हम न केवल अपने सैनिकों की हिफाजत करें, बल्कि अपने भीतर की नफरत को भी कम करें। हमें यह समझने की जरूरत है कि युद्ध और संघर्ष का समाधान नफरत से नहीं हो सकता। यह हमेशा शांतिपूर्ण संवाद और समझ के रास्ते से ही संभव है। क्या हम अपने दिलों में नफरत और द्वेष को जगह देने के बजाय हर विवाद का हल एकजुटता और समझदारी से नहीं निकाल सकते। हमारे समाज में विभाजन के बाद भी कई सवाल उठते हैं, जिनका जवाब हमें खोजने की जरूरत है। धर्म, जाति और भाषा के नाम पर हमारी पहचान को कैसे बचाएं। भारत एक बहु-सांस्कृतिक देश है, जहां विभिन्न जातियां, धर्म और भाषाएं एक साथ रहती हैं। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि हम सभी का समृद्ध इतिहास एक समान है और विभाजन हमें केवल अलग करने का काम करता है। भारत में धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता ने हमेशा हमें अपनी शक्ति और पहचान दी है, और हमें इसे अपनी एकता की नींव के रूप में स्वीकार करना चाहिए। यह अत्यंत दुखद है कि हम खुद भी आंतरिक बंटवारे का शिकार हो गए हैं। धर्म, जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर जिस तरह से हमारे समाज में घृणा और भेदभाव फैल रहा है, वह हमारे सपनों को कमजोर कर रहा है। अगर हमें एक था पाकिस्तान का सपना साकार करना है, तो हमें खुद के भीतर की नफरत और अंधविश्वास को खत्म करना होगा। क्या हम अभी भी धर्म, जाति और क्षेत्र के आधार पर एक दूसरे से नफरत करेंगे। क्या हम अपने समृद्ध इतिहास और संस्कृति को भूलकर केवल असहमति और घृणा की राजनीति करेंगे। हमारे सैनिक हर दिन अपनी जान की बाजी लगाते हैं, ताकि हमारे घरों में शांति बनी रहे। जब वे सीमा पर खडे होते हैं. तो वे केवल एक राष्ट्र की रक्षा नहीं कर रहे होते, बल्कि उनकी बीवी, उनकी मां और उनके बच्चे भी उनकी सुरक्षा की कामना करते हैं। हमें यह समझना होगा कि सैनिकों का बलिदान केवल उनका नहीं, बल्कि उनके परिवारों का भी होता है। इन परिवारों का दर्द वही समझ सकता है, जो खुद इसे महसूस करता है। जब एक सैनिक अपने घर से निकलता है, तो उसका परिवार जानता है कि वह शायद कभी लौटकर न आए। उनकी वीरता और कड़ी मेहनत के बिना हमारा देश सुरक्षित नहीं रह सकता। हमें उनके बलिदान को सम्मान देना होगा, क्योंकि वे हमारे असली नायक हैं। हमें अपनी अगली पीढी को यह समझाना होगा कि वे नफरत की राजनीति से ऊपर उठकर एकजुट हो। शांति, सद्भाव और एकता में शक्ति है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे बच्चे एक ऐसे समाज में पले-बढ़ें, जो प्रेम. भाईचारे और समझ के सिद्धांतों पर चलता हो। इसके लिए हमें हर स्तर पर जागरूकता फैलानी होगी। सिर्फ सरकारें नहीं, बल्कि नागरिकों को भी इस दिशा में सिक्रय कदम उठाने होंगे। हर व्यक्ति को यह समझना होगा कि वह सिर्फ अपने देश का नागरिक नहीं है, बल्कि वह परे समाज की जिम्मेदारी निभा रहा है। आखिरकार, एक था पाकिस्तान का सपना तब पूरा होगा, जब हम नफरत की दीवारों को गिरा पाएंगे और समझदारी, भाईचारे और सहयोग की निदयां बहा सकेंगे। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि कोई भी सरहद हमें अलग नहीं करती। हमारी जड़ें एक हैं, हमारी संस्कृति एक है और हमारा इतिहास भी एक है।

कब तक झुकती रहेंगी हमारी पीढ़ियां

ANALYSIS



जय सनातन केवल नारा नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक संकल्प है। इतिहास केवल अतीत का आईना नहीं होता, वह आने वाली पीढियो की दृष्टि का आधार भी होता है। अफसोस है कि भारत के वर्तमान शैक्षणिक ढांचे में यह आईना धुंधला कर दिया गया है। मुगल दरबारों की चमक, विदेशी आक्रांताओं की वीरता और गुलामी के प्रतीकों को जिस तरह से भारतीय इतिहास के केंद्र में रखा गया है, वह न केवल बौद्धिक अन्याय है, बल्कि सांस्कृतिक आत्महीनता का भी बीज है। आखिर कब तक हमारे बच्चों पर मुगल शासकों का बोझ लादा जाएगा। कब तक हमारी नई पीढ़ी औरंगजेब, बाबर, खिलजी की तलवारों को आदर्श समझेगी और अपने महान पूर्वजों की गाथाओं से अनजान रहेगी। यह प्रश्न केवल शिक्षा व्यवस्था का नहीं है, यह हमारी आत्मा और पहचान का भी प्रश्न है। चाणक्य, जिन्हें कौटिल्य या विष्णुगुप्त के नाम से भी जाना जाता है, कोई साधारण राजपुरुष नहीं थे। वे राजनीति, अर्थशास्त्र और कूटनीति के मनीषी थे। अर्थशास्त्र जैसा ग्रंथ लिखने वाला यह विचारक, केवल एक राजा का गुरु नहीं था। वह सम्राटों को राष्ट्रधर्म पर क्या हमारे पाठ्यक्रम में चाणक्य के सिद्धांतों को वह स्थान मिला है, जो वह वास्तव में इसके हकदार थे।

बच्चों को इतिहास के नाम पर मुगल शासकों की गाथाएं पढ़ाई जाती हैं, जबिक चाणक्य, चित्रगुप्त और छत्रपति शिवाजी जैसे हमारे महान विचारकों और योद्धाओं को पाठ्यक्रम में पर्याप्त स्थान नहीं मिलता। मेरा मानना है कि इतिहास केवल जानने का विषय नहीं, बल्कि आत्मगौरव और पहचान का आधार है। हमारी आने वाली पीढ़ियां अपने गौरवशाली अतीत से जुड़ें और उन्हें वह शिक्षा मिले जो उनके भीतर आत्मविश्वास और राष्ट्रभक्ति जगाए। जय सनातन केवल नारा नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक संकल्प है। इतिहास केवल अतीत का आईना नहीं होता, वह आने वाली पीढ़ियों की दृष्टि का आधार भी होता है। अफसोस है कि भारत के वर्तमान शैक्षणिक ढांचे में यह आईना धुंधला कर दिया गया है। मुगल दरबारों की चमक, विदेशी आक्रांताओं की वीरता और गुलामी के प्रतीकों को जिस तरह से भारतीय इतिहास के केंद्र में रखा गया है, वह न केवल बौद्धिक अन्याय है, बल्कि सांस्कृतिक आत्महीनता का भी बीज है। आखिर कब तक हमारे बच्चों पर मुगल शासकों का बोझ लादा जाएगा। कब तक हमारी नई पीढ़ी औरंगजेब, बाबर, खिलजी की तलवारों को आदर्श समझेगी और अपने महान पूर्वजों की गाथाओं से अनजान रहेगी। यह प्रश्न केवल शिक्षा व्यवस्था का नहीं है, यह हमारी आत्मा और पहचान का भी प्रश्न है। चाणक्य, जिन्हें कौटिल्य या विष्णुगुप्त के नाम से भी जाना जाता है, कोई साधारण राजपुरुष नहीं थे। वे राजनीति, अर्थशास्त्र और कृटनीति के मनीषी थे। अर्थशास्त्र जैसा ग्रंथ लिखने वाला यह विचारक, केवल एक राजा का गुरु नहीं था। वह सम्राटों को

मार्गदर्शक था, पर क्या हमारे पाठ्यक्रम में चाणक्य के सिद्धांतों को वह स्थान मिला है, जो वह वास्तव में इसके हकदार थे। किसी भी राष्ट्र की नीतिगत समझ अपने विचारशील नेताओं के दर्शन से बनती है। चाणक्य के सिद्धांत आज भी शासन, कूटनीति और प्रशासन के क्षेत्र में प्रासंगिक हैं। लेकिन, जब इतिहास की किताबों में चाणक्य के नाम पर केवल 2-3 पंक्तियां मिलती हैं, तब समझ आता है कि ज्ञान के सूर्य को कितनी कत्रिम छाया से ढक दिया गया है। इसी तरह चित्रगुप्त, एक ऐसा नाम जो केवल धार्मिक आस्थाओं तक सीमित कर दिया गया है, परंतु उनका महत्व एक अत्यंत उच्च कोटि के सामाजिक व्यवस्थापक का भी था। वे कर्म का लेखा-जोखा रखने वाले देवता माने जाते हैं, पर इसका व्यापक आशय आज की पीढ़ी को नहीं सिखाया जाता। चित्रगुप्त न्याय और दायित्व की उस परंपरा का प्रतीक हैं, जो भारतीय दर्शन की रीढ़ है। अगर हम अपने बच्चों को यह नहीं बताएंगे कि हमारे पूर्वजों ने न्याय, विवेक और उत्तरदायित्व को कितनी ऊंचाई दी

थी तो वे विदेशी न्यायशास्त्रों को ही 'आधुनिक' और 'सर्वोत्तम' मानते रहेंगे। छत्रपति शिवाजी महाराज केवल योद्धा नहीं थे, वे भारतीय राष्ट्रवाद की जीवंत प्रतिमा थे। उनकी युद्धनीति, उनकी प्रशासनिक सझबझ और उनके धर्मनिरपेक्ष व्यवहार ने उस दौर में भी हिन्दुस्तान की अस्मिता को एक नई परिभाषा दी, जब भारत टुकड़ों में बंटा हुआ था। हैरत की बात है कि आज भी कई राज्यों के स्कूली पाठ्यक्रमों में शिवाजी का नाम केवल एक मराठा योद्धा तक सीमित कर दिया गया है। क्या यही है हमारी ऐतिहासिक दृष्टि। क्या यह न्याय है उस नायक के साथ, जिसने हिंदवी स्वराज्य की कल्पना को तलवार की धार पर जिया। इतिहास सिर्फ वो नहीं होता, जो घटित हुआ, इतिहास वो होता है, जिसे बताया गया, पढ़ाया गया और दोहराया गया। जब पाठय पुस्तकों में तैमूर, गोरी को विस्तार से पढ़ाया जाए और पृथ्वीराज चौहान, राणा प्रताप, गुरुगोबिंद सिंह, झांसी की रानी, नेताजी सुभाषचंद्र बोस को हाशिए पर डाल दिया जाए तो पीढ़ियां गुलाम मानसिकता की पाठशाला से ही

में है, उपनिषदों में है, रामायण और महाभारत में है, नालंदा और तक्षशिला में है, आर्यभट्ट, वराहमिहिर और भास्कराचार्य के विज्ञान में है। पर अफसोस कि बच्चों को इनकी जगह सिखाया जाता है कि कौन से विदेशी ने भारत में रेल लाया, डाकघर लाया और किसने कानन सिखाया। यह विषय केवल पाठ्यक्रम में नाम जोडने और हटाने का नहीं है। यह एक गहरी वैचारिक लड़ाई है-हमारे आत्मबोध, आत्मगौरव और सांस्कृतिक अस्तित्व की। अगर हमारी पीढियां लगातार वही इतिहास पढ़ेंगी, जिसमें वे पराजित, गुलाम और निरीह चित्रित किए गए हैं, तो वे स्वाभिमान और स्वतंत्र सोच कैसे विकसित करेंगी। हम यह नहीं कहते कि मुगल इतिहास को हटाया जाए। हम यह कहते हैं कि उसे भी उसी आलोचनात्मक दृष्टि से पढ़ाया जाए, जैसे किसी भी अन्य युग को। उसके साथ-साथ हमारे नायकों को भी वह सम्मान मिले, जो वे पात्र हैं, दया नहीं। जय सनातन का अर्थ केवल धार्मिक जयघोष नहीं है। यह उस मूल चेतना का आह्वान है, जो भारत को भारत बनाती है- जैसे सहिष्णुता,

विज्ञान, दर्शन, आत्मानुशासन और कर्म। सनातन भारत की आत्मा में चाणक्य की नीति, शिवाजी का शौर्य, चित्रगुप्त की न्याय भावना, विदुर की नैतिकता और महर्षि पतंजलि की योगमय सोच शामिल है। जब तक यह आत्मा पाठ्यक्रमों में नहीं झलकेगी, तब तक हमारी चेतना अधुरी ही रहेगी। आज आवश्यकता है एक नए भारत के निर्माण की। ऐसा भारत जो अपने अतीत से शमिंदी न हो, बल्कि उस पर गर्व करे। हमें अपने इतिहास का पुनर्लेखन नहीं, पुनर्जागरण करना है। हमारे पूर्वजों की गाथाएं, उनके सिद्धांत, उनके मुल्यों को नई पीढ़ी तक ले जाना कोई सांप्रदायिक कार्य नहीं, बल्कि राष्ट्रीय उत्तरदायित्व है। अब समय है कि हमारी शिक्षा नीति, पाठ्यपुस्तक समितियां बौद्धिक संस्थान यह सोचें कि क्या हम एक आत्मनिर्भर, आत्मगौरव से युक्त भारत की नींव रख रहे हैं या गुलामी के रंग से रंगी हुई इमारतें बना रहे हैं, क्योंकि जो राष्ट्र अपने नायकों को भूलता है, वह अंततः स्वयं को भी खो देता है।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

कैमरा, 'भूख' और सोशल मीडिया

शल मीडिया के युग में भलाई और करुणा अब मौन संवेदनाएं नहीं रहीं। वे कैमरे के फ्रेम में कैद होती जा रही हैं। आज अधिकांश मदद लाइक्स और फॉलोवर्स के लिए की जाती है, न कि सच्ची इंसानियत के लिए। सहायता अब एक कंटेंट बन चुकी है और जरूरतमंद की गरिमा अकसर इस प्रदर्शन की भेंट चढ़ जाती है। इसलिए यूजर्स को अब आत्मपरीक्षण जरूर करना चाहिए कि क्या हम वाकई मदद कर रहे हैं या बस सोशल मीडिया पर नेकी की तस्वीर गढ़ रहे हैं। आज का युग डिजिटल करुणा का युग बन चुका है, जहां इंसानियत, परोपकार और सहानुभूति जैसे मूल्य अब मौन संवेदनाओं की बजाय कैमरे की फ्लैश में दर्ज होते हैं। पहले जहां नेकी कर दिरया में डाल की परंपरा जीवित थी, अब वह बदलकर नेकी कर सोशल मीडिया पर डाल हो चुकी है। भलाई की भावना मनुष्य की

सबसे पवित्र प्रवृत्तियों में से एक है। यह वह स्वाभाविक मानवीय गुण है, जो हमें संवेदना, दया और परस्पर सहयोग की ओर प्रेरित करता है। आज के समय में यह गुण मंच पर आ चुका है-एक ऐसा मंच जहां तालियां हैं, टिप्पणियां हैं और सबसे जरूरी. एक कैमरा है, जो हर क्षण को दृश्य बनाता है। एक समय था, जब कोई वृद्ध भूखा दिखता, तो राह चलते लोग बिना कुछ कहे, बिना देखे उसे कछ खाने को दे जाते थे। आज वही दृश्य होता है, लेकिन कैमरा पहले निकाला जाता है। भूखे की थाली से ज्यादा अहमियत उस एंगल की होती है, जिसमें वह थाली दिखाई दे। सेवा अब सीधी नहीं रही, वह एक स्क्रिप्टेड ऐक्ट में बदल गई है। आधुनिक मानव की आत्मा अब लाइक्स, शेयर, कमेंट्स की भूखी हो चली है। किसी की मदद करने के बाद हमें तसल्ली तब मिलती है, जब कोई कहे, वाह, आप तो बड़े नेकदिल हैं। पहले मदद करने के बाद मन

को जो संतोष मिलता था, अब वह फॉलोवर्स बढ़ने के संतोष से बदला जा चुका है। यह न केवल इंसानियत की आत्मा को खरोंचता है, बल्कि मदद पाने वाले की गरिमा को भी आहत करता है। वह व्यक्ति जिसे मदद मिली है, उसकी जरूरतें तो पूरी होती हैं, लेकिन उसकी निजता, उसकी आत्मसम्मान की परतें एक-एक कर सोशल मीडिया के सामने उतार दी जाती हैं। सोचिए. अगर कोई कैमरा न हो, कोई दर्शक न हो, कोई ताली बजाने वाला न हो-क्या तब भी आप वही मदद करेंगे। यह प्रश्न हमारे भीतर झांकने की जरूरत को इंगित करता है। करुणा यदि सच्ची है, तो वह गुमनाम रहेगी। यदि उसमें प्रदर्शन है, तो वह करुणा नहीं, डिजिटल ब्रांडिंग है। आज कई बार लगता है कि सहायता करना एक स्क्रिप्टेड इवेंट बन चुका है। वीडियो में सबसे पहले मदद मिलने वाले व्यक्ति की दयनीय स्थिति को दिखाया जाता है, फिर सहायता

प्रदान की जाती है, और अंत में किसी नायक की तरह मददकर्ता का चेहरा। यह सब इतनी सफाई से किया जाता है कि वीडियो फिल्म जैसी लगती है- संगीत के साथ, टाइटल के साथ और अंत में एक गढ सा संदेश। इस प्रवत्ति में सबसे अधिक पीड़ित होती है नैतिकता। किसी की जरूरत को दिखावा बना देना उस व्यक्ति के अस्तित्व पर हमला है। एक भखे की भख अगर कैमरे में रिकॉर्ड न हो तो क्या उसका दख कम है। क्या दया केवल तभी योग्य है. जब वह पब्लिक डोमेन में हो। यह नई नैतिकता सिर्फ दूसरों के सामने दिखने के लिए जीती है। अब कृपा भी एक मुद्रा बन गई है, जिसे दिखाना पड़ता है, गिनाना पड़ता है। स्वार्थरहित सेवा का स्थान स्वार्थयुक्त प्रदर्शन ने ले लिया है। कल्पना कीजिए, एक दृश्य- एक व्यक्ति सड़क किनारे बेहोश पड़ा है। एक सोशल वॉरियर आता है और उसके साथ उसका कैमरामैन।

उठाया, पानी पिलाया, एंबुलेंस बुलाई और फिर कैप्शन- हम सब मिलकर बदलाव ला सकते हैं...। कमेंट्स आते हैं- वाह भाई साहब, आप तो फरिश्ता हैं। किसी को यह नहीं सझता कि क्या वह व्यक्ति कैमरे में आना चाहता था। क्या उसे अपने की सबसे कमजोर अवस्था में पब्लिकली दिखाया जाना चाहिए था। आज नेकी भी एक पंजी बन गई है। इसका बाजार भाव बन गया है। जो जितनी ज्यादा भलाई करता है (या कहें, दिखाता है), उसकी सामाजिक रेटिंग उतना ही ऊंची हो जाती है। कई बार यह भलाई राजनीतिक होती है, कभी कॉपोरेंट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत होती है और कभी व्यक्तिगत ब्रांड निर्माण के लिए। ऐसे में वास्तविक करुणा कहां छिप जाती है। क्या वह अब केवल कविता में जीवित रह गई है। क्या वह अब सिर्फ कबीर और तुलसी के दोहों में ही सांस लेती है। सोचने का समय आ गया है। मदद करने वाला बड़ा है या मदद पाने वाला। यदि कोई भूखा है, तो क्या उसकी भूख की तस्वीर लेना जरूरी है। क्या उसकी सहमति जरूरी नहीं। यदि हम उसे मदद देते समय उसकी पीड़ा को कंटेंट बना दें, तो क्या हम वास्तव में सहायता कर रहे हैं या उसका उपभोग कर रहे हैं। आज जब भलाई की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तैरती हैं. तो कहीं न कहीं वे समाज को एक नई दिशा दे रही हैं- एक ऐसी दिशा जहां सेवा भी दिखावे का अंग बन चुकी है। यह आवश्यक है कि हम पुनः आत्मपरीक्षण करें। भलाई मौन होती है और उसका असर चुपचाप दिलों में उतरता है। यदि हमें सच में इस समाज को बेहतर बनाना है, तो जरूरत है कि हम बिना कैमरे. बिना मंच, और बिना स्वार्थ के किसी की मदद करें। नेकी कोई तस्वीर नहीं, वह तो संवेदना की वह रेखा है, जो दिल से दिल तक जाती है, बिना कोई सबत मांगे।

Social Media Corner

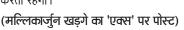
सच के हक में.

देश के अमर सेनानी महाराणा प्रताप को उनकी जयंती पर कोटि–कोटि नमन।मातृभूमि के स्वाभिमान की रक्षा के लिए उन्होंने जिस साहस और शौर्य का परिचय दिया था, वह आज भी हमारे वीर-वीरांगनाओं के लिए पथ-प्रदर्शक बना है। मां भारती को समर्पित उनका पराक्रमी जीवन देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

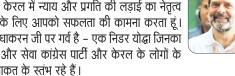


(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

दुनिया के सबसे महान विचारकों में से एक गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर को हमारी विनम्र श्रद्धांजलि। नोबेल पुरस्कार विजेता, समाज सुधारक, कवि, दार्शनिक और मानवतावादी जिन्होंने हमारे राष्ट्रगान की रचना की, उनके प्रगतिशील विचार और कला हम सभी को प्रेरित करती रहेगी।



एडवोकेट सनी जोसेफ और नई केपीसीसी टीम को बधाई। केरल में न्याय और प्रगति की लड़ाई का नेतृत्व करने के लिए आपको सफलता की कामना करता हूं। के . सुधाकरन जी पर गर्व है – एक निडर योद्धा जिनका नेतृत्वं और सेवा कांग्रेस पार्टी और केरल के लोगों के लिए ताकत के स्तंभ रहे हैं।



(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

जातिगत जनगणना : यह महज आंकड़ों की लड़ाई नहीं

ितिगत जनगणना पर जो बहस चल मगर तभी देश में एक और लहर उठी, राम रही है, वो महज आंकड़ों की लड़ाई नहीं है। ये असल में भारत के सामाजिक ढांचे को समझने और फिर उसे नए सिरे से गढ़ने की एक बड़ी कोशिश है। अब जो लोग इसका समर्थन करते हैं, उनका ये मानना है कि इससे पिछड़े और अति पिछड़े वर्गों की सच्चाई सामने आएगी। उनकी शिक्षा कैसी है, उनकी आर्थिक स्थिति क्या है, उनका राजनीतिक प्रतिनिधित्व कितना है, ये सब कुछ पहली बार साफ-साफ दिखेगा। और जब तस्वीर साफ होती है, तभी नीति भी ठोस बनती है। सरकार के पास आधार होगा, ताकि जो वंचित हैं, उन्हें समय पर जरूरत के मुताबिक मदद दी जा सके। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जाति पर सोच हमेशा एक जैसी नहीं रही। जब जनसंघ से निकलकर भाजपा बनी थी, तब उस पर साफ लेबल लगा था-ब्राह्मण-बनियों की पार्टी। ऊंची जातियों की पार्टी। सत्ता से दूर और जमीन के मिजाज से भी थोड़ी कटी हुई। लेकिन, 1985 में पहली बार पार्टी के भीतर गहरी सोच का मंथन शुरू हुआ। एक प्रस्ताव पास किया गया, मंडल आयोग की सिफारिशों का समर्थन करने का। ये पहली बार था, जब भाजपा ने माना कि अगर इस देश में राजनीति करनी है, तो ओबीसी और दलित

समाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता,

मंदिर आंदोलन की। यहां से कमंडल बनाम मंडल की राजनीति शुरू हुई। भाजपा वापस हिंदुत्व के पथ पर लौट आई। जाति का विमर्श पीछे चला गया और आस्था का आंदोलन केंद्र में आ गया। नरेंद्र मोदी की सरकार में भाजपा की सोच में असली, ठोस और दूरगामी बदलाव शुरू हुआ। मोदी खुद ओबीसी पृष्ठभूमि से आते हैं। उन्होंने बहुत जल्दी पहचान लिया कि हिंद समाज का जो सबसे बड़ा हिस्सा है, वो आज भी राजनीतिक प्रतिनिधित्व में पीछे है। इसके बाद जो-जो कदम उठे, वो सिर्फ नीतियां नहीं थीं, वो एक लंबी सामाजिक रणनीति का हिस्सा थीं। 2019 में आर्थिक रूप से पिछड़ी-अगड़ी जातियों को 10 प्रतिशत आरक्षण देना उसी संतुलन की कोशिश थी। अब भाजपा के पास दो आधार थे- एक तरफ ओबीसी को सम्मान और दूसरी तरफ अगड़ों को सुरक्षा। अब जब जातिगत जनगणना की बात आई, तो मोदी ने इसे सिर्फ एक सामाजिक मुद्दा नहीं माना। उन्होंने इसे राष्ट्र निर्माण के औजार की तरह देखा। वह केवल एक जनगणना नहीं है। यह असल में हिंदू समाज के पुनर्गठन की योजना है। एक दूरदर्शी, ठोस और सधी हुई रणनीति है। प्रधानमंत्री मोदी का यह फैसला आरक्षण की राजनीति को भी एक नया आधार देगा। अब बहसें भावनाओं पर नहीं, तथ्यों पर होंगी। नीतियां अब जातीय जनसंख्या के अनपात पर टिकी होंगी। और यही वह जगह है, जहां नरेंद्र मोदी आज वीपी सिंह से एक कदम आगे जाते हैं। वीपी सिंह ने सामाजिक न्याय की राजनीति शुरू की थी। मोदी उसे अब संस्थागत रूप दे रहे हैं- डेटा से, नीति से और राष्ट्रवाद की भावना में रहते हुए। 10 साल सत्ता में रहने के बाद समाज सुधारक की भूमिका निभाने की ये कोशिश पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की मंडल कमीशन की कोशिशों को आगे ले जाने की ठोस पहल है या उस सच्चाई से आंख चुराकर, फिर उसी पुराने ढांचे में जिएगा। अहम बात यह है कि यह सिर्फ राजनीति नहीं है। यह विचारधारा, रणनीति और इतिहास की त्रिवेणी है। और अगर यह प्रयोग सफल हुआ तो नरेंद्र मोदी को हम केवल प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि एक सामाजिक युगांतकारी विचारक के रूप में याद करेंगे। तो अब सवाल आपके सामने है- क्या जातिगत जनगणना से समाज एक होगा या बंटेगा। क्या यह आंकड़ों की राजनीति है या सामाजिक न्याय की पुनर्परिभाषा। आप क्या सोचते हैं और अगर ये सोच आपको गहराई तक छूती है, तो इस संवाद को आगे बढ़ाइए। दरअसल हर विकसित समाज थिंकर्स के जरिए आगे बढ़ने में सक्षम होता है, क्योंकि जब तक समाज सोचता नहीं, तब तक समाज बदलता नहीं।

न्याय की चोट

भारत ने 7 मई को भोर से पहले पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत-कश्मीर में नौ जगहों पर सटीक सैन्य हमलों को अंजाम दिया था। निशाना बनाए गए ठिकानों में जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय बहावलपुर और लश्कर-ए-तैयबा के नियंत्रण केंद्र मुरीदके शामिल थे। ये वो आतंकवादी संगठन हैं, जिन्हें पाकिस्तान ने भारत को निशाना बनाने के लिए पाला-पोसा था। भारत ने कहा कि ये हमले आतंकवादियों के प्रशिक्षण में इस्तेमाल होने वाले शिविरों को नष्ट करने तथा पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सीमा पार से ऐसे और हमलों को रोकने के साथ-साथ भयावरोध पैदा करने के लिए हैं। बीते 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों ने धर्म के आधार पर निशाने चुनकर 26 लोगों की हत्या की थी। सरकार ने कहा कि भारत के सैन्य हमले नपे-तुले, टकराव नहीं बढ़ाने वाले, आनुपातिक, और जिम्मेदारी भरे थे। साल 2019 में पुलवामा आतंकवादी हमले के बाद, भारत ने उत्तर पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा स्थित बालाकोट में सर्जिकल स्ट्राइक की थी। इस बार भारत की प्रतिक्रिया ज्यादा धारदार और ज्यादा संकल्पबद्ध रही है। मुरीदके और बहावलपुर पंजाब में हैं, जो पाकिस्तान के शासक अभिजात वर्ग की हृदयस्थली है। यह वर्ग आतंकवाद पर दोहरा खेल खेलता रहा है। पाकिस्तान ने परमाणु भयादोहन की छतरी तले दशकों से आतंकवाद का इस्तेमाल भारत के खिलाफ जंग के सस्ते हथियार के रूप में किया है। भारत इसका उपयुक्त जवाब तलाशने की कोशिश करता रहा है। पहले बालाकोट और अब ऑपरेशन सिंदूर से यह बात साफ है कि भारत अपने खिलाफ किसी आतंकवादी हमले की स्थिति में आर्थिक और कूटनीतिक उपायों के अलावा खुली सैन्य प्रतिक्रिया का रास्ता भी अपना सकता है। भारत ने इस बात को भी रेखांकित किया है कि बुधवार को कोई नागरिक, आर्थिक या सैन्य निशाने नहीं थे। पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के जवाब में खुली सैन्य कार्रवाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तहत भारत की रणनीति में बदलाव दशार्ती है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Precision, power, preparedness: India's new war doctrine

INDIA'S strategic calculus fundamentally shifted on the intervening night of May 6-7, when the Indian Army and Air Force jointly executed Operation Sindoor. Conducted in response to the barbaric terror attack at Pahalgam on April 22, which claimed the lives of 26 innocent civilians, the operation reflected not merely India's intent to seek retribution, but a clear demonstration of the evolving sophistication and precision of its military capability.

Operation Sindoor was meticulously planned and brilliantly executed, with surgical precision that minimised collateral damage. Nine strategically crucial terrorist infrastructures — five in Pakistanoccupied Jammu & Kashmir (Muzaffarabad, Kotli, Bhimber) and four deep within Pakistani territory (Sialkot, Muridke, Bahawalpur) — were targeted with precision never seen before in the region. These locations hosted prominent Lashkare-Taiba (LeT) and Jaish-e-Mohammed (JeM) training camps and command centres, the centres for terrorism orchestrated against India.

The joint operation exemplified superior interservice coordination — an operational hallmark

vital for modern military successes. Around 70 per cent of the targets were precisely neutralised by the Indian Army employing drones and advanced precision-guided munitions, highlighting the increasingly crucial role of unmanned systems in contemporary conflicts. Seven targets were destroyed by the army, while the air force complemented this action by using standoff precision weapons against approximately 30 per cent of the designated targets. Importantly, this joint effort deliberately avoided Pakistani military installations, signifying restraint and measured intent. The international community promptly recognised this nuanced approach -Israel supported India's right to self-defence, the UAE urged restraint and dialogue, while the US called for a swift resolution to prevent further escalation. Such support shows the legitimacy India enjoys when responding decisively, yet responsibly, to provocations. However, a word of caution for Pakistan: this restraint should not be mistaken as our weakness. Any further adventure will be responded with far greater intensity and ferocity.In contrast, Pakistan resorted to false propaganda and disinformation to mask the extent of its operational losses. Within hours, Pakistani military spokespersons and media outlets claimed to have shot down five Indian fighter jets and falsely asserted the capture of soldiers as prisoners of war. These fabricated narratives were debunked by independent analysts and fact-checkers.

For instance, purported images circulated by Pakistan were traced back to an unrelated MiG-29 crash in Rajasthan in 2024; Pakistan's Defence Minister Khawaja Muhammad Asif retracted initial claims of captured Indian personnel. Such misinformation reflects Pakistan's strategic pattern — attempting to deflect from its own tactical and operational failures by misleading its domestic populace and international community.

Operationally, Sindoor achieved several objectives. The foremost was dismantling major nodes of Pakistan's cross-border terror apparatus, significantly degrading their operational capabilities and disrupting potential terrorist plans. Secondly, the seamless coordination between the army and the air force displayed India's progress towards true jointness, essential for future engagements. Thirdly, it sent a robust message of deterrence to Pakistan's deep state: terror sanctuaries, no matter how deep inside Pakistani territory, are no longer safe. Lastly, the strategic messaging to Pakistan to mend its ways or face greater consequences. The N-card will not work anymore. Yet, the end of one operation is merely the beginning of strategic vigilance and preparedness for suitable response to any pushback. Pakistan's historical responses to India's retaliatory military actions exhibit a pattern of irrational escalation and reckless provocation. After India's 2016 surgical strikes, Pakistan denied that any strikes took place, while simultaneously increasing ceasefire violations by 200 per cent and intensifying terrorist infiltration.

Operation Sindoor marks a strategic shift

The task before Indian diplomats and leadership is to convince the world of the validity of Op Sindoor, of putting pressure on Pak to end terror.

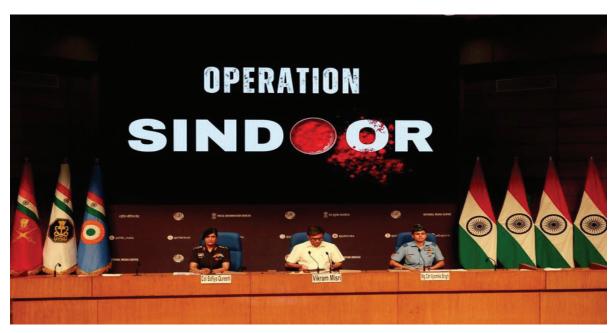
With the Indian defence forces conducting Operation Sindoor, a 'Modi doctrine' to deal with an 'unacceptable' Pakistani terrorist strike has been conclusively established. The beginnings of the doctrine can be traced to the surgical strikes after the Uri terrorist attack in 2016. The surgical strikes hit at Pakistan's terrorist launch pads across the Line of Control. Their significance lay in the fact that for the first time, India announced that it had taken kinetic action in response to a Pakistani terrorist attack. The second occasion was when the Prime Minister authorised the use of kinetic force after the Pulwama terror attack in February 2019. An Indian Air Force aircraft hit a terrorist centre in Balakot.

The next day, Pakistani and Indian fighter aircraft engaged with each other. In that dogfight, an Indian pilot baled out in Pakistan territory. The Pakistani authorities returned him to India almost immediately to avoid an escalation. Significantly, they also denied that the Balakot aerial strike had caused any damage. Operation Sindoor has been of a different order altogether. All three arms of the defence forces are said to have been used to strike at the headquarters of the main terrorist organisations that have been involved in terrorist activities in Jammu and Kashmir and elsewhere in India. They were struck as part of the nine terror hubs that were attacked in the early hours of May 7. Thus, Operation Sindoor specifically went after the Lashkar-e-Taiba (LeT) headquarters in Muridke and that of the Jaish-e-Mohammed (JeM) in Bahawalpur. These two terrorist outfits especially evoke strong Indian emotions because of the nature of the attacks they have undertaken.In his briefing on Operation Sindoor, Foreign Secretary Vikram Misri said: "Pakistani and Pakistantrained terrorists belonging to the Lashkar-e-Taiba carried out a savage attack on Indian tourists at Pahalgam in Jammu and Kashmir in India. They murdered 26 people... The attack in Pahalgam was marked by extreme barbarity, with the victims mostly killed with headshots from close range and in front of their families.

Family members were deliberately traumatised through the manner of the killing, accompanied by the exhortation that they should take back the message." He went on to say: "A group calling itself 'The Resistance Front' has claimed responsibility for the attack. This group is a front for the UN-proscribed Pakistani terrorist group, Lashkar-e-Toiba."The Pahalgam terrorist attack caused widespread and deep anger because it was entirely communal in nature and targeted innocent tourists. But the LeT and its leader Hafiz Saeed have a special notoriety in India's national consciousness because they carried out the 26/11 Mumbai terrorist attack. India too has not forgotten that Pakistan did not bring the perpetrators of the Mumbai attack to justice, though it acknowledged the LeT's

role. The JeM and its leader Masood Azhar also cause great revulsion in India not only because they carried out the Kandahar hijack but also because of the Parliament terrorist attack of 2001. The JeM, no doubt encouraged by senior elements of the Pakistani army, also undertook the

five Indian aircraft and destroyed a brigade headquarters. In addition, the LoC and IB ceasefire of 2021 is over, for the Pakistani army has opened fire using artillery. That has resulted in 20 Indian fatalities. The Indian army is responding in kind. The Pakistan army has always



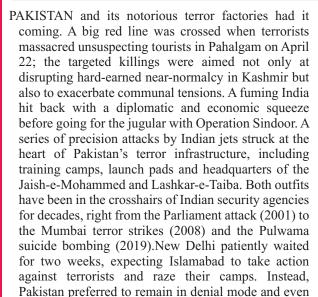
Pathankot airbase attack of 2016, which put paid to Modi's peace initiative with Pakistan. Thus, the Indian defence forces striking Bahawalpur and Muridke during Operation Sindoor will specially resonate among Indians. These organisations and their leaders are virtually arms of the Pakistani state, which was compelled to take action against them to get off the grey list of the FATF. However, Pakistani steps against them were only of a cosmetic nature. Indeed, these two groups, in particular, have developed roots in sections of Pakistani society which will be difficult to pull out without the Pakistan army and state paying a cost. This, they are unwilling to do because the use of terror is now an essential part of Pakistan's security doctrine. While India is united in standing with the Modi government for undertaking Operation Sindoor, it is essential, even if national sentiments are surcharged currently, to undertake a cool analysis of how the Pakistani state apparatus will respond to the operation. Along with this, a realistic assessment has also to be made of how the international community will react to India's kinetic action. As I write, Pakistan has acknowledged that it has lost 26 lives in the Indian strikes and over 40 have suffered injuries. It has also claimed that it has downed

projected that it is the ultimate guardian of the people. As such, it is in its DNA to give what it calls a 'fitting' response to any Indian kinetic action, especially one in which there have been civilian fatalities.

Also, as Muridke and Bahawalpur were attacked in addition to Hizbul Mujahideen establishments, there will be great pressure from terrorist leaders to 'teach the Indians' a lesson. There is no doubt that the government and the defence forces have taken precautions and have factored all contingencies in their planning. The international community's main concern is that Indian-Pakistani hostilities be defused immediately. The US President's immediate reaction on learning of Operation Sindoor was that the situation should end early. The main fear of the international community is that a spiral of escalation should not take place between the two nuclear powers. Hence, it will call for restraint and it is probable that the Security Council will meet today itself and issue such a call.A process of escalation can be avoided if Pakistan does not take action and hit Indian ground targets, whether civilian or military. If it does and that leads to large fatalities, then the Modi government will come under immense domestic pressure.

Pahalgam payback

India gives stern warning to Pakistan





levelled allegations of false flag operations against India; reckless sabre-rattling by its ministers was another act of desperation. The clock was ticking, yet Pakistan was busy digging a hole for itself. Finally, it

took India all of 25 minutes to tell its hostile, incorrigible neighbour in no uncertain terms enough is enough. The 'measured' and 'nonescalatory' strikes - which avoided Pakistani civilian, economic and military targets - have showcased India as a responsible regional power. Pakistan has been thoroughly exposed as a nation unwilling to shun cross-border adventurism despite having ample troubles at home. Pakistani Defence Minister Khawaja Asif has put the onus on India to de-escalate the situation. The ball, however, is clearly in the Islamabad-Rawalpindi court. Pakistan, now itself a blood-soaked victim of terrorism, must realise that its strategy to bleed India with a thousand cuts has become a millstone

around its neck. The May 7 message is loud and clear provoke India at your own peril. The question is: Will Pakistan see reason at long last or continue to follow a suicidal course?

Tighten the noose around Pakistan

India must impose more severe costs on the neighbour for indulging in cross-border terrorism

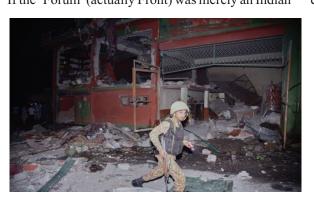
INDIA is angry. The cold-blooded and communal killing of 26 innocent civilians in Pahalgam on April 22 led to the demand and expectation of retribution. Pakistan did not have to wait long for the kinetic action that it was sure would come. And it came in the wee hours of May 7 when nine terror facilities were targeted in precision attacks. These included the headquarters of the Jaish-e-Mohammad (JeM) at Bahawalpur and of the Lashkar-e-Taiba (LeT) at Muridke. For India, the road ahead was clear. It had served notice on Pakistan after Uri in 2016 and Pulwama in 2019 that it would not accept terror in inter-state relations and there would be costs to pay. Pakistan seemed to have forgotten those lessons and resorted to a terror strike in Pahalgam. Hence, India now has to impose more severe costs on Pakistan for indulging in cross-border terrorism. The pain would have to be long-term and decisive. PM Narendra Modi has articulated this when he stated that the consequences would be unimaginable.

Earlier, India's non-kinetic retribution was swift, changing the rules of engagement. Within a day, several measures were taken, of which the key one was holding the Indus Waters Treaty (IWT) in abeyance. Since Pakistan is totally dependent on the Indus and its tributaries for its irrigation needs, this measure sent severe shockwaves in that country. Simply put, Pakistan's water system is already on the verge of collapse and the country is staring at water scarcity. Further disruption of water supply would not only exacerbate the existing scarcity but have a cascading effect on crop yields and food security. There would thus be long-term consequences for Pakistan's agriculture.

Trying to keep pace with India, Pakistan announced

the suspension of bilateral accords, including the Simla Agreement, and also banned trade and use of its airspace with India, apart from reciprocating diplomatic measures announced by India. It also threatened that disruption of the IWT would be considered as an "act of war" and "responded with full force across the complete spectrum of national power."The Pakistan narrative, as developed since April 22, has the following elements:(i) Pakistan has nothing to do with the Pahalgam incident.

(ii) Indian allegations against Pakistan are without an iota of evidence.(iii) Pakistan demands an independent and transparent probe by neutral investigators.(iv) India is diverting attention from its inability to suppress the inalienable right of Kashmiris to self-determination, its security failures as well as its decades-long state terrorism and oppression.(v) India is seeking to suppress Kashmiris and defy UNSC resolutions on the issue.(vi) India needs to explain why such incidents usually coincide with high-profile visits.(vii) Holding the IWT in abeyance is unilateral and illegal.(viii) There are strong indications that India plans to launch military strikes on multiple targets despite the absence of any evidence of Pakistan being linked to the latest terrorist attack.(ix) After the attacks, Pakistan has claimed that all the targets were mosques, trying to give a communal colour to the strikes against terror facilities. The above narrative has been peppered with the threat of the use of nuclear weapons by political leaders and officials. The most interesting part of Pakistan's narrative was the assertion of Foreign Minister Ishaq Dar that as a non-permanent member of the UNSC, Islamabad pushed to water down the language in the US-proposed statement, which originally named and shamed The Resistance Front, a proxy of proscribed terror group LeT. Deliberately calling it a 'Forum' formed by the local population, Pakistan rejected its classification as a terror group. If the 'Forum' (actually Front) was merely an Indian



outfit, having no connection with the Pak-based LeT, why would Pakistan go out of the way to have the reference blocked? Meanwhile, Pakistan is preparing international legal action over India holding the IWT in abeyance. It is working on at least three legal options that include raising the issue at the World Bank; taking action at the Permanent Court of Arbitration; or at the International Court of Justice in the Hague. A fourth diplomatic option is to raise the issue at the UNSC. Though Pakistan sought to create the impression that

the attack was due to an indigenous uprising, the targeting of Hindu tourists showed that it was a religiously motivated act of terror. The attack showed Pakistan's frustration since it sought to

degrade the growing tourism sector that directly impacted the livelihoods of Kashmiris. It also sought to dent the Indian narrative of normalcy since the abrogation of Article 370. Finally, the timing of the attack was significant since it coincided with the high-profile visit of US Vice-

President JD Vance to India and PM Modi's trip to Saudi Arabia. After the Pahalgam attack, there have been confessions from Pak ministers that clearly implicate Pakistan in the terror architecture it has created over the past few decades. Thus, Defence Minister Khawaja Asif, replying to a question during an interview with Sky News on April 25, said, "We have been doing this dirty work [backing and funding terror groups] for the United States for about three decades... and the West, including Britain....' Then, former Foreign Minister Bilawal Bhutto, in a conversation with Sky News on May 1, acknowledged the country's link with terror operatives, saying that Pakistan has a past. A related

development has been the sudden appointment of Lt Gen Muhammad Asim Malik as Pakistan's National Security Adviser (NSA), marking the first time a serving ISI chief holds both posts simultaneously. The post of NSA in Pakistan had been vacant since April 2022 when the civilian incumbent, Moeed Yusuf, vacated it following the ouster of Imran Khan as PM in a no-confidence motion. The dual appointment does signal a strengthening of power of the Pakistan Army, relegating civilians to the sidelines when there are heightened India-Pakistan tensions. The NSA, who holds the status of a federal minister, also heads the National Security Division, based in the Pak PMO.

India likely to caution IMF against fresh financial support to Pakistan: Report

New Delhi One day before a key International Monetary Fund (IMF) meeting in Washington, India indicated it might raise its concerns with the international body about giving more financial help to Pakistan, reported PTI.

On Thursday, India's Foreign Secretary Vikram Misri said that India's representative at the IMF would clearly put forward the country's view. "I'm sure that our executive director will put forward India's position," he told reporters during a media briefing.

He stated that although the board's decision is separate, those who keep generously helping Pakistan financially should clearly understand the risks involved. Misri also pointed out that Pakistan has received around 24 bailout packages from the IMF in the past, but many of them have failed to achieve proper results. These comments come just a day after Îndia carried out military strikes on terrorist camps in Pakistan and Pakistan-Occupied-Kashmir. Tensions between the two countries have gone up since then.India seems to be sending a message that simply handing out money to Pakistan won't solve the deeper issues, especially when terrorism and poor handling of previous funds remain concerns.

Rupee vs US Dollar: Indian currency falls 30 paise to 85.88 against US dollar

Mumbai. The rupee depreciated 30 paise to 85.88 against the US dollar in early trade on Friday, weighed down by intensifying geopolitical tensions between India and Pakistan. Forex traders said geopolitical tensions between India and Pakistan have sparked risk-off sentiment in the market leading to the rupee weakness. Besides, increased demand for the US dollar further dented investor sentiments.At the interbank foreign exchange, the domestic unit opened at 85.88 against the greenback, registering a fall of 30 paise over its previous close.

On Thursday, the rupee saw its steepest single-day fall in more than two-and-a-half years and settled 81 paise lower at 85.58 against the US dollar on Thursday, weighed down by heightened geopolitical tensions between India and Pakistan.

Pakistan's armed forces launched multiple attacks using drones and other munitions along the entire western border on the intervening night of May 8-9, which were "effectively repulsed", the Indian Army said on Friday.Pakistani troops also resorted to "numerous ceasefire violations" along the Line of Control in Jammu and Kashmir, the Indian Army said in an early morning post on X. The rupee fell to 85.78 on Thursday on the escalation of hostility between the two countries from a high of 84.52 and opened lower on a rise in the dollar index and could move to 86.50 unless the Reserve Bank of India (RBI) steps in to sell dollars, said Anil Kumar Bhansali, Head of Treasury and Executive Director Finrex Treasury Advisors LLP.Meanwhile, the dollar index, which gauges the greenback's strength against a basket of six currencies, was trading higher by 0.01 per cent at 100.65. Brent crude, the global oil benchmark, rose 0.30 per cent to USD 63.03 per barrel in futures trade. "During any war-like scenario investors usually flee out towards safe-haven assets, causing capital outflows from the market and weakening the currency in the short-term," CR Forex Advisors MD - Amit Pabari said. However, this weakness is likely to stay for the short-term, as the war tensions ease out and strong fundamental data, Indian rupee is poised to appreciate in the medium term, Pabari added. In the domestic equity market, the 30-share BSE Sensex declined 589.96 points or 0.73 per cent to 79,744.85, while the Nifty fell 195.50 points or 0.81 per cent to 24,078.30. Foreign institutional investors (FIIs) bought equities worth Rs 2,007.96 crore on a net basis on Thursday, according to exchange data.

RBI eases debt market rules for FPIs



Mumbai. RBI has eased investment restrictions for foreign portfolio investors in the corporate debt market. This move is likely to deepen market liquidity and align India more closely with global capital flows. RBI announced it will remove both the short-term investment cap and the concentration limit that previously applied to FPIs investing through the general route. Under the earlier framework, FPIs could only invest in corporate bonds with a residual maturity of more than one year. Their holdings were also capped at 50% of any single issuance, with tighter limits based on investor type.

These constraints, designed to mitigate concentration risk and discourage speculative flows, did not apply to the voluntary retention route, a separate channel with lock-in conditions. The removal of these restrictions grants foreign investors greater freedom to deploy capital tactically. FPIs can now hold a larger share of individual bond issues and invest freely across the maturity curve, including in paper with less than one year to maturity.

Titan share price jumps over 4% after strong Q4 numbers. Should you buy

Titan's share price surged 4.95% to reach the day's high of Rs 3,530 on the BSE, compared to the previous close of Rs 3,363.45.

New Delhi Shares of Titan Company jumped nearly 5% on Friday morning after the firm announced strong results for the fourth quarter and the full financial year. It also announced a dividend of Rs 11 per share.

Titan's share price surged 4.95% to reach the day's high of Rs 3,530 on the BSE, compared to the previous close of Rs 3,363.45.A total of 0.46 lakh shares changed hands, with a turnover of Rs 15.89 crore. With this rise, the market value of Titan increased to Rs 3.12 lakh crore. So far this year, Titan's stock has

over the last 12 months.WHAT BROKERAGES ARE SAYING

Brokerage houses are mostly positive on the stock after the earnings. Motilal Oswal has kept its 'buy' rating on Titan and set a price target of Rs 4,000, which is 19% higher than its previous close.

"Titan continues to do better than other

branded players because of its strong sourcing network, focus on younger customers, and good reinvestment strategy. The brand value and business model are hard to copy, which gives Tanishq an advantage in the jewellery market. Titan's store count reached 3,312 by the end of March 2025, and the company is still expanding. Other businesses apart from jewellery are also growing well and will help in the medium term," said Motilal Oswal. They expect Titan's revenue, operating profit (EBITDA), and net profit to grow by 16%, 18%, and 22% every year from FY25 to FY27. "Titan may look expensive at the moment, but the long-



term growth story is intact, and the company has a strong record of performance," the brokerage added.

JM Financial has also upgraded its rating on the stock from 'Hold' to 'Buy'. It has raised the price target from Rs 3,550 to Rs 3,725."We have increased our price-toearnings (P/E) ratio from 55 times to 57 times due to stable margins and strong growth. We expect 15% revenue growth, 27% EBITDA growth, and 33% profit growth from FY25 to FY27," JM Financial said in its report.Brokerage Nuvama has also raised its target price to Rs 4,541 from Rs 4,115 and kept its 'Buy' rating. "Titan's jewellery business

strength, a pick-up in solitaire sales, and small hedging gains. This helped it post a strong operating margin of 11.9% in Q4, even though gross margins fell and the studded ratio went down by 3 percentage points year-on-year," said Nuvama. The brokerage added, "Strong wedding and festive demand helped the jewellery segment grow by 25% compared to last year, despite high gold prices. We expect good demand in Q1FY26 due to many wedding dates. Because of this continued demand, we have slightly increased our revenue and profit forecasts for FY26 and FY27."From a technical point of view, Titan stock looks stable. Its relative strength index (RSI) is at 61.9, which means it is neither overbought nor oversold. The stock has a beta of 0.8, suggesting it is less volatile than the market. It is also trading above all its key moving averages: 5-day, 20-day, 50-day, 100-day, and 200-day, which is usully a good sign for investors.

HAL, BEL, Bharat Dynamics: Defence sto

New Delhi. Escalating tensions with Pakistan have sparked a sharp rally in defence stocks, with investors rushing to price in a potential surge in demand for defence equipment and systems. Shares of Hindustan Aeronautics (HAL), Bharat Dynamics (BDL),

Bharat Electronics Ltd (BEL), and Paras Defence jumped between 2 and 7% in Friday's trade, outperforming a jittery broader market shaken by geopolitical

The surge follows India's precision missile strikes on nine identified terror hubs in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir (PoK), carried out in retaliation for the Pahalgam terror attack that killed 26 civilians

As tensions escalated between India and Pakistan, shares of defence companies such as Bharat Forge, Paras Defence, BEL and HAL were among the top movers on the BSE, with strong interest also seen in Mazagon Dock Shipbuilders, Cochin Shipyard, BEML, and Data Patterns.

The rally comes amid reports that the Modi government has called top defence manufacturers to Delhi next

production readiness. "We've been called to Delhi next week. Our team is going. I can't say more," Bharat Forge Chairman and MD Baba Kalyani told CNBC-TV18, fuelling further



speculation around a rapid push for defence readiness.Brokerages have already been bullish on the sector. Nuvama recently projected a \$130 billion defence opportunity over the next five years, with the Air Force and Navy accounting for the bulk of upcoming capex.HAL's LCA Tejas and Sukhoi upgrade programs, BDL's missile systems including Akash and Astra, and BEL's radar and electronic

renewed government orders as part of India's ongoing military modernisation drive. The Indian defence budget for FY26 stands at Rs 6.81 lakh crore, with Rs 1.8 lakh crore earmarked for capital expenditure. With fresh tensions on the

border and cross-border strikes back in the spotlight, investors appear confident that these budget allocations may be revised upward or fast-tracked.

Meanwhile, tensions remain high across the Line of Control. Pakistan retaliated with missile and drone attacks late Thursday, prompting India to activate its air defence systems. Explosions were reported in

parts of Jammu and Kashmir as drones were intercepted mid-air. Sirens and blackouts were imposed in border towns across Punjab and Rajasthan as civilians scrambled for cover. International reactions have been cautious. US Vice President JD Vance ruled out direct involvement, saying Washington would not intervene in "a war that's fundamentally none of our business," but urged both nations to

India-Pakistan tension: What should investors do as Sensex, Nifty trade in red

New Delhi. Dalal Street opened in red as tensions between India and Pakistan have increased, and stock market investors are growing more cautious. Sensex and Nifty were trading in red, at the time the article was being written. This was expected after news of cross-border drone attacks and a sharp response from India raised concerns in the financial markets. At 9:43 am, the S&P BSE Sensex had fallen by 507.64 points to 79,827.17, while the NSE Nifty50 dropped 160 points to 24,113.80. Most shares and sectors were trading lower, with only a few managing to stay in the green. Stay invested, corporate profits are going to do well in the coming quarters and years also. So nothing to worry, stay invested and participate in India's growth story," said Kranthi Bathini, Equity Strategist at WealthMills Securities Pvt Ltd.

NVESTORS ADVISED TO STAY CALM



Indian Oil assures public of fuel stocks amid rising tensions: No need for panic buying Pakistan, particularly after recent

New Delhi. Indian Oil Corporation Limited (IOCL) has asked people across the country to avoid panic buying of fuel, saying there is enough stock of petrol, diesel, and LPG available at all outlets. The company added that its supply operations are running without any problems.IOCL posted a message on social media platform X on Friday, saying, "IndianOil has ample fuel stocks across the country, and our supply lines are operating smoothly. There is no need for panic buying—fuel and LPG are readily available at all our outlets."The company also requested the public to stay calm and avoid unnecessary rush at petrol pumps.Indian Oil said that this calm behaviour would help the company IOCL shares were trading in the red continue to supply fuel smoothly and ensure that all customers have access to petrol, diesel and LPG without any



WHY THE PANIC?

today, with the stock down 1%. The IOCL statement comes in the wake of escalating tensions between India and

drone strikes on Indian cities.Meanwhile, oil prices saw a modest uptick on Friday after a nearly 3% surge the previous day. As of 0507 GMT, Brent crude had climbed 23 cents, or 0.37%, to \$63.07 per barrel. US West Texas Intermediate (WTI) crude rose by 21 cents, or 0.35%, to reach \$60.12 a barrel. The movement in global oil prices appears to be influenced by ongoing trade disputes between the United States and China.

The clarification from IOCL came after videos and posts started appearing on social media showing long queues at petrol pumps, especially in some parts of northern India. Many people were seen trying to stock up on fuel. This panic-buying started after tensions increased between India and Pakistan following 'Operation Sindoor', in which Indian forces reportedly.

Dr VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Financial Services, said investors should not panic or sell in a hurry."Investors should not panic and exit from the market now. Remain invested, monitor the developments and wait for the dust to settle," he said. He explained that the market has not fallen as much as one would expect during such a situation. According to him, "Under normal circumstances, on a day like this, the market would have suffered deep cuts. But this is unlikely due to two reasonsVijayakumar pointed out that India has shown strong defence capability so far, and this could stop the conflict from escalating further. "The conflict, so far, has demonstrated India's clear superiority in conventional warfare, and therefore, further escalation of the conflict will inflict huge damage to Pakistan," he added. The second reason, he said, is the strong global and domestic economic position of India."The market is inherently resilient supported by global and domestic macros. Weak dollar and potentially weakening US and Chinese economies are good for the

Drone stocks light up Dalal Street, rally up to 17% amid Indo-Pak tensions

Shares of ideaforge Technology jumped nearly 17% to Rs 450 on the Bombay Stock Exchange (BSE) after Indian forces deployed suicide drones to neutralise air defence systems in Lahore and Multan. Meanwhile, Droneacharya gained 5%, ZEN Technologies advanced 5%, and Paras Defence rose almost 5% in intraday trade.

New Delhi. India's growing reliance on unmanned warfare in its escalating conflict with Pakistan has sent shares of drone and defence technology firms soaring on Dalal Street.Stocks like ideaforge, Droneacharya Aerial Innovations, and ZEN Technologies rallied sharply on Friday, buoyed by



investor bets on increased military procurement in the face of a widening conflict that has pushed India into direct military-to-military combat. Shares of ideaforge Technology jumped nearly 17% to Rs 450 on the Bombay Stock Exchange (BSE) after Indian forces deployed suicide drones to neutralise air defence systems in Lahore and Multan. Meanwhile, Droneacharya gained 5%, ZEN Technologies advanced 5%, and Paras Defence rose almost 5% in intraday trade. The market reaction came after a dramatic escalation in the Indo-Pak

conflict.On Thursday morning, India conducted precision air strikes on nine terror hubs in Pakistan and Pakistanoccupied Kashmir, in retaliation for the Pahalgam terror attack that claimed 26 civilian lives. Pakistan retaliated with a volley of drone and missile attacks targeting military installations across Jammu and Kashmir. Officials confirmed that India used Harop suicide drones to destroy Pakistani air defence systems. India's integrated air defence network, consisting of indigenous, Russian, and Israeli-origin systems, was activated to

intercept incoming threats. Defence sources claimed at least one enemy fighter jet was also brought down.Across the Line of Control, tensions remain dangerously high. Heavy artillery fire was reported from Pakistani positions in Uri, Kupwara, and Poonch. Civilian areas in Punjab and Rajasthan experienced blackouts as sirens blared, with residents taking shelter amid fears of further strikes. The sharp rally in unmanned systems and defence stocks reflects investor confidence in India's long-term defence preparedness and self-reliance push. With India's FY26 defence budget pegged at Rs 6.81 lakh crore—Rs 1.8 lakh crore of which is marked for capital expenditure—analysts believe the government may further front-load or expand spending in response to the latest threats.Brokerageslike Nuvama have long maintained a bullish stance on the sector. In a recent note, it estimated a \$130 billion defence opportunity over five years, driven primarily by Air Force and Navy upgrades, including LCA Tejas, Astra missiles, AMCA jets, and advanced radar and electronic warfare

How Indian Defences Protected Nation, Shot Down Pak Missiles, Drones

Indian Air Force used a combination of anti-aircraft guns and surface-to-air missiles, as well as an integrated counter-UAS grid to shoot down Pak missiles and drones.

wall - to protect the country from enemy missile and drone strikes - stood steadfast this week against two waves of attacks from Pakistan in less than 48 hours, knocking down projectiles targeting military installations in Jammu and Kashmir, Punjab,

The first wave began late May 7 night (hours after India's Operation Sindoor eliminated nine terror camps in Pak and Pak-occupied Kashmir) and rolled over into the early hours of May 8. Military facilities in or near 15 Indian cities were targeted. But a combination of air defences intercepted the Sources said the Indian Air Force used a missiles and Israeli-made HARPY drones delivered a counterattack disabling Pak's air defences. The second wave was launched hours later.Air raid sirens sounded across cities in Punjab and Rajasthan, which share long boundaries with Pakistan, and across J&K too. A complete blackout of border towns and cities was ordered.

But, once again, Indian air defences repulsed the



India's 'Iron Dome'

combination of anti-aircraft guns and surface-toair missiles, as well as an integrated counter-UAS grid to defeat the enemy weapons.

Breaks down what this means. The integrated counter-UAS grid - to counter unmanned aircraft systems - neutralises drones and incoming aerial threats, which includes various missiles that may be fired by Pak. The grid uses multiple technologies, including radar and radio frequency sensors, to locate, identify, and track

potential airspace threats. When a threat is identified the system can deploy a number of countermeasures, including nonexplosive ones like jamming radio signals. The system can also fire an interceptor projectile; in visuals online of Pak missiles exploding in the night sky over Indian cities this week, many of those were shot down by the C-UAS grid.

This grid is particularly important for India given the vast amount of territory, much of which is not easily accessible, the Air Force has to defend against aerial threats. A fullyfunctioning C-UAS grid allows the Indian

armed forces to deploy other resources more strategically. The C-UAS is the overall shield that defends the country from aerial threats, and there are several layers to this shield, both for different kinds of missiles and to ensure adequate cover. One layer is the S-400 missile defence system that can track incoming threats from 600km away, and can intercept threats within a 400km-range; that range makes it a potent system. It is, arguably, one of the country's most important air defence systems.

Indian and US researchers uncover novel subtype of Maturity-Onset Diabetes of the Young (MODY)



NEW DELHI. In a breakthrough, Indian and US researchers have jointly announced the discovery of a new subtype of Maturity-Onset Diabetes of the Young (MODY) a group of inherited forms of diabetes characterised by high blood sugar levels, often diagnosed before the age of 30. The researchers from the Madras Diabetes Research Foundation (MDRF) in Chennai and Washington University School of Medicine in St. Louis, Missouri, USA, stated that this global breakthrough in MODY research has the potential to transform how certain forms of the disease are diagnosed and

The discovery centres around a rare, inherited form of diabetes known as MODY a genetic form of the disease typically diagnosed in childhood or adolescence. According to the researchers, this finding could revolutionise the diagnosis and treatment of MODY, which is distinct from the more common Type 1 and Type 2 diabetes.Dr V. Mohan, Chairman of MDRF one of India's premier institutions dedicated to diabetes and metabolic research said, "We are excited that we have discovered a new subtype of MODY diabetes.'

This work underscores the importance of genetic testing and functional understanding for the precise diagnosis of diabetes in general, and MODY subtypes in particular," he added.He told this paper that it is clear not everyone has Type 1 or Type 2 diabetes, contrary to widespread belief. "One should be on the lookout for rarer forms of diabetes, as this is part of precision medicine. Only a precise diagnosis can lead to precise therapy.'

While the prevalence of this new subtype in India is not yet known, Dr Mohan noted that MODY itself accounts for only 2-3% of all diabetes cases. He also highlighted that there are more than 50 different types of diabetes. "Type 1 and Type 2 diabetes are the most common, followed by gestational diabetes. But there are many other genetic forms, such as neonatal diabetes, MODY, diabetes secondary to chronic pancreatitis, drug-induced diabetes, etc.'

To date, 13 MODY subtypes have been recognised. This newly identified variant challenges long-standing assumptions about how the disease develops and significantly expands scientific understanding of MODY. It also underscores the urgent need for broader access to genetic screening particularly in countries like India, where such testing is not yet standard practice in diabetes care.

This breakthrough could mark a turning point in advancing personalised diagnosis, treatment, and long-term management for thousands of individuals living with undetected or misclassified forms of diabetes," Dr Mohan

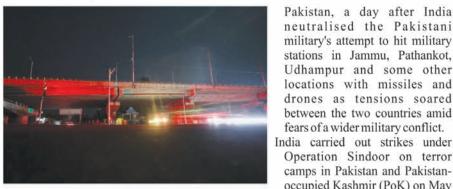
"By identifying these unique subtypes of MODY, we are moving closer to providing more precise diagnosis, treatment, and better care for individuals affected by this novel MODY subtype. Patients with this new Loss-of-Function (LOF) MODY subtype do not respond to sulphonylureas, unlike other MODY types such as MODY 1, 3, and 12. Further studies are needed to determine the most effective antidiabetic medications for treating this new form. This study also opens new avenues for discovering novel drug targets in diabetes treatment," he added. The research, based on a collaborative investigation involving detailed genetic and functional analyses of Indian patients diagnosed with MODY, reveals a groundbreaking mechanism behind a subtype involving the ABCC8 gene, which plays a crucial role in pancreatic β-cell function.

Air sirens in Chandigarh, residents asked to stay indoors amid tensions with Pak

The Chandigarh administration on Friday sounded an air raid siren, urging residents to remain indoors amid rising tensions between India and Pakistan.

NEW DELHI.The Chandigarh administration on Friday sounded an air raid siren, urging residents to remain indoors amid rising tensions between India and Pakistan. Chandigarh's Air Force Station issued an air warning, alerting them to a possible aerial attack."An Air warning has been received from Air force station of a possible drone attack," the Chandigarh administration posted on X.

In a separate post on X, the Senior Superintendent of Police (SSP) of Chandigarh urged residents to stay indoors and away from their balconies or open areas."An Air warning has been received from the air force station



of a possible attack. Sirens are being sounded. All are advised to remain indoors and away from balconies," the senior police official said in her post.The development comes amid escalating tension between India and

7, killing around 100 terrorists. The strikes were in response to the Pahalgam terror attack where 26 people, mostly tourists, were killed by terrorists after asking about their

Pakistan, a day after India

neutralised the Pakistani

military's attempt to hit military

stations in Jammu, Pathankot,

Udhampur and some other

locations with missiles and

drones as tensions soared

between the two countries amid

Operation Sindoor on terror

camps in Pakistan and Pakistan-

occupied Kashmir (PoK) on May

fears of a wider military conflict.

Look Who's Behind Him": Indian Envoy's Photo Proof Of Pak-Sponsored Terror

New Delhi. India's High Commissioner to the United Kingdom, Vikram Doraiswami, held up what he described as undeniable evidence of Pakistan's complicity in sponsoring terrorism both within its own soil and across the border in India. Speaking to Sky News amid escalating tensions between India and Pakistan, Mr Doraiswami presented a poster-sized image

showing top Pakistani military brass alongside Hafiz Abdur Rauf, a US-

yesterday," the High Commissioner said, holding up the photo. "I believe it is for your viewers. This person here is a sanctioned terrorist under the



American sanctions regime. His name is Hafiz Abdur Rauf. He's a brother of the founder of the terrorist group that national flag.

what India has for decades maintained that Pakistan, and in particular its military establishment, not only harbours but officially supports terrorists. The interview followed India's coordinated series of airstrikes on nine terrorist infrastructure sites in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir (PoK). These strikes came in retaliation for the Pahalgam terror attack in which 26 people were killed on April 22.

One of the primary targets was the

Jaish-e-Mohammed (JeM)

headquarters in Bahawalpur, a city in Pakistan's Punjab province long believed by Indian intelligence to be a major hub of terrorist activity. The BJP released a social media graphic of IC-814, India was forced to release three jailed terrorists, including Masood Azhar himself, in exchange for 190 civilian hostages.

will continue as usual, the BSF said in a statement. you're mentioning. Look who is behind showing Abdul Rauf Azhar, Masood sanctioned terrorist and brother of him. Pakistani military. Look at the Jaish-e-Mohammed chief Masood Azhar's brother, with the word Azhar, attending the funeral of coffins there. They have the Pakistani "eliminated" stamped across his image. terrorists killed by India under Abdul Rauf Azhar was a key figure in stopped the Beating Retreat ceremonies at all three If you're going to be giving terrorists Operation Sindoor.Behind Rauf in the multiple terror incidents, including the border check posts along Pakistan in Punjab-- Attariimage were uniformed Pakistani state funerals, what does that make of 1999 hijacking of Indian Airlines flight Wagah, Hussainwala, and Sadki-- till further orders in your system? "The photograph, shared IC-814, the 2001 Indian Parliament military officers. Pakistani flags were view of public safety. However, the daily lowering of draped over the coffins of terrorists. by India at a press briefing in New attack, and the 2016 Pathankot airbase the national flag at sunset will continue as usual, the Delhi, was presented as visual proof of assault. During the Kandahar hijacking Let me show you this photograph from BSF said in a statement. The BSF's decision came after

Cleaning Yamuna will require more than money, it will need a plan: CSE

...Maintaining that there is a need to intercept the sewage and not release it back into the drains that carry untreated sewage, the report stated that it must also be ensured that the 22 drains opening to Yamuna are releasing only clean water.

NEW DELHI. Lack of data on wastewater generation, direct discharge of faecal sludge from desludging tankers into rivers or drains in several locations, and mixing of treated and untreated sewage in the drains - these are some of key reasons for pollution in Yamuna, Delhi-based Centre

for Science and Environment (CSE) stated in an assessment released on Thursday.Sunita Narain, director general of CSE - a research and advocacy organisation - told mediapersons: "The focus of Yamuna Action Plan 2025 has been to build STPs (sewage treatment plants) so that domestic wastewater is intercepted and treated; improve the quality of treatment; build interceptor sewers to tap drains and divert sewage; lay sewage pipeline in unauthorised colonies and treat industrial waste in common effluent treatment plants..."

'All are good ideas... all needed. Then why is the Yamuna still polluted?" she asked. She went on to say, "We do not know how much wastewater is generated by Delhi... as there is no clear data on Delhi's population in the absence of a regular census or on the amount of unofficial water (groundwater and water supplied by tankers) that residents use... Without the data on wastewater, we must



rework the plan."

The report, titled 'Yamuna: The Agenda for Cleaning the River', noted: "...it is clear that cleaning the river will require more than money. It will need a plan, which recognises the reality that Delhi, like many other cities of India, is a city where the bulk of its people live in unauthorised areas, where sewage is not intercepted and therefore, not treated."Maintaining that there is a need to intercept the sewage and not release it back into the drains that carry untreated sewage, the report stated that it must also be ensured that the 22 drains opening to Yamuna are releasing only clean water.

As per the report, the focus of official actions, while "commendable", has failed to address the issue of pollution because of concerns like - there is no dissolved oxygen in the river beginning from ISBT; Yamuna becoming polluted at Palla, an area located within a few km of the river entering Delhi; and no visible improvement in the river's quality.On how the Delhi government has been trying to curb pollution in Yamuna, the report noted a few measures enhancement of sewage treatment capacity and its utilisation, tighter discharge norms, laying of sewage pipelines in unauthorised colonies, and controlling industrial pollution. While the government has 28 "approved" industrial areas - effluents from 17 of these are treated in common effluent treatment plants - the report noted that "the quality of treatment is a matter of concern". There is also a lack of clarity on the discharge locations post-treatment of these effluents, it added.

7 Terrorists, Backed By Pak Rangers, Shot Dead Trying To Infiltrate Jammu

New Delhi. India foiled an infiltration attempt last night and killed seven terrorists in the Samba sector of Jammu and Kashmir. Pakistan Rangers were helping them infiltrate by firing across the border from Dhandhar post, said the Border Security Force (BSF). India's military action also caused damage to the Pakistani post. The group of terrorists was detected by the surveillance grid during the intervening night of May 8 and 9 while

Alert troops of BSF, neutralised the infiltration bid, killing at least seven terrorists and causing extensive damage to the Pak Post Dhandhar," the force said, sharing a video of the destruction of the military post.

infiltrating the Samba Sector, said the BSF.

This follows a pattern of how the Pakistani military has been helping the terrorists infiltrate the Indian border and exposes Pakistan's reality as an epicentre of global terrorism. India has repeatedly accused Pakistan of providing a safe haven to the terrorists.

The infiltration attempt follows a barrage of failed aerial strikes aimed at military bases and cities on the Indian side of the border and the Line of Control. The military bases in Jammu, Pathankot, and Udhampur were specifically targeted, and so were several cities in Rajasthan, Gujarat, and Punjab. But all missiles and drones sent by Pakistan were neutralised. No loss or casualty was reported.

Pakistani troops then resumed firing at Indian posts and villages near the border and the LOC. Indian troops gave a befitting reply, destroying several Pakistani Army posts. The civil administrations had enforced a blackout all night in cities near the border, like Jammu, Srinagar, and several places in Punjab and Rajasthan.

No Beating Retreat Ceremonies At Attari, Hussainiwala, Sadqi Posts Along Pak Border: BSF

However, the daily lowering of the national flag at sunset

New Delhi. The Border Security Force (BSF) has nine terrorist bases in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir (PoJK) were destroyed by India as a retaliatory measure against the April 22 Pahalgam terror attack in Jammu and Kashmir in which 26 tourists were brutally killed.

The Indian Armed Forces launched Operation Sindoor in the early hours of Wednesday, targeting terrorist infrastructures in Pakistan and Pakistan-occupied Jammu and Kashmir (PoJK).

The strikes, executed by the Indian Armed Forces, targeted nine key terror camps linked to Jaish-e-Mohammed (JeM), Lashkar-e-Taiba (LeT), and Hizbul Mujahideen. Four of the targets were located inside Pakistan and the remaining five were situated in Pakistan-occupied Kashmir (PoK).

Yesterday, Prime Minister Narendra Modi chaired a high-level meeting with Secretaries of various Ministries and Departments of the Government of India to review national preparedness and interministerial coordination in light of recent developments concerning national security.

PM Modi stressed the need for seamless coordination among ministries and agencies to uphold operational continuity and institutional resilience. PM reviewed the ministries' planning and preparation for the current

Secretaries have been directed to undertake a comprehensive review of their respective ministries' operations and ensure the foolproof functioning of essential systems, with a special focus on readiness, emergency response, and internal communication protocols. The Cabinet Secretary, senior officials from the Prime Minister's Office, and Secretaries from key ministries, including Defence, Home Affairs, External Affairs, Information & Broadcasting, Power, Health, and Telecommunications, attended the meeting.

Black Hole That Swallowed Star 600 Million Light-Years Ago Found, NASA Shares Pic

world. NASA has released a stunning image of a black hole swallowing a star and causing a massive explosion. Although the cosmic event took place 600 million light-years ago, the burst of radiation has only reached us now, which appears like a bright dot.

The space agency's Hubble Space Telescope captured the astronomical event, called a Tidal Disruption Event (TDE), and also confirmed it with observations from the Chandra X-ray Observatory

and the Very Large Array radio telescope.
Posting the image to X, NASA wrote, "A black hole revealed itself from 600 million light-years away when it ripped apart and swallowed a star. The resulting burst of radiation is the bright dot just offcentre captured in this @NASAHubble image."Lead study author Yuhan Yao of the University of California at Berkeley said, "AT2024tvd is the first offset TDE captured by optical sky surveys, and it opens up the entire possibility of uncovering this elusive population of wandering black holes with future sky surveys."She further mentioned, "Right now, theorists haven't given much attention to offsetting TDEs. I think this discovery will motivate scientists to look for more examples of this type of event."How does a tidal disruption event (TDE)

A TDE happens when an infalling star gets too close to a black hole, which then stretches it like spaghetti due to its super-strong gravity. As the star falls apart, its pieces begin to orbit the black hole. This shredded material becomes extremely hot as it orbits, producing strong energy and light bursts that telescopes may detect as visible and ultraviolet light.

Ryan Chornock, associate adjunct professor at UC Berkeley and a member of the ZTF team, said, "Tidal disruption events hold great promise for illuminating the presence of massive black holes that we would otherwise not be able to detect."

Donald Trump Names Jeanine Pirro As Top **Washington Prosecutor**

world. Donald Trump on Thursday appointed TV personality and former judge Jeanine Pirro to a key post in the US judiciary, the president's latest nomination of a Fox News on-air host to a position of government power.

The brash 73-year-old has been selected to work as interim US Attorney for the District of Columbia, plucked from one of Trump's favorite hiring pools: right-leaning television networks. Other hires from cable news include Defense Secretary Pete Hegseth, who co-hosted "Fox & Friends Weekend," and Transportation Secretary Sean Duffy, a former reality TV show competitor and Fox Business co-host.

The pick came soon after Trump pulled his first choice for the post, a defense lawyer who represented defendants charged in the January 6, 2021 storming of the US Capitol. "I am pleased to announce that Judge Jeanine Pirro will be appointed interim United States Attorney for the District of Columbia," Trump posted on his Truth Social platform, describing the former district attorney of New York's Westchester County as being "in a class by herself."Pirro briefly entered politics in ill-fated attempts to run for the US Senate and for New York Attorney General, losing the latter race to Democrat Andrew Cuomo. She began earning wider public exposure by hosting a weekday television show, "Judge Jeanine Pirro," from 2008 to 2011. That year she joined Fox News Channel to host "Justice with Judge Jeanine," which ran for 11 years, and today she is a co-host of the network's show, "The

Los Angeles County declares Hepatitis A Outbreak: What you need to know

world. Health authorities in Los Angeles County have officially declared an outbreak of Hepatitis A following a surge in confirmed cases, prompting concerns about expanding community transmission. The virus, which inflames the liver and spreads easily, appears to be affecting individuals beyond the traditionally recognized high-risk groups. Since the beginning of 2025, local health officials have identified nearly 30 cases, surpassing what is typically seen over several months. Notably, many of these recent infections involve individuals with no known ties to common risk factors like homelessness, incarceration, or illicit drug use. This development has raised alarms among public health experts who are concerned about a broader shift in how the virus is spreading.

In response, Los Angeles County has launched a public health initiative aimed at halting further transmission. This includes expanding access to vaccinations through mobile health units, temporary clinics, and targeted outreach. Priority is being given to frontline workers and vulnerable populations who may face a greater risk of exposure. Health officials are strongly encouraging residents to get vaccinated and to follow strict hygiene practices. Hepatitis A is commonly transmitted through ingestion of contaminated food or water, or through close personal contact with someone who is infected. Symptoms may include fatigue, fever, jaundice, nausea, and abdominal discomfort. In some cases, particularly among older adults or those with existing health conditions, the infection can lead to serious liver problems. The outbreak emerges as Los Angeles grapples with broader public health pressures linked to housing insecurity and dense urban environments. While previous Hepatitis A outbreaks in the region were largely contained within the unhoused community, this new surge involves a more diverse group of people, signaling a troubling change in transmission

US urges de-escalation between India, Pak; flags Islamabad's backing of terrorists

The US urged India and Pakistan to avoid escalating tensions and sit down for talks amid fears of a military conflict between the nuclear-armed neighbours. It also expressed concerns over Pakistan's support for terror groups for many years.

world. N The US has called for de-escalation of tensions between India and Pakistan as New Delhi repelled several missile and drone attacks launched by Islamabad in the border areas in Jammu and Kashmir and Pakistan's continued support to terror groups operating on its soil.

Addressing the ongoing tensions, US

State Department Spokesperson Tammy Bruce said, "This should not escalate. This has been a key framework. This has been an issue for decades and with what we saw over the last few weeks, after the terrorist attack. It was not surprising but very, very disappointing.""It should not escalate and communication was fundamentally key that there should be talks, there should not be silence, and that America was at the centre of this in speaking with a variety of leaders of both countries over the last two days," she added. When asked about Pakistan's support for terrorist groups on its soil, Tammy Bruce stated, "In today's world, that's a call that we have been making for decades. It is the dynamic that we've seen in



the Middle East disrupting lives and clearly what happened in Kashmir is awful and we've all send our condolences. The world has rejected the nature of that kind of violence."Bruce said the US is aware of Pakistan's request for an investigation into the Pahalgam attack. "There's some discussion that Pakistan wants an independent investigation as to what has happened regarding the terrorist attack. We want the perpetrators to be held

efforts to that end," she said."We continue to urge India and Pakistan to work towards a responsible solution to this. We also want to say that what matters in this particular instance right now is that the phone calls happened and we are remaining engaged with both governments at multiple levels. We will not engage in the nature of discussing what the conversations have been or what we've conveyed," she added.

RUBIO URGES DE-ESCALATION

Earlier, US Secretary of State Marco Rubio dialled External Affairs Minister S Jaishankar and Pakistan Prime Minister Shehbaz Sharif and called for immediate de-escalation amid the ongoing tensions between India and Pakistan.

The calls happened as Pakistan launched an unprovoked attack on India on Thursday night after its attempt to attack 15 locations

"Peace Be With All Of

You": Full Text Of New

Pope's First Public

Address

Vatican City. The following is the full first speech of

US vice president JD Vance says India-Pakistan conflict 'fundamentally none of our business'

NEW YORK. Amid escalating tensions between India and Pakistan, the US has said it is not going to get involved in a war that's "fundamentally none of our business". While the US cannot control India and Pakistan, it can encourage the two nuclear-armed neighbours to de-escalate, Vice President J D Vance said in a TV interview on Thursday."Look, we're concerned about any time nuclear powers collide and have a major conflict," Vance said when asked how concerned the Trump administration is about a potential nuclear war between India and Pakistan. Vance quoted US President Donald Trump and Secretary of State Marco Rubio who have said that Washington wants the tensions to "de-escalate" as quickly as possible."We can't control these countries though. Fundamentally, India has its gripes with Pakistan. Pakistan has responded to India. What we can do is try to encourage these folks to de-escalate a little bit. But we're not going to get involved in the middle of war that's fundamentally none of our business and has nothing to do with America's ability to control it," the vice president said."America can't

tell the Indians to lay down their arms. We can't tell the Pakistanis to lay down their arms. And so we're going to continue to pursue this thing through diplomatic channels. Our hope and our

expectation is that this is not going to spiral into a broader regional war or, God forbid, a nuclear conflict, but sure, we're worried about these things.

'But I think the job of diplomacy, but also the job of cooler heads in India and Pakistan is to make sure this doesn't become a nuclear war. If it happened of course it would be disastrous. Right now we don't think that's going to happen," he said.

Vance, Second Lady Usha Vance and their three children were on their first official visit to India when terrorists killed 26 people, mostly tourists, in Pahalgam in Jammu and Kashmir on April 22. Two weeks after the attack, India launched Operation Sindoor on Wednesday, targeting terror

infrastructure in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir.On Thursday night, India neutralised Pakistan military's attempt to hit military stations in Jammu, Pathankot, Udhampur and some other locations with missiles and drones as tensions soared between the two countries amid fears of a wider military conflict. After the Indian military foiled the Pakistani attempts, the defence ministry said

India remains "fully prepared to defend its sovereignty and ensure the safety of its people". Earlier on Thursday, Secretary of State Rubio spoke separately with India's External Affairs Minister S Jaishankar and Pakistani Prime Minister Shehbaz Sharif, emphasising the need for immediate de-escalation.In his call with Jaishankar, Rubio expressed US support for direct dialogue between India and Pakistan and encouraged continued efforts to improve communications.

Pope Leo XIV, given from the central balcony of St. Peter's Basilica shortly after his election as the new pope and leader of the Catholic Church. Peace be with all of you! Dearest brothers and sisters, this is the first greeting of the Risen Christ, the good

shepherd who gave his life for God's flock. I too would like this greeting of peace to enter your heart, to reach your families, to all people, wherever they are, to all peoples, to the whole earth. Peace be with you! This is the peace of the Risen Christ, an unarmed and

disarming peace, humble and persevering. It comes from God, God who loves us all unconditionally. We still have in our ears that weak but always courageous voice of Pope Francis who blessed Rome!The pope who blessed Rome gave his blessing to the world, to the entire world, that Easter morning. Allow me to follow up on that same blessing: God cares for us, God loves all of us, and evil will not prevail! We are all in God's hands. Therefore, without fear, united hand in hand with God and among ourselves, let us move forward. We are disciples of Christ. Christ goes before us. The world needs His light. Humanity needs Him as the bridge to reach God and His lve. Help us too, then help each other to build bridges - with dialogue, with encounter, uniting all of us to be one people always in peace. Thank you, Pope Francis!I also want to thank all the fellow cardinals who chose me to be the Successor of Peter and to walk with you, as a united Church always seeking peace, justice - always trying to work as men and women faithful to Jesus Christ, without fear, to proclaim the Gospel, to be missionaries. I am a son of Saint Augustine, (an) Augustinian, who said: "With you I am a Christian and for you a bishop." In this sense, we can all walk together towards that homeland that God has prepared for us.

To the Church of Rome, a special greeting! We must seek together how to be a missionary Church, a Church that builds bridges (and) dialogue, always open to receive (people), like this square, with open arms - everyone, all those who need our charity, our presence, dialogue and love. (Switching into Spanish) And if you allow me also, a word, a greeting to all those, and particularly to my beloved diocese of Chiclayo, in Peru, where a faithful people have accompanied their bishop, have shared their faith, and have given so much, so much to continue being a faithful Church of Jesus Christ.

Switching back to Italian) To all of you, brothers and sisters of Rome, of Italy, of the whole world, we want to be a synodal Church, a Church that walks, a Church that always seeks peace, that always seeks charity, that always seeks to be close especially to those who suffer. Today is the day of the Supplication to Our Lady of

JD Vance Is Wrong": New Pope Criticised Trump, Vice President Just Weeks Ago

Vatican City. Pope Leo XIV shared articles criticizing US President Donald Trump and Vice President JD Vance on social media months before his election as America's first pontiff, particularly on issues of migration.In February, the then-Cardinal Robert Francis Prevost reposted on X a headline and a link to an essay saying Vance was "wrong" to quote Catholic doctrine to support Washington's cancellation of foreign aid. The Vatican confirmed Thursday the account was genuine and belonged to the Chicagoborn Prevost. The article took issue with Vance, who converted to Catholicism in 2019 and argued that Christians should love their family first before prioritizing the rest of the world. JD Vance is wrong: Jesus doesn't ask us to rank our love for others," said the headline reposted on Prevost's account,



along with a link to the story by the National Catholic Reporter. After becoming vice president, Vance justified the cancellation of nearly all US foreign assistance by quoting 12thcentury theologian Thomas Aquinas's concept of "ordo amoris," or "order of love."The late pope Francis, in a letter soon afterward to US bishops, said that "true ordo amoris" involved building "a fraternity open to all, without

Prevost posted the headline and link of another article about Vance's doctrinal arguments, which referred to Francis's criticisms of Trump's mass deportations of migrants. The future pope's last activity on X before his election on Thursday was to repost a comment by another user criticizing the Trump

administration's mistaken deportation of a migrant to El Salvador. The post talked about "suffering" and asked, "Is your conscience not disturbed?"The US president and vice president made no reference to the new pope's prior comments as they congratulated him on his election. Vance, who met Francis briefly on Easter Sunday hours before the pontiff died, said.

Up to 1,000 transgender troops are being moved out of the military in new Pentagon order

Under the new quidelines, active duty troops will have until June 6 to voluntarily identify themselves to the department, and troops in the National Guard and Reserve will have until July 7.

WASHINGTON. The Pentagon will immediately begin moving as many as 1,000 openly identifying transgender service members out of the military and give others 30 days to self-identify under a new directive issued Thursday. Buoyed by Tuesday's Supreme Court decision allowing the Trump administration to enforce a ban on transgender individuals in the military, the Defense Department will begin going through medical records to identify others who haven't come forward. Defense Secretary Pete Hegseth, who issued

the latest memo, made his views clear after acknowledge the number may be higher. DoD," Hegseth wrote in a post on X. Earlier in the day, before the court acted, Hegseth said that his department is leaving wokeness and weakness behind."No more pronouns," he told a special operations forces conference in Tampa. "No more dudes in dresses. We're done with that s---."Department officials have said it's difficult to determine exactly how many transgender service members there are, but medical records will show those who have been diagnosed with gender dysphoria, who show symptoms or are being treated. Those troops would then be involuntarily forced out of the service. And no one with that diagnosis will be allowed to enlist. Gender dysphoria occurs when a person's biological sex does not match up with their gender identity. Officials have said that as of Dec. 9, 2024, there were 4,240 troops diagnosed with gender dysphoria in the active duty, National Guard and Reserve. But they

the court's decision."No More Trans @ There are about 2.1 million total troops serving. The memo released Thursday mirrors one sent out in February, but any



lawsuits. The Supreme Court ruled that the administration could enforce the ban on transgender people in the military, while other legal challenges proceed. The court's three liberal justices said they would have kept the policy on hold. Neither the justices

in the majority or dissent explained their votes, which is not uncommon in emergency appeals. When the initial Pentagon directive came out earlier this year, it gave service members 30 days to

> self-identify. Since then, about 1,000 have done so.In a statement, Pentagon spokesman Sean Parnell said the 1,000 troops who already self-identified "will begin the voluntary separation process" from the military. Under the new guidelines, active duty troops will have until June 6 to voluntarily identify themselves to the department, and troops in the National Guard and Reserve will have until July 7. While it may be difficult to see which troops have

changed their gender identity in their military records, it will be easier to determine who has gotten a gender dysphoria diagnosis because that will be part of their medical record, as will any medication they are taking.

Captaincy contenders: After Rohit, who will take charge

CHENNAI. It has been a topic of debate since Jasprit Bumrah walked off the field in the fifth Test between India and Australia earlier this year. Back then, there were question marks over whether Rohit Sharma will continue, and if he doesn't, who will be considered as the next in line for Test captaincy. One aspect of it is now settled. Rohit is no longer an international Test cricketer. The Indian captain has called it a day and now, the ball is in the court of the senior men's selection committee headed by Ajit Agarkar to name a new captain and vice-captain for the five-Test series beginning on June 20. Among the names floated, India's No 3 Shubman Gill seems to be the front-runner. The 25-year-old has been groomed as a future captain by the BCCI and selectors for at least a year now. He was named the T20I skipper for the tour of Zimbabwe shortly after the T20 World Cup last year. Earlier in February, he was named Rohit's deputy in the 50-over format as he is groomed to take over from the former in the future. So, there is little doubt that he will be captaining India in all formats down the line.

Which is why, his name is being floated as a front-runner to take charge, especially with the concerns over Bumrah's workload and injury worries over the course of five Tests. Former chief selector MSK Prasad feels if the



BCCI is looking at a long-term option, Gill could be the one, but if they are looking at the upcoming World Test Championship cycle, Bumrah and KL Rahul could be alternate options. "If you are looking at a long-term solution, Shubman Gill is definitely a longterm solution. Or, if you are looking at this cycle, Bumrah also could turn out to be a solution. The three people who must be in the race, according to me, are Bumrah, Shubman Gill and KL Rahul," Prasad told this daily.

While there is no doubt about Gill's credentials in ODIs, he is still finding his feet in Test cricket and is not a regular in the T20I side. His numbers in red-ball cricket, especially away from home, are not glittering. From 42.03 at home, Gill's average drops to 29.5 away as the youngster has had trouble with lateral movement. Which makes one wonder whether captaincy will add additional pressure on the youngster especially in a long series such as England. "There is a long way to go for Gill. It is a no-brainer that he is a player who will be playing all three formats going forward.

IPL 2025: With a replacement spree, are teams looking to build for next season

New Delhi. The 2025 Indian Premier League (IPL) has largely been marked by teams bringing in replacements. So far, 17 players have been signed as injury replacements, with eight of them coming in the last eight days alone. Mumbai Indians (MI), Chennai Super Kings (CSK), and Sunrisers Hyderabad (SRH) have been hit the hardest, each requiring three replacement players.

Surprisingly, CSK and Sunrisers-despite already being knocked out of the IPL-have continued to bring in replacement players. While these signings may not impact the remainder of this season, as both teams are now only playing for pride, it suggests that franchises are already beginning to strategise for the 2026 edition. As per IPL rules, teams can retain both the original player and their



replacement for the following season. A case in point is Rajat Patidar and Vijaykumar Vyshak-after Patidar was ruled out in 2023, Vyshak was brought in as his replacement. For the 2024 season, RCB retained both players. This rule gives teams considerable flexibility when it comes to building and strengthening their squads for 2026.

Is CSK building towards a new future?

The Super Kings have endured a disappointing campaign, becoming the first team to be knocked out of the tournament. The fivetime champions have looked a shadow of their former selves. They stuck to their triedand-tested formula of relying on experienced players-a strategy that has brought them success over the years-but it backfired this time. By the time they recognised the need for change, it was already too late. However, the team now appears to be looking ahead to next season, bringing in several promising youngsters who have already demonstrated their potential in their respective roles.

LSG vs RCB, IPL 2025 Preview: Predicted XI, team news and Ekana pitch conditions

LSG vs RCB, IPL 2025 Preview: Despite heightened national tensions, IPL chairman Arun Dhumal confirmed LSG vs RCB will go on as planned in Lucknow on May 9, setting up a must-win clash for Pant's men and a playoff boost for Bengaluru.

New Delhi. While India remains on high alert amid heightened tensions along the Pakistan border, IPL chairman Arun Dhumal has confirmed that the fixture between Lucknow Super Giants and Royal Challengers Bengaluru on May 9 will go ahead as scheduled unless stated otherwise. The highstakes clash at Ekana Stadium in Lucknow promises to be a pivotal one in the playoff race of IPL 2025.RCB enter the contest riding high on a four-match winning streak, comfortably placed in second on the points table with 16 points from 11 games. A win on Thursday would virtually seal their place in



the playoffs. In contrast, LSG are reeling from three consecutive defeats and sit seventh with 10 points from as many games. For them, this is a do-or-die encounter.

Lucknow's campaign has been marred by inconsistent middle-order performances and the ongoing struggles of captain Rishabh Pant, who has failed to live up to expectations as the most expensive player in IPL history. While the top three—Mitchell Marsh, Aiden Markram, and Nicholas Pooran—have shown glimpses of form, they've lacked solid support from the rest.

Their bowling unit, too, has been unable to find a match-winning combination.

RCB, on the other hand, look far more settled. The opening pair of Virat Kohli and Jacob Bethell has provided good starts, though the middle order remains a silent concern. With Phil Salt's availability still uncertain, the top order may carry extra responsibility. RCB's bowling struggled in the absence of Josh Hazlewood during their last match against CSK, particularly at the death, which they will aim to tighten against LSG.Adding to RCB's injury list, Devdutt Padikkal has been

ruled out of the season due to a hamstring issue, with Mayank Agarwal brought in as a replacement. It remains to be seen whether Agarwal slots directly into the XI. Meanwhile, LSG have a clean bill of health ahead of the clash. As tensions simmer nationally—evident in the May 8 Dharamsala clash between Punjab Kings and Delhi Capitals getting called off and crowds and players getting evacuated due to air strike alerts-Dhumal's assurance of match action on May 9 keeps LSG's hopes alive, for now.

LSG vs RCB: Head-to-Head

RCB lead the head-to-head record 3-2 against LSG. However, LSG had the upper hand in their last meeting in IPL 2024, winning by 28

LSG vs RCB: Lucknow Weather Forecast

A hot and humid day awaits in Lucknow, with temperatures expected to hit 38C by late morning and remain steady through the afternoon. By evening, the mercury may dip to around 30C.According to the IMD, a partly cloudy sky is forecast, with chances of thunder and lightning later in the day. Accuweather predicts a 6% chance of rain during the day, slightly rising to 7% at night. Temperature fluctuations are expected between 23C and 39C.

Rishabh Pant is never under pressure: Mayank Yadav backs struggling LSG skipper

New Delhi. Lucknow Super Giants pacer Mayank Yaday came to the defence of his side's captain Rishabh Pant amidst the wicketkeeper-batter's ongoing struggles in IPL 2025, emphasising that Pant never looks under pressure. The LSG skipper has endured a difficult season with the bat, which has led to criticism from both fans and pundits, especially given his status as the most expensive player in the league for his new franchise. While Lucknow now find themselves in a fighting position for a potential playoffs spot, Pant's inability to anchor the batting order has become one of the key concerns. Fans have repeatedly voiced their worries, pointing out moments where the LSG captain has visibly lost his cool—both behind the stumps and in the dugout, especially after being sent to bat at No. 7 against Delhi Capitals. However, speaking at a pre-match press conference, Mayank Yadav assured reporters that Pant never shows signs of pressure, even in the face of criticism."I have known Rishabh

Cricket Australia awaits call on IPL 2025 amid India, Pakistan tension

Cricket Australia was closely monitoring the escalating tensions in the region on Friday, with several of its players and coaches currently participating in the Indian Premier League.

New Delhi. Cricket Australia issued a statement, saying it was closely monitoring the escalating tensions between India and Pakistan on Friday, with several of its players and coaches currently participating in the Indian Premier League."We continue to closely monitor the situation in Pakistan and India, including obtaining regular advice and updates from the Australian Government, the PCB, BCCI and local government authorities, and maintaining communication with our players and support staff currently in the region," Cricket Australia said in a statement.IPL chairman Arun Dhumal said on Thursday that the BCCI was awaiting government directives before making a call on the continuation of the league amid the military standoff with Pakistan.

"We are reviewing the situation right now. It is an evolving situation. We haven't received any directive from the government. Obviously the decision will be taken keeping all the logistics in mind," Dhumal told .However, he confirmed that Friday's match between Lucknow Super



Giants and Royal Challengers Bengaluru

would go ahead "as of now." The IPL match between Punjab Kings and Delhi Capitals was abandoned midway due to air raid alerts in Jammu and Pathankot, casting doubt over the rest of the tournament.10.1 overs were bowled after Punjab won the toss and chose to bat. When the first floodlight went out, Priyansh Arya and Prabhsimran Singh had put up 122 runs for the first wicket. The broadcasters cut to the commentary box without explaining why the match was suspended. The official note from the IPL organisers at the time stated that the floodlights had failed. On the status of

Friday's fixture, he added: "Yes, it is on as of now, but obviously it is an evolving situation and any decision will be taken keeping the best interest of all stakeholders in mind."Following the abandonment in Dharamsala, players and staff from both teams are being moved to Delhi via a special train from Pathankot, roughly 85 km away.

The teams will travel to Pathankot by road. Airports in Dharamsala, Kangra, and Chandigarh remain closed as a security precaution against potential threats.India successfully neutralised a wave of missile and drone attacks launched by Pakistan late Thursday night, which targeted key military

installations in Jammu, Pathankot, Udhampur, and several other locations amid rising tensions between the two nucleararmed nations. The strike attempts included attacks on Jammu's Satwari, RS Pura, Arnia, and Samba sectors. According to officials, Indian air defence systems intercepted the threats and responded effectively.



bhaiya for a while now because we play for the same club in Delhi. Whenever I have spoken to him, I have not felt that he is under pressure. He is confidently talking to me about the game, about the situation, [and] about the opposition batsmen," Mayank said."We have been a little late in assessing the grounds and the wickets. We have made mistakes there; I'll accept that. But we have three matches, and if we win that, there might be a chance we can make the playoffs," he added. Pant's numbers with the bat paint a concerning picture. He has scored only 128 runs in 11 matches this season. His most recent outing saw him dismissed for 18

With a scientist's mind and tricks up his sleeve, Sai Kishore eyes India call-up

Sai Kishore does not try to imitate Rashid Khan. He understands the Afghan star's strengths and the unique advantage a wrist-

spinner enjoys in T20 cricket. As a finger spinner, Sai knows he must think more deeply, read the conditions better than most, and make clever use of angles and variations to succeed in the shortest format. After years of toil on the domestic circuit and flashes of brilliance at the highest level, Sai is finally making a name for himself in the Indian Premier League (IPL) 2025, with a stellar stint for the Gujarat

With 14 wickets in 11 matches, Sai Kishore has led the spin-bowling attack for Gujarat Titans this season. The left-arm spinner from Tamil Nadu has stepped up at a crucial time, particularly in a season where Rashid Khan, returning from a lengthy injury lay-off, has struggled to between how he operates and how I do," Sai explained while speaking on Star Sports find his best form.



"With respect to Rashid and myself, Rashid is someone who can turn the ball both ways at good speed. So there's a big difference Press Room around the 'Race to Play-offs'.

"For a wrist-spinner who can turn it both ways at pace, it's mostly about accuracy and hitting the right lengths."As a finger spinner, there's a lot more game reading involved - you have to factor in how the pitch is behaving and what the match situation demands. Depending on all those things, I instinctively decide what to do - whether to bowl classical, when to go for wickets, and when to pull back and bowl defensively. I just try to play for the team, make better decisions as a bowler, and do what the captain expects. That's all I'm focusing on - and

that's why they say teamwork makes teams

Mason Mount relives positive route to United brace vs Bilbao: Knew good would

New Delhi. Manchester United midfielder Mason Mount, after scoring a decisive brace in their crucial UEFA Europa League semifinal second leg against Athletic Bilbao, revealed that his success stemmed from maintaining a positive mindset and staying committed to his training. The brace—his third and fourth goals in United colours—played a key role in helping the Red Devils secure a spot in the Europa League final, completing a dominant 4-1 win on the night and a 7-1 victory on aggregate. Mount had earlier netted his maiden United goal during their dramatic 4-3 Premier League loss to Brentford. His brace against Bilbao has added a fresh wave of optimism to his United stint, which has largely been disrupted by a series of injury setbacks. Speaking after the match, the England international shared how he always kept faith in himself, trusting the process and working hard to regain his form."It was too long. I have had injuries and setbacks, but I always stayed positive and knew something

good was gonna come, Tonight it has paid off in a semi-final. I carried on going, working hard, enjoying it every day, trying to stay positive. It has been difficult since I've been here," Mount said post-match."When I have the opportunity like this to come on in these games, I was just trying to make an impact, and as I say, today it paid off," he added.Since arriving at Old Trafford from Chelsea in 2023, Mount has endured a challenging run, frequently sidelined due to injuries that hindered his ability to gain momentum. His most recent setback came during the Manchester derby in January, when he was forced off just 14 minutes into the match. However, he returned to action

last weekend, marking his comeback with a

goal, and has now followed it up with a brace

on the European stage. After the win, United

manager Ruben Amorim praised Mount's

impact, highlighting his work ethic and flair,

and noting how the midfielder had found his rhythm at a crucial time in the season.

Not just me. If you look at the bench, that is the best feeling as a coach, look at the other guys on the bench, they are so happy for Mason Mount because everyone in that

dressing room sees Mason Mount doing everything he can to be available. He is a really good player and you can see both are really good goals. I think not just Mason Mount, not just me, but also the teammates. They were so happy for him," Amorim said.

Alongside Mount's brace, goals from Rasmus Hjlund and Casemiro sealed United's emphatic comeback against Bilbao, after Mikel Jauregizar had given the Spanish side an early lead. United will now face Premier League rivals

Tottenham Hotspur in the Europa League final, with both sides vying not just for silverware, but also for a coveted spot in next season's UEFA Champions League after disappointing domestic campaigns.

Dattaa

Hits Back At Trolls Over Pakistan Post: 'Unfollow Me, I Don't Care'

elevision actress Tinaa Dattaa, known for her roles in popular shows like Uttaran, sparked intense debate on social media this week after sharing a strongly-worded Instagram Story in response to Pakistan's claims about shooting down Indian fighter jets. Her post read, "Pakistan claiming that they shot down Indian jets to let the world know about their military/air force strength. Wish they said the same about shooting down terror camps in their province. That would command more respect for them on a global level." The message was a pointed take on the neighbouring country's perceived priorities and drew a flurry of reactions from both supporters and detractors.

Following the post, Tinaa began receiving backlash from several Instagram users, many of whom threatened to unfollow her. One such user sent her a message saying,



"Unfollowing you to be andhbhakt urine drunk people (sic)," to which the actress responded without mincing words. "And there are people who only spread hatred. Why be in Bharat if you've so much problem with this country?" she replied, making her stance very clear. Her response set the tone for what followed—an unapologetic stream of stories standing firm in her beliefs.

As more messages poured in criticizing her post, Tinaa chose to address the unfollow threats directly. In another

Instagram story, she wrote, "All those threatening to unfollow me and making announcements to do so, you should be gone by now... And I simply don't care. Nothing will change my stand on what our country India and our PM is doing, and that is taking on terror and dealing with it the way it should be dealt with... for your own safety and ours and our country. Please unfollow, I encourage that. I don't know you, don't wanna know you and don't need you... go get a workout, sleep, but just go... Bharat Power. Jai Hind."

Tinaa's strong reaction came amid heightened national sentiment following Operation Sindoor, a major offensive by the Indian Armed Forces targeting terror hideouts in Pakistan and Pakistanoccupied Jammu and Kashmir. The operation was launched in retaliation to the horrific terror attack in Pahalgam, where 26 civilians lost their lives. As the news unfolded, many television celebrities including Hina Khan, Karan Tacker, Abhishek Kumar, Avika Gor, and Shubhangi Atre took to social media to applaud the government and the armed forces for their swift and decisive response. Tinaa, however, has been among the few to engage so directly and vocally with online



Rupali Ganguly

BASHES Fawad Khan, SLAMS His Comments On Operation Sindoor

upali Ganguly has lashed out at Pakistani actors Fawad Khan and Mahira Khan for their actor Fawad Khan over his comments on the Indian army's Operation Sindoor. Recently, the Anupamaa actress took to her X (formerly Twitter) handle and shared a news snippet of Fawad's comments on India's strikes against terrorists in PoK. While Fawad called the strikes on terrorism 'shameful',

Rupali also reacted to it and wrote, "You working in Indian films was also 'shameful' for us." Check out her post here:

What Did Fawad Khan Say About Operation Sindoor?

On Wednesday, Fawad Khan took to his X handle and sparked a wave of online backlash after he condemned India's

Operation Sindoor, calling it a "shameful attack"."My deepest condolences to the families of those injured and killed in this shameful attack. I pray for the souls of the deceased and strength for their loved ones in the days to come," he wrote and then added, "A respectful request to all: stop stoking the flames with rabble-rousing words. It is AICWA reaffirms its strict and complete ban on not worth the lives of innocent people. May better sense prevail. InshaAllah. Pakistan Zindabad!"

AWICE Condemns Fawad Khan's Comments

Later, the All India Cine Workers Association (AICWA) also strongly condemned Pakistani

'anti-India' statements. In a post shared on X (formerly Twitter), AICWA lashed out at the actors, stating, "The All Indian Cine Workers Association (AICWA) strongly condemns the anti-India statements made by Pakistani actress Mahira Khan and actor Fawad Khan, who have openly criticised

India and questioned the nation's actions in defence of its sovereignty. Mahira Khan labelled India's military response as a 'Seriously Cowardly' act, while Fawad Khan, instead of condemning terrorism, focused on criticising India's stance and supporting divisive narratives."

The association said the comments were not just

disrespectful, but a direct insult to the sacrifices of Indian soldiers and innocent lives lost to terrorism. "These statements are not just disrespectful to our nation but also an insult to the countless innocent lives lost due to terrorism and the brave soldiers who sacrificed their lives for our country.

Pakistani artists, filmmakers, and financiers working in India. No Indian artist will collaborate with any Pakistani talent, nor will any global platform be shared with them," the statement added.

On Rohit Bal's Birth Anniversary, Sonam Kapoor **Pays A Moving Tribute**



enowned for his maximalist aesthetic tempered with refined elegance, Rohit Bal-fondly remembered as Gudda-was more than a fashion designer; he was a master storyteller. Each of his creations echoed tales of Indian heritage, luxury, and romance, solidifying his place as one of the country's most celebrated designers. He also shared a great working relationship with many celebrities, including Sonam Kapoor. On May 8, his birth anniversary, Team Rohit Bal shared a heartfelt tribute on social media, posting a photo of him alongside the Bollywood actress. Sonam Kapoor reposted the tribute on her Instagram Stories.

The caption read: "Happy Birthday, Rohit Sir. A visionary, an artist, a force of nature - your spirit lives on in every thread, every idea, every moment we create. You are missed deeply, today and always. We carry your love, your madness, your magic in all that we do - and we'll do our best to honour the legacy you left behind, with the same passion and purpose that defined your life.

Over the years, Sonam frequently wore Rohit Bal's designs and often graced the runway for his shows. The actress was known to deeply admire his unique ability to merge traditional Indian craftsmanship with modern fashion sensibilities. Following Bal's passing in November 2024, Sonam paid an emotional tribute to him by walking the runway in one of his creations. She honoured his legacy during the Blenders Pride x FDCI Fashion Tour 2025.

Taking to Instagram, Sonam shared images of her look and wrote: "An honour to walk in tribute to the legendary Rohit Bal at @fdciofficial x @blenderspridefashiontour. His artistry, vision, and legacy have shaped Indian fashion in ways beyond measure."She added, "Stepping onto the runway in his memory was both emotional and inspiring celebrating a designer who was, and always will be, an icon." For the tribute, Sonam wore a striking white Rohit Bal ensemble paired with an ivory floral jacket. Her hair was styled in a bun adorned with fresh roses, and she completed the look with a classic bold red lip—perfectly echoing the grace and opulence characteristic of Bal's designs.

Palak Tiwari Greets Paps With A Smile, Spotted Clicking **Photos With A Fan**



alak Tiwari, who was last seen in Bhootnii, was recently spotted by the paparazzi in Mumbai. Dressed casually yet stylishly, Palak was all smiles as she greeted shutterbugs. She is also seen obliging a young fan with a photo. The video has gone viral on social media.

In the video, shared by Filmygyan, we can see Palak asking the fan to come and click a photo. The fan, visibly excited, was all praises for the actress. The sweet moment is earning love from netizens who appreciated her humility. Many dropped heart emojis in the comment section. Palak Tiwari made her big Bollywood debut with Kisi Ka Bhai Kisi Ki Jaan alongside Salman Khan.

During a promotional interview for The Bhootnii, Palak was asked if she had ever done anything wild for love. Without skipping a beat, she recalled a moment from her teenage years that sounds straight out of a rom-com. "In high school, my then boyfriend and I used to fight a lot. One day we were fighting, and he said, 'You know what, I have to leave, you're being crazy.' He had to take a bus back home and I used to have a car pick me up."

But Palak wasn't ready to let the argument go. "I had a great monologue planned since the fourth period-like 'I'm going to say this, and then this'—so I held his bag and kept pulling him back. I think I pulled him back 200 times that day until I finished my entire speech. He ended up missing his bus and had to stay in school the whole night!"

It's a surprisingly candid (and funny) admission from someone who usually keeps her personal life tightly under wraps. As for her current relationship status, Palak has been linked to Ibrahim Ali Khan, son of Saif Ali Khan and brother to Sara Ali Khan. The duo have been spotted together multiple times, but both have remained tight-lipped, fueling curiosity but giving away nothing.

On the work front, Palak Tiwari and Thakur Anoop Singh have joined forces for a high-octane action thriller, "Romeo S3". Pen Studios, in association with Wild River Pictures, has unveiled the official poster of their upcoming action-packed thriller. The newly released poster offers a first look at the intense world of the film, hinting at a collision of firepower, truth, and justice.

